रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:67 | गुरूवार,13 नवम्बर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

केंद्र ने निर्यात संवर्धन मिशन को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों के लिए 25,060 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ देश के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने हेतु निर्यात संवर्धन मिशन को मंजूरी दी है। निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) निर्यात प्रतिस्पर्धा को मजबूती देने के लिए केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित किया गया था। यह मिशन विशेष रूप से एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम- प्रधान क्षेत्रों के लिए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को बुधवार को मंजूरी दी।

पांच लाख रुपये के इनामी सहित दो उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

संवादाता

झारखंड के लातेहार में उग्रवादी संगठन जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के दो उग्रवादियों ने बुधवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में ब्रजेश यादव और अवधेश लोहरा शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में दोनों उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। ब्रजेश यादव गुमला जिले का रहने वाला है। इस पर पांच लाख रुपए का इनाम भी घोषित था, जबकि अवधेश लातेहार के हेरहंज का रहने वाला है। पलामू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार सिन्हा और लातेहार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने दोनों उग्रवादियों को माला पहनाकर समाज के मुख्य धारा में स्वागत किया। आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि झारखंड सरकार की नई दिशा नीति का लाभ उठाकर नक्सली अपना जीवन सुधार सकते हैं। वर्ष 2025 में अब तक लातेहार जिले में 21 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, यह किसी भी जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने क्षेत्र में सक्रिय अन्य उग्रवादियों-नक्सलवादियों को भी आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित किया। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि लातेहार जिले में नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब जिले में केवल चारसे पांच नक्सली ही बचे हैं।

पेरू में दर्दनाक बस हादसा, 37 की मौत

लीमा। दक्षिणी पेरू के अरेक्विपा क्षेत्र में बुधवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा पैनअमेरिकाना सुर राजमार्ग पर हुआ, जब एक बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और गहरी खाई में जा गिरी।

भूटान से दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री मोदी एलएनजेपी अस्पताल में घायलों से मिले

एजंसी

भूटान:भूटान की दो दिवसीय यात्रा से लौट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को दिल्ली में लाल कि ला के पास हुए वि स्फोट में घायल हुए लोगों से मिलने एलएनजेपी अस्पताल गए। उन्होंने घायलों से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अस्पताल के अधिकारियों और डॉक्ट रों ने भी उन्हें घायलों की स्थिति की जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडि या प्लेट फार्म एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लि खा, ह्यएलएनजेपी अस्पताल जाकर दिल्ली में हुए वि स्फोट में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। साजि श के पीछे जो

लोग हैं, उन्हें न्या य के कटघरे में लाया जाएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान से देशवासि यों को संदेश देते हुए कहा था कि इस षड्यंत्र के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें कि सी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत की एजेंसि यां इस पूरी साजिश की तह तक जाएंगी और दोषियों को न्या य के कटघरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा था, आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने पूरे देश को व्यथि त कर दिया है। मैं पीड़ि त परिवारों के दुख को भली- भांति समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वह सोमवार रातभर इस घटना से जुड़ी सभी एजेंसि यों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा, वि चार-विमर्श जारी है, जानकारियों के तार जोड़े जा रहे हैं। हमारी एजेंसि यां षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इस कायराना हरकत में शामिल कि सी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। सभी जि म्मेद ार लोगों को न्या य केकटघरे में लाया जाएगा दिल्ली धमाके में शामिल आतंकि यों के पास एक नहीं, बल्कि दो कारें थीं। दिल्ली पुलि स ने बुधवार को लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर ्ट की तलाश के लि ए अलर्ट जारी कि या है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अंगोला की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ समारोह में हुईं शामिल

एजंसी

नई दिल्ली:राष्ट्र पति द्रौपदी मुर्मु ने अंगोला के राष्ट्र पति जोआओ मैनुएल गोंसाल्वे स लोरेन्सो के आमंत्रण पर अंगोला की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजि त भव्य समारोह में भाग लि या। राष्ट्र पति सचि वालय के अनुसार, मंगलवार को लुआंडा स्थि त प्राकादारेपुब्लिका में हुए इस समारोह में राष्ट्र पति मुर्मु ने राष्ट्र पति लोरेन्सो के साथ मिलकर अंगोला की समृद्ध सैन्य और सांस्कृति क परंपराओं की रंगारंग झलक देखी। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रनिर्मा ण में अंगोला के ऐति हासि क योगदान को भी सम्मानि त कि या गया। अफ्रीका के अपने दो देशों के राजकीय दौरे के अंति म चरण में राष्ट्र पति मुर्मु मंगलवार को बोत्सवाना की राजधानी गबोरोन पहुंचीं। यह कि सी भी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की बोत्सवाना को की जाने वाली पहली राजकीय यात्रा है। राष्ट्र पति मुर्मू के आगमन पर बोत्सवाना के राष्ट्र पति एडवोकेट डूमा गिडि यॉन बोकॉ ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वा गत कि या। इस अवसर पर उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदानकि या गया।

झारखंड में सिपाही नियुक्ति की नियमावली में हुआ संशोधन

पुरुषों को 1600 मीटर की दौड़ 6 मिनट और महिलाओं को 10 मिनट में करनी होगी तय

देसी मांगुर को झारखंड की 'राजकीय मछली' किया गया घोषित

संवादाता

रांची : झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित औपबंधिक कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य के 24 जिलों में स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में विज्ञान और गणित विषयों के लिए एक-एक प्रयोगशाला (लैब) स्थापित की जाएगी। प्रत्येक लैब पर करीब 20 लाख खर्च होंगे। देवघर में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप

कैबिनेट की बैठक में कुल 18 प्रस्तावों पर लगी मुहर

मोड पर लगभग 113 करोड़ रुपए की लागत से एक 4- स्टार होटल का निर्माण किया जाएगा। नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा। एक अन्य प्रस्ताव में 24 शिक्षकों और कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी। सिपाही नियुक्ति की नियमावली में संशोधन किया गया है। अब शारीरिक दक्षता परीक्षा में पुरुषों के लिए 1600 मीटर की दौड़ 6 मिनट में पूरी करनी होगी, जबकि महिलाओं के लिए यही दूरी 10 मिनट में तय करनी होगी। पुरानी नियमावली में पुरुषों के लिए 8 किमी और महिलाओं के लिए 4 किमी की लंबी दौड़ निर्धारित थी। वहीं, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की सिफारिशों पर अब देसी मांगुर मछली को झारखंड के लिए राजकीय मछली (स्टेट फिश) घोषित किया गया है। कैबिनेट ने ई-साक्ष्य और ईस मन से संबंधित मॉडल गाइडलाइंस को भी मंजूरी दी। साथ ही पथ निर्माण विभाग के कई अन्य प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी गई। बैठक में लातेहार जिले के चंदवा में 147 एकड़ जमीन हिंडाल्को को उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि गारंटी मोचन निधि के संचालन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मसौदा अधिसूचना को सहमति दे दी गई है। इसके तहत सरकार सार्वजनिक उपयोगिता कंपनियों द्वारा जारी बांड के विरुद्ध गारंटी प्रदान करेगी।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक चलेगा

'महागठबंधन' बनाएगा सरकार, 18 नवंबर को लेंगे शपथ : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना:बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में हुई रिकॉर्ड तोड़ मतदान से स्पष्ट है कि राज्य की जनता ने इस बार बदलाव के लिए वोट किया है। तेजस्वी ने इसके साथ ही कहा कि महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है और 18 नवंबर को नई सरकार शपथ लेगी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, इस बार 2020 की तुलना में बिहार में 72 लाख अधिक मत पड़े हैं और यह वोट 'परिवर्तन के पक्ष' में पड़े हैं। तेजस्वी ने कहा, प्रदेश में 72 लाख लोगों ने नीतीश कुमार को बचाने के लिए नहीं, बल्कि बिहार में बदलाव लाने और सरकार बदलने के लिए मतदान किया है। लोगों ने महागठबंधन के पक्ष में मतदान किया है और हम 18 नवंबर को शपथ लेंगे।18 नवंबर को नई सरकार शपथ लेगी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, इस बार 2020 की तुलना में बिहार में 72 लाख अधिक मत पड़े हैं और यह वोट 'परिवर्तन के पक्ष' में पड़े हैं।

इस बार पिछले चुनाव की अपेक्षा पड़े हैं 72 लाख अधिक वोट

भारत में अब सिर्फ ई-पासपोर्ट किए जाएंगे जारी : विदेश मंत्रालय

एजंसी

नई दिल्ली : विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि अब से जारी होने वाले सभी पासपोर्ट ई-पासपोर्ट होंगे, जिनमें रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) चिप और एंटीना लगे होंगे, ताकि नागरिकों की जानकारी अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानकों के अनुसार सुरक्षित रहे। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम पीएसपी वी2.0 के साथ जुड़ा एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो देशभर में पासपोर्ट सेवाओं को आधुनिक, सुरक्षित और तेज बनाने की दिशा में उठाया गया है।

विदेश मंत्रालय ने अपने पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी वी2.0), ग्लोबल पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (जीपीएसपी वी2.0) और ई-पासपोर्ट के सफल क्रियान्वयन की घोषणा की। इन पहलों से पासपोर्ट सेवाएं अब और अधिक तेज, पारदर्शी और डिजिटल रूप से एकीकृत हो गई हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएसपी वी2.0 को 26 मई 2025 को देशभर के 37 पासपोर्ट कार्यालयों, 93 पासपोर्ट सेवा केन्द्रों (पीएसके) और 450 डाकघर पासपोर्ट सेवा केन्द्रों (पीओपीएसके) में सफलतापूर्वक

पुराने गैर-इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट की वैधता उनकी अवधि समाप्त होने तक रहेगी मान्य

सेना प्रमुख ने समकालीन युद्धक्षेत्रों में प्रौद्योगि की की उभर ती भूमि का पर प्रकाश डाला

संवाददाता

नई दिल्ली:दिल्ली डि फेंस डायलॉग में बुधवार को दूसरे दिन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्वि वेदी ने आधुनि क युद्ध के लि ए एआई, रोबोटिक्स और साइबर उपकरणों के उपयोग का आह्वान कि या। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सि ंदूर के दौरान सिक्यो र आर्मी मोबाइल का इस्तेमालकि या गया था। अब हम दूसरे चरण की ओर बढ़ रहे हैं, जो कहीं अधिक उन्नत संस्करण होगा। मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं वि श्लेष ण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) में दिल्ली रक्षा वार्ता को संबोधित करते हुए सीओएएस जनरल द्वि वेदी ने समकालीन युद्धक्षेत्रों पर प्रौद्योगि की की

उभरती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन और आर्टिफिशि यल इंटेलि जेंस (एआई) के उपयोग को इसका जीवंत उदाहरण बताया। सीओएएस ने कहा कि जहां तक भवि ष्य के युद्धक्षेत्र का संबंध है, तो यह धक्का -मुक्की और प्रति स्पर्धा का युग है। लंबी दूरी के युद्ध कम हो रहे हैं और व्या पक संघर्ष बढ़ रहे हैं। इसका मतलब है कि तकनीक का प्रभाव कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि 50 से अधिक चल रहे संघर्षों और 100 से अधिक देशों में हम यूक्रेनी युद्धक्षेत्र पर कड़ी नजर रख रहे हैं। सेना प्रमुख ने युद्ध के ग्रे जोन में एआई, रोबोटिक्स और साइबर उपकरणों के उपयोग का आह्वान कि या। उन्होंने कहा कि मैं तीन डी बताऊंगा, जो आज युद्ध परिदृश्य को बदल रहे हैं। भारत के संदर्भ में उन्होंने कहा कि ढाई मोर्चों की चुनौति यों के कारण हमें यह सुनिश्चि त करना होगा कि जो भी तकनीक आ रही है, वह युद्ध की पांच पीढ़ि यों के भीतर खाई से लेकर हाइब्रि ड और पांचवीं पीढ़ी के युद्धतक खुद को समायोजि त कर ले।

दिल्ली ब्लथासट | **आतंदक्यों के तार पाकिसतानली हैंडलर से जुड थे**

दिल्ली ब्लास्ट : बंगाल के मुर्शिदाबाद पहुंची एनआईए टीम

एजेसी

पश्चिम बंगाल:दिल्ली लाल किला विस्फोट मामले में अब पश्चिम बंगाल से संबंध सामने आ रहे हैं। विस्फोट के 48 घंटे के भीतर ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम बुधवार दोपहर मुर्शिदाबाद जिले के नवग्रामपहुंची। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली विस्फोट मामले में गिरफ्तार संदिग्धों से पूछताछ के दौरान मिले एक फोन नंबर के सुराग के आधार पर एजेंसी बंगाल पहुंची है। बुधवार सुबह नवग्राम थाना अंतर्गत नीम गांव में एनआईए की टीम ने छापेमारी की। जांचकताओं ने वहां मोइनुल हसन नामक एक व्यक्ति के घर पर जाकर पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, मोइनुल हसन पेशे से एक प्रवासी मजदूर हैं, जिन्होंने पहले दिल्ली और मुंबई में काम किया था। जांच एजेंसी को शक है कि उस दौरान उनकी कुछ आतंकी संगठनों के सदस्यों से संपर्क हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि, दिल्ली विस्फोट के बाद संदिग्धों के मोबाइल फोन से मोइनुल हसन का नंबर मिला था। इसी सुराग के आधार पर एनआईए की टीम मुर्शिदाबाद पहुंची और उनके घर की तलाशी भी ली। एनआईए अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस भी अभियान में शामिल थी। खबर है कि केवल मौइनुल ही नहीं, बल्कि मुर्शिदाबाद के कई अन्य लोगों के नाम भी जांच एजेंसी के रडार पर हैं। सभी की कॉल डिटेल और संपर्क सूत्रों की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इनका दिल्ली विस्फोट से सीधा या अपरोक्ष रूप ससंबंध है। इस घटना से गांव में भय और दहशत का माहौल है। यह पहला मौका नहीं है जब मुर्शिदाबाद में आतंकी संबंध सामने आए हैं। इसी साल फरवरी में ह्यअंसारुल्ला बांग्ला टीम के कई आतंकियों को मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार किया गया था। बाद में असम सहित कई राज्यों में छापेमारी कर आतंकियों के ठिकाने बरामद किए गए थे, जहां से भारी मात्रा में हथियार और आपत्तिजनक सामग्री मिली थी। इस बीच, लाल किला विस्फोट मामले में अब तक 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस चार डॉक्टरों की भी तलाश में है, जिनका इस विस्फोट की साजिश से संभावितसंबंध हो सकता है।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार ने कहा

भारत में आतंकी हमले के लिए हमारी धरती का इस्तेमाल नहीं

ढाका : बांग्लादेश ने भारतीय मीडिया की उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज करदिया है, जिनमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद ने भारत में हमले की योजना बनाने के लिए बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल किया है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मो. तौहीद हुसैन ने पत्रकारों से वार्ता में कहा, 'चाहे कुछ भी हो जाए, मीडिया हमें दोषी ठहराने की कोशिश करेगा। लेकिन इस पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसा नहीं करेगा।'

सभी के समन्वित प्रयासों से मिली राज्य को बड़ी उपलब्धि : सीएम

संवादाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की दूरदर्शी सोच और कुशल नेतृत्व में झारखंड ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय डीपीआईआईटी द्वारा आयोजित बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान सर्वे में झारखंड को टॉप अचीवर राज्य के रूप में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राज्य को बिजनेस एंट्री, कंस्ट्रक्शन परमिट, लेबर रेगुलेशन और सर्विस सेक्टर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद उद्योग सचिव अरवा राजकमल, उद्योग निदेशक विशाल सागर एवं जियाडा के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने तीनों अधिकारियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि यह सम्मान पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से झारखंड ने यह सफलता हासिल की है। राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने और व्यापारिक माहौल को सुगम बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। आने वाले समय में झारखंड औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।

दिल्ली धमाके के बाद रांची में सुरक्षा अलर्ट, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर सख्त निगरानी

रांची, संवाददाता ।

दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद झारखंड की राजधानी रांची में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं. राजधानी के प्रमुख स्थलों बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची रेलवे स्टेशन, हटिया और मुरी स्टेशन सहित रांची रेल मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. एहतियातन चौकसी बढ़ाते हुए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं. डॉग स्क्वायड टीमों की तैनाती की गई है और यात्रियों और वाहनों की सघन जांच जारी है. एयरपोर्ट सुरक्षा समिति की बैठक के बाद विमान सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया गया है. वहीं, रांची रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी प्रमुख स्टेशनों को सुरक्षा घेरे में लेकर हाई अलर्ट पर रखा गया है. आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस मिलकर सुरक्षा का संयुक्त अभियान चला रही है.

रांची रेल मंडल के आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार का बयान

रांची रेल मंडल में सुरक्षा हमेशा से सख्त रही है, लेकिन केंद्रीय गाइडलाइन के तहत और भी कई नए उपाय जोड़े गए हैं. स्टेशनों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, पार्किंग जोन और प्लेटफार्मों पर गश्त बढ़ाई गई है. डॉग स्क्वायड और बम डिटेक्शन टीम लगातार निरीक्षण कर रही है. किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की तुरंत जांच की जा रही है. यात्रियों से भी अपील है कि वे किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत सूचना दें. कमांडेंट ने बताया कि रांची, हटिया और मुरी जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों के अलावा अन्य छोटे स्टेशनों को भी सुरक्षा के घेरे में रखा गया है. सभी प्लेटफार्मों और प्रवेश द्वारों पर जांच व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है.

लोहरदगा स्टेशन पर विशेष अभियान

रांची रेल मंडल के लोहरदगा रेलवे स्टेशन पर भी विशेष सुरक्षात्मक कदम उठाए गए हैं. स्टेशन परिसर, सकुर्लेटिंग एरिया और पार्किंग जोन में संयुक्त जांच अभियान चलाया जा रहा है. वाहनों की तलाशी के लिए यूवीएस मशीन की सहायता ली जा रही है. अब तक किसी भी तरह की आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है, लेकिन सतर्कता बरकरार है. पार्किंग जोन में लंबे समय से खड़े वाहनों की पहचान कर जांच की जा रही है. वहीं, यात्रियों के सामानों की भी सावधानीपूर्वक जांच की जा रही है.

दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरूआत है : राज्यपाल

रांची, संवाददाता ।

कृषि विवि के साथ उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त जुड़ी: कृषि मंत्री

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश में हरित क्रांति के दौर के दौरान 1980 में छोटानागपुर के इलाके में बीएयू की स्थापना हुई. इस कृषि विश्वविद्यालय के साथ उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त जुड़ी है. देश के जीडीपी में कृषि क्षेत्र का 18 प्रतिशत का योगदान है. 70 प्रतिशत आबादी वाले समूह की ये भागीदारी वैसे तो कम है पर देश के किसानों की भूमिका को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता. कृषि विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना होगा कि कैसे किसानों की आय में वृद्धि हो, कैसे वो उन्नत कृषि के साथ जुड़ पाएं, कैसे झारखंड के किसान सशक्त बनें. आपके लिए देश और राज्य पहली प्राथमिकता में है. आपके ईमानदार पहल से किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव संभव है.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरूआत है, जिसमें मेहनत, संघर्ष, सीख, साधना और आत्म-विश्वास का समावेश होता है. विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और पहचान के वाहक होते हैं.

भारत की आत्मा गांवों में बसती है

राज्यपाल ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा कृषि में है. कृषि केवल उत्पादन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा, परिवार, पर्यावरण और जीवन-दर्शन से जुड़ी हुई है. भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड की भूमि कृषि, वनों और जैव-विविधता से समृद्ध है. किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के आधार हैं. समाज में किसान का सम्मान ही देश की वास्तविक समृद्धि का प्रतीक है. उन्होंने आह्वान किया कि कृषि को केवल आजीविका नहीं, बल्कि सम्मान और नवाचार के क्षेत्र के रूप में देखा जाना चाहिए.

शिक्षित बेटियां समाज को दे रही हैं दिशा

इस वर्ष विश्वविद्यालय से 1021 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जा रही हैं, जिनमें छात्राओं की संख्या अधिक है. उन्होंने कहा कि यह बदलते भारत की नई तस्वीर है, जहां शिक्षित बेटियां समाज को दिशा दे रही हैं. वे अपने जीवन की नई यात्रा में आत्मविश्वास, ज्ञान और चरित्र के साथ आगे बढ़ें और अपने कार्यों से विश्वविद्यालय, राज्य और देश का नाम रोशन करें. भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है और आने वाले 25 वर्षों में यही युवा शक्ति भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगी. पीएम के नेतृत्व में भारत आज विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है.

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़

राज्यपाल ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. कोविड-19 महामारी के समय जब अनेक क्षेत्र संकटग्रस्त थे, तब कृषि क्षेत्र ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा. उन्होंने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि प्रसार कार्यकताओं को देश के सच्चे विकास-नायक बताया. उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज-संपन्न राज्य होते हुए भी इसकी बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है. उन्होंने जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण, लघु कृषि मॉडल, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, लाह एवं मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर बल दिया. कहा कि झारखंड ने दलहन उत्पादन और सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसके लिए राज्य को कृषि कर्मण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है. उन्होंने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सूकर नस्ल झारसूक की प्रशंसा की, जिसकी देशभर में मांग बढ़ रही है.

मारवाड़ी कॉलेज में स्वच्छता अभियान, छात्रों ने प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने का लिया संकल्प

रांची, संवाददाता ।

झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर मारवाड़ी कॉलेज, रांची में आज स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया. झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निर्देश पर आयोजित अभियान का मुख्य उद्देश्य कॉलेज परिसर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाना था. कार्यक्रम के दौरान एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुभव चक्रवर्ती ने स्वयंसेवकों के साथ मिलकर कॉलेज परिसर के विभिन्न हिस्सों में सफाई की. उन्होंने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता के महत्व के बारे में जागरूक किया. एनएसएस स्वयंसेवकों ने कैंपस में फैले प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर निपटान किया. साथ ही उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी इस अभियान से जुड़ने और स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ परिसर न केवल एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है, बल्कि यह छात्रों में अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है. हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करके पर्यावरण के संरक्षण में योगदान देना चाहिए. इस स्वच्छता अभियान का नेतृत्व एनएसएस स्वयंसेवक आस्था गारी और मयन राणा ने किया. जबकि हिमांशु कुमार, अभिषेक, सूरज, शिवम् कुमार और सरोज ने सक्रिय भूमिका निभाई. कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को समाज के हर स्तर तक पहुंचाएंगे.

बीजेपी जोर शोर से मनाएगी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, बाबूलाल मरांडी ने बताया इस खास मौके पर होंगे ये कार्यक्रम

रांची, संवाददाता ।

बीजेपी ने जनजातीय गौरव दिवस को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया है. आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड स्थापना दिवस को एक साथ मनाने की तैयारी में जुटी प्रदेश बीजेपी ने इस मौके पर कई कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है. इसके तहत रांची और खूंटी में विशेष रूप से कार्यक्रम होंगे.

शोभायात्रा निकालेगी बीजेपी

इसके साथ ही जिलास्तर पर भी पार्टी ने कई कार्यक्रम निर्धारित किए हैं. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि राजधानी में पार्टी द्वारा पुराने जेल परिसर से बिरसा समाधि स्थल तक शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे. इसके साथ ही खूंटी में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे. साथ ही राज्यभर में स्थित महापुरुषों के स्थल की साफ सफाई के बाद 15 नवंबर को पार्टी कार्यकर्ता माल्यार्पण करने का काम करेंगे.

जनजातियों की हितैषी रही है बीजेपी: बाबूलाल मरांडी

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बीजेपी और उसकी सरकार हमेशा से जनजातियों के हितैषी रही है. झारखंड के निर्माण से लेकर जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय बीजेपी के शासनकाल में ही हुआ है. अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड का निर्माण किया और पीएम नरेंद्र मोदी ने आदिवासियों को सम्मान देने के लिए जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया, जिससे 15 नवंबर को देशभर में यह मनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि बीजेपी इस बात की राजनीति नहीं करती है कि अधिक आबादी वाले जातियों और समूहों को ही प्राथमिकता दी जाए बल्कि जनजातीय के ऐसे वर्ग जो लुप्त होने के कगार पर हैं, उनके उत्थान के लिए भी कई ऐसे निर्णय लिए गए हैं, जिसका सीधा लाभ उन्हें मिला है. पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला को लाकर जनजातियों को सम्मान देने का काम किया है. इसके साथ ही छत्तीसगढ़ और ओडिशा में मुख्यमंत्री एक जनजातीय को बनाया गया है.

जनजातीय उत्थान के लिए अलग अलग मंत्रालयों का गठन

दरअसल, भारत सरकार में जनजातीय उत्थान के लिए अलग मंत्रालय का गठन किया गया है. इतना ही नहीं एकलव्य विद्यालय के जरिए जनजातीय समूह के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें लाखों बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं. इस मौके पर पूर्व सांसद समीर उरांव, पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव, योगेंद्र प्रताप, शिवपूजन पाठक आदि नेता मौजूद रहे.

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लोहरदगा रेलवे स्टेशन का होगा पुनर्विकास

रांची, संवाददाता ।

भारतीय रेल द्वारा देशभर में स्टेशन पुनर्विकास के उद्देश्य से शुरू की गई. अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के लोहरदगा रेलवे स्टेशन का भी कायाकल्प किया जा रहा है. दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल के अंतर्गत आने वाले इस स्टेशन के पुनर्विकास कार्य पर लगभग 8.26 करोड़ रुपये की लागत आएगी. यह परियोजना यात्रियों की सुविधा, पहुंच, सौंदर्य और आधुनिक सेवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है. रेल मंत्रालय की इस पहल के तहत दक्षिण पूर्व रेलवे के कुल 72 स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है. प्रत्येक स्टेशन के लिए विस्तृत योजना तैयार की गई है और आवश्यकतानुसार कार्य चरणों में किया जा रहा है. लोहरदगा स्टेशन झारखंड के खनिज संपन्न क्षेत्र में स्थित है और इसके पुनर्विकास से न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी.

पुनर्विकास के तहत मिलेंगी ये प्रमुख सुविधाएं

- नया स्टेशन भवन
- बेहतर सकुर्लेटिंग और पार्किंग एरिया
- दो नई लिफ्टें
- 12 मीटर चौड़ा नया फुट ओवर ब्रिज
- नया एप्रोच रोड, एंट्री/एग्जिट गेट और पोर्च
- दिव्यांगजन के लिए विशेष सुविधाएं (रंप, बुकिंग काउंटर, वॉटर बूथ, शौचालय, पार्किंग क्षेत्र आदि)
- प्लेटफॉर्म पर नया शेल्टर, सतह सुधार और प्रतीक्षालय
- स्थानीय कला और संस्कृति थीम में पेंटिंग और बैठने की आधुनिक व्यवस्था
- टैक्टाइल इंडिकेटर और कोच इंडिकेशन बोर्ड

लोहरदगा स्टेशन के पुनर्विकास से यह स्टेशन एक आधुनिक यात्री केंद्र के रूप में विकसित होगा, जो क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देगा.

रक्षा राज्य मंत्री का बड़ा आरोप, स्वास्थ्य मंत्री और निदेशक के बीच विवाद से बर्बाद हो रही रिम्स की व्यवस्था

सीएम से हस्तक्षेप की मांग

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के शासी परिषद की 63वीं बैठक में शामिल होने के बाद रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रिम्स निदेशक और मंत्री के बीच विवाद के कारण रिम्स की व्यवस्था दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हस्तक्षेप की मांग करते हुए संजय सेठ ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और रिम्स निदेशक के बीच विवाद व्यवस्था को बिगाड़ रहा है, जिससे राज्य की बीमार आबादी रिम्स में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पा रही है और कोई काम नहीं हो रहा है. उन्होंने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे, तब तक स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव नहीं होगा. मुख्यमंत्री को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए और जल्द से जल्द इसका समाधान करना चाहिए. रिम्स शासी परिषद की बैठक के बाद रक्षा मंत्री संजय सेठ के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य मंत्री और शासी परिषद के अध्यक्ष डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि रिम्स में कोई विवाद नहीं है. हम बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं. मेडिकल ऑफिसर से संबंधित नियमावली में बदलाव किया जाएगा. इसके लिए एक एडवाइजरी कमेटी बनाई जाएगी. इरफान अंसारी ने बताया कि आज की बैठक में ठअळ मशीन और वेंटिलेटर खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई. कुछ लोग रिम्स को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि रक्षा राज्य मंत्री बैठकों में कुछ और मीडिया के सामने कुछ और कहते हैं. रिम्स निदेशक ने भी कहा कि कोई विवाद नहीं हुआ है, कुछ मुद्दों पर चर्चा हुई है और हम सब कुछ बेहतर कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि शेल्टर होम को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं. आज की जीबी बैठक में अपर मुख्य सचिव एके सिंह, उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और कांके विधायक सुरेश बैठा भी मौजूद थे.

अबुआ अधिकार मंच के प्रयास से डूंगरी ग्राम अमरूद बागान तुपुदाना में बिजली पोल अधिष्ठापित

रांची, संवाददाता ।

अबुआ अधिकार मंच के अथक प्रयासों से डूंगरी ग्राम अमरूद बागान तुपुदाना में अंततः बिजली विभाग द्वारा बिजली के पोल लगाए गए। इस कार्य से क्षेत्र के ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही बिजली समस्या से राहत मिली है। अबुआ अधिकार मंच के पदाधिकारी विपिन कुमार यादव ने बताया कि वे पिछले एक वर्ष से इस समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत थे। उन्होंने कई बार सहायक विद्युत अभियंता, तुपुदाना को पत्राचार के माध्यम से ग्रामीणों की परेशानी से अवगत कराया था। पत्राचार में उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि बिजली के पोल नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जान-माल की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विपिन कुमार यादव ने बताया कि यदि विभाग द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं की जाती तो अबुआ अधिकार मंच ग्रामीणों के साथ धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होता। मंच के निरंतर प्रयासों और ग्रामीणों की एकजुटता के परिणामस्वरूप बिजली विभाग ने अंततः इस क्षेत्र में बिजली पोल स्थापित किए। ग्रामीणों ने अबुआ अधिकार मंच के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि अब वे खुद को अधिक सुरक्षित और निश्चिंत महसूस कर रहे हैं। पहले बिजली के तार बिना पोल के लटके रहने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। अबुआ अधिकार मंच ने इस सफलता को अपने संघर्ष के पहले रंग के रूप में बताया और कहा कि मंच आगे भी ग्रामीण समस्याओं के समाधान हेतु इसी तरह निरंतर कार्य करता रहेगा।

बच्चियों और महिलाओं की सुरक्षा का मामला, हाईकोर्ट गंभीर, सीएस को झालसा के सुझावों पर विचार करने की सलाह

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में महिला और बच्चियों के साथ होने वाले दुष्कर्म, प्रताड़ना, छेड़खानी जैसे मामलों को रोकने को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ ने मुख्य सचिव से महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध को रोकने और सुरक्षा को लेकर झारखंड सर्विस लीगल ऑथोरिटी यानी झालसा के सुझाव पर विचार करने को कहा. मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को होगी.

हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने कहा कि सुनवाई के दौरान झालसा की ओर से कोर्ट को वर्ष 2024 के सुझावों का हवाला दिया गया. दरअसल, झालसा ने कोर्ट के समक्ष महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध रोकने और सुरक्षा को लेकर सुझाव दिए थे. लिहाजा, झालसा चाहती है कि उन सुझावों पर अमल हो. वहीं राज्य सरकार की ओर से निजी और सरकारी स्कूलों से जुड़े 25 सूत्री चेकलिस्ट प्रस्तुत किए गए. इस पर कोर्ट ने सभी स्कूलों के हिसाब से चेकलिस्ट तैयार करने को कहा ताकि स्कूलवार बच्चों की सुरक्षा का विवरण स्पष्ट हो सके.

सुनवाई के दौरान प्रार्थी की अधिवक्ता ने सुरक्षा से जुड़े टेबुलर चार्ट को अस्पष्ट बताया. कहा गया कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी क्या-क्या कमियां हैं, इसका पता नहीं चल पा रहा है. बता दें कि पूर्व की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि रांची के निजी और सरकारी बालिका स्कूलों के संचालन के दौरान बच्चियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए. इस वजह से स्कूल अनुपालन चेकलिस्ट भरना था. कोर्ट ने 25 तरह की सूचनाओं को स्कूल प्रबंधन द्वारा मुहैया कराने को कहा था. उस दौरान स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा गया था.

राज्य गठन के 25 साल बाद भी झारखंड में नहीं बनी भाषा परिषद

रांची, संवाददाता ।

राज्य गठन के 25 साल पूरे होने के बावजूद झारखंड में अब तक भाषा परिषद का गठन नहीं हो सका है. देश के कई राज्यों में जहां भाषा परिषद सक्रिय रूप से काम कर रही है और स्थानीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन तथा विकास में योगदान दे रही है, वहीं झारखंड में इस दिशा में पहल कागजों तक ही सीमित दिखाई देती है. यह स्थिति उस राज्य के लिए चिंताजनक मानी जा रही है, जहां भाषाई विविधता उसकी पहचान है.

भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए स्वतंत्र संगठन कार्यरत

झारखंड में फिलहाल झारखंड भाषा परिषद नाम से कोई एकीकृत संस्था नहीं है, हालांकि राज्य में भाषाओं और साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए कुछ स्वतंत्र संगठन कार्यरत हैं, जैसे झारखंड साहित्य अकादमी और नागपुरी भाषा परिषद. झारखंड साहित्य अकादमी का गठन हाल के सालों में हुआ है, जिसमें स्थानीय भाषाविदों और साहित्यकारों को जोड़ा गया है जबकि नागपुरी भाषा परिषद, क्षेत्रीय स्तर पर नागपुरी भाषा और संस्कृति को सहेजने का काम कर रही है.

क्या करती है भाषा परिषद?

भाषा परिषद किसी भी राज्य की भाषाई विरासत को संरक्षित करने, नई पीढ़ी को भाषा और साहित्य से जोड़ने तथा भाषाई एकता को प्रोत्साहित करने का कार्य करती है. ये संस्थाएं न केवल पुस्तकों के प्रकाशन और साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं बल्कि लेखकों, कवियों और भाषाविदों को सम्मानित भी करती हैं. भारत के कई राज्यों में ऐसी परिषद दशकों से सक्रिय हैं. पश्चिम बंगाल में भारतीय भाषा परिषद (1975), बिहार में बिहार राष्ट्रभाषा परिषद (1950) और दिल्ली में भाषा भारती परिषद इसके प्रमुख उदाहरण हैं. इन संस्थाओं के माध्यम से स्थानीय भाषाओं का समृद्ध साहित्य तैयार हुआ है और नई रचनात्मक पीढ़ी को मंच मिला है.

झारखंड की भाषाई विविधता

भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार, झारखंड में 170 से अधिक मातृभाषाएं बोली जाती हैं. राज्य की आधिकारिक भाषा हिंदी है, जबकि दूसरी आधिकारिक भाषा उर्दू को मान्यता प्राप्त है. इसके अलावा राज्य में अनेक जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं जैसे संथाली, मुंडारी, हो, खड़िया, कुड़ुख, नागपुरी, खोरठा, कुरमाली, पंचपरगनिया, मगही, मैथिली, अंगिका और भोजपुरी व्यापक रूप से बोली जाती है. यह विविधता झारखंड की सांस्कृतिक पहचान है लेकिन इस बहुभाषिक विरासत को संरक्षित करने के लिए संस्थागत प्रयासों का अभाव महसूस किया जा रहा है. रांची विश्वविद्यालय के नागपुरी विभाग के प्रमुख प्रो. उमेश नंद तिवारी का मानना है कि झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां नौ प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं के साथ कई उपभाषाएं भी हैं. ऐसे में भाषा परिषद का गठन न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. वे कहते हैं कि भाषा परिषद किसी भी राज्य की भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन, प्रकाशन और विकास के लिए सबसे प्रभावी माध्यम होती है. झारखंड जैसे बहुभाषी राज्य में इसकी आवश्यकता और भी अधिक है. सरकार इस दिशा में गंभीर दिखती जरूर है, पर अभी तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं.

संक्षिप्त खबरें

रांची में नवंबर के दूसरे सप्ताह में पड़ी सर्दी ने चौंकाया

राजधानी रांची में नवंबर के पहले हफ्ते में जहां लोग बिना स्वेटर के घूमते नजर आ रहे थे, वहीं दूसरे सप्ताह में मौसम ने करवट ले ली है। केवल दो-चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 5 से 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गयी है।

अचानक आई ठंड ने लोगों को चौंका दिया है। कई लोग सर्दी-जुकाम और बुखार जैसी हल्की बीमारियों की शिकायत करने लगे हैं। सुबह की सैर पर जाने वालों ने अब गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं।

दुल्हन की तरह सजा मोरहाबादी मैदान, वॉल पेंटिंग में दिखेगी झारखंडी संस्कृति

झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह 15 नवंबर को मनाया जाएगा। राज्य का रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाने की तैयारी अंतिम चरण में है। मुख्य समारोह का आयोजन मोरहाबादी मैदान में किया जाएगा। इसलिए मोरहाबादी मैदान और वहां तक जाने वाले रास्ते को दुल्हन की तरह सजाया गया है। चारों ओर आकर्षक रंग-बिरंगी लाइटें लगाई गई हैं, जो लोगों का ध्यान खींच रही है।

मैदान के एक ओर स्टेज बनाए जा रहे हैं। चारों ओर होर्डिंग लगाए जा रहे हैं, जहां राज्य के विकास की गाथा दिखेगी। एक ओर झांकी तैयार किया जा रहा है। इसमें सरकार के विकास योजनाओं की झलक दिखेगी। साथ ही झारखंड की विरासत और कला-संस्कृति, खाद्य व्यंजों को नजदीक से जानने का मौका मिलेगा। सैकड़ों कारीगर झांकी तैयार करने में जुटे हैं। कोई मांदर बना रहा है, तो कोई घोड़ा-हाथी, घर, मंदिर सहित ऐतिहासिक धरोहर के प्रारूप को अंतिम रूप देने में जुटा है।

होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल एक बार फिर चर्चा में है।

जेल में शराब और जीएसटी घोटाले के आरोपियों का कथित 'डांस पार्टी' का वीडियो वायरल होने के बाद अब जांच की आंच जेल प्रशासन के एक और अधिकारी तक पहुंची है। इस बार, जेल प्रशासन ने मात्र 5 दिन पहले ही असिस्टेंट जेलर के पद पर आसीन हुए दिनेश प्रसाद वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की है। दिनेश प्रसाद वर्मा को तत्काल प्रभाव से होटवार जेल से हटाकर धनबाद जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उनकी जगह पर, गुमला मंडल कारा में तैनात लवकुश कुमार की पोस्टिंग होटवार जेल में असिस्टेंट जेलर के रूप में की गई है।

रांची की महिला डॉक्टर से 10 लाख की साइबर ठगी में नोएडा से एक गिरफ्तार

सीआईडी के अधीन संचालित साइबर अपराध थाने की पुलिस ने रांची की एक महिला डॉक्टर से 10 लाख रुपये की साइबर ठगी के एक मामले में नोएडा से एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित विकास उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित सेक्टर 63 का रहने वाला है।

साइबर अपराध थाने की पुलिस ने उसे नोएडा पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया और ट्रांजिट रिमांड पर लेकर रांची पहुंची। यहां न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद उसे रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में भेज दिया है।

Ranchi Municipal Corporation में अब बदलेगा होर्डिंग्स का स्वरूप, डिजिटल विज्ञापन की हो रही तैयारी

रांची नगर निगम क्षेत्र में जल्द ही डिजिटल विज्ञापन शुरू करने की तैयारी है। इसके तहत पुराने होर्डिंग हटाकर आधुनिक डिजिटल बोर्ड लगाए जाएंगे। इससे निगम को राजस्व मिलेगा और शहर स्मार्ट बनेगा। तिरुवनंतपुरम और इंदौर के मॉडल को अपनाया जाएगा। डिजिटल विज्ञापन से शहर व्यवस्थित होगा और अवैध विज्ञापनों पर रोक लगेगी। निगम संचालन के तौर-तरीकों पर विचार कर रहा है।

रेलमंडल में जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा पर हुई नुक्कड़ नाटक

रांची। महान स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर रांची रेलमंडल में जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा मनाया जा रहा है। एक से 15 नवंबर तक जनजातीय समुदायों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान के प्रति जन जागरूकता फैलाई जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को जनजातीय नायकों पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन स्टेशन परिसरों में किया गया। इसमें स्काउट, गाइड के बच्चों ने शिरकत की।

रेलवे मेंस कांग्रेस की वार्षिक आमसभा में उठे कई मुद्दे

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, रांची रेलमंडल की वार्षिक आमसभा बुधवार को हुई। आयोजन हटिया स्थित रेलवे इंस्टीट्यूट में हुआ। इसमें रांची-मुरी-हटिया शाखा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष लाल बाबू और महामंत्री एनएल कुमार ने की, जबकि संचालन मंडल समन्वयक प्रियदर्शी तिवारी ने किया। इसमें कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को दोबारा लागू करवाने, रेलवे में चल रही निजीकरण की प्रक्रिया को तत्काल बंद करने, जोनल जेपीओ को मंडल स्तर पर लागू करने, पात्र कर्मचारियों को बकाया चिल्ड्रेन एजुकेशन भत्ता का तुरंत भुगतान करने समेत अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई। चक्रधरपुर मंडल समन्वयक आरके पांडेय, आद्रा के उप मंडल समन्वयक राजन उपाध्याय, रिटायर्ड फेडरेशन के उपाध्यक्ष जगजीत सिंह बहल, एस.सी.-एस.टी. एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष सुचित राम, मंडल सचिव विनोद उरांव सहित कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

जर्जर सड़कों की मरम्मत की मांग

रांची। अपर बाजार स्थित श्रद्धा नंद रोड, महावीर चौक, मैकी रोड, प्यादा टोली और मारवाड़ी टोला की जर्जर सड़कों की मरम्मत की मांग की गई है। इन मार्गों पर पैदल चलना भी लोगों के लिए दूभर हो गया है। महावीर मंडल के पूर्व सदस्य शंकर प्रसाद ने बताया कि इन सड़कों की मरम्मत के लिए दुर्गा पूजा और छठ पूजा के दौरान भी रांची प्रशासन और रांची नगर निगम का ध्यान आकृष्ट किया गया था। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं की गई। सड़कों की स्थिति में अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में इग्नाइट इनोवेशन एवं एंपावर आइडियाज पर शिखर सम्मेलन का आयोजन

रांचीः सरला बिरला विश्वविद्यालय में "इग्नाइट इनोवेशन एंड एंपावर आइडियाज" विषय पर स्टार्ट-अप और उद्यमिता शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम एनआईटी जमशेदपुर के टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य राज्य में नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में छात्रों, स्टार्ट-अप संस्थापकों, निवेशकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दो सत्रों में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी. जगनाथन और महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने किया। स्वागत भाषण प्रो. संदीप कुमार ने दिया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, विशिष्ट अतिथि एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार समेत कई उद्यमिता विशेषज्ञ उपस्थित थे। प्रो. जगनाथन ने युवाओं को वित्तीय संस्थानों से जुड़ने और झारखंड की स्टार्ट-अप संभावनाओं पर जोर दिया। प्रो. पाठक ने छात्रों से जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर बनने का आह्वान किया।

प्रो. सूत्रधर ने नवाचार और मेंटरशिप के महत्व पर बल देते हुए कहा कि असफलता सफलता की दिशा में एक सीख होती है। कार्यक्रम में विभिन्न स्टार्ट-अप्स की प्रदर्शनी, तकनीकी सत्र और आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें छात्रों ने अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए।

अंत में सर्वश्रेष्ठ नवाचार और प्रदर्शनी के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार प्रो. एस. बी. डांडिन ने दिया। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान और सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता जताई और

मारवाड़ी महिला मंच के द्वारा राधा रानी शिक्षा कोष का गठन

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच रांची शाखा के द्वारा दिनांक 10 नवंबर को हरमू रोड स्थित सिटी मॉल में दीपावली मिलन रखा गया । मीटिंग की शुरूआत ओम के उच्चारण द्वारा की गई ।अध्यक्ष मधु सर्राफ के द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया। सचिव उर्मिला पांडिया ने सत्र में किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बसवाल ने सभी बहनों को रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित भागवत कथा के सफल आयोजन के लिए सभी बहनों का धन्यवाद किया ।

लड़कियों की पढ़ाई में सहयोग के लिए राधा रानी शिक्षा कोष का गठन किया गया। सभी बहनों ने इस पुनीत कार्य की सराहना की। 18 दिसंबर को धनबाद में होने वाले झारखंड प्रादेशिक अधिवेशन के बारे में भी चर्चा की गई। 29 जनवरी को राष्ट्रीय अधिवेशन के विषय में भी विचार किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रीति बांका ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रूपा अग्रवाल गीता डालमिया अंशु नेवटिया अलका सरावगी मंजू केडिया नैना मोर बिना खेमका सरिता अग्रवाल मंजू लोहिया सीमा टाटिया मीरा टिबरेवाल करुणा अडवाल प्रीति फोगला मीना अग्रवाल सीमा पोद्दार रेनू छापड़िया सुनीता अग्रवाल प्रीति अग्रवाल जया बिजावत इन सब बहनों का सहयोग रहा उक्त बातों की जानकारी मीडिया प्रभारी रीना मुरेखा ने दी।

इअव दीक्षांत समारोह में कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का संबोधन

रांचीः रांची बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का 8 वां दीक्षांत समारोह में आज राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ये गौरव का पल है जब 1021 विद्यार्थियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया जा रहा है। जब देश आजाद हुआ उस वक्त एक सुई का कारखाना तक नहीं था। कभी अकाल, कभी बाढ़, कभी दूसरी चुनौतियों का सामना करते हुए देश आगे बढ़ा। देश में हरित क्रांति के दौर के दौरान 1980 में छोटानागपुर के इलाके में BAU की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि इस कृषि विश्वविद्यालय के साथ उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त जुड़ी है। देश के GDP में कृषि क्षेत्र का 18 प्रतिशत का योगदान है । 70 प्रतिशत आबादी वाले समूह की ये भागीदारी वैसे तो कम है पर देश के किसानों की भूमिका को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना होगा कि कैसे किसानों की आय में वृद्धि हो, कैसे वो उन्नत कृषि के साथ जुड़ पाए, कैसे झारखंड के किसान सशक्त बनें। याद रहे आपके लिए देश और राज्य पहली प्राथमिकता में है। आपके ईमानदार पहल से किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव संभव है।

झारखंड कोऑपरेटिव फेडरेशन बोर्ड की बैठक संपन्न

रांची। झारखंड कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड रांची बोर्ड की बैठक हिनू इंदिरा पैलेस में आयोजित की गई ।

बैठक की अध्यक्षता प्रबंध निदेशक अफ्रेम जॉर्ज कुजूर ने किया। उन्होंने बताया कि कैसे लोगों को लाभ पहुंचाया जाए इसके लिए रांची जिला क्षेत्र में और दूसरे जिला में भी कार्यशाला बनाकर जागरूक करके प्रशिक्षण दिया जाए ताकि लोगों को समझने में आसानी हो ।

प्रबंध निदेशक अफ्रेम जॉर्ज कुजूर ने बताया कि फेडरेशन में नए सदस्यों को सदस्यता प्रदान करने पर निर्णय लिया गया साथ ही रसोईया धमना पैक्स लि की सदस्यता शुल्क वापस करने संबंधी पत्र पर विचार किय गया।

बैठक में डायरी कैलेंडर प्रिंटिंग के लिए भी प्रस्ताव पास हुए । साथ ही साथ जिला फेडरेशन का गठन भी किया गया ।

इस बैठक में प्रबंध निदेशक अफ्रेम जॉर्ज कुजूर , सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मनोज कुमार सिन्हा , अनुमंडल अंकेक्षण पदाधिकारी अंजन चौधरी, अध्यक्ष निदेशक सत्येंद्र चौहान , गिरधारी लाल यादव , रामप्रवेश यादव , विजय कुमार , दीपक महतो , फरहाना खातून , अंजना कुमारी, ममता कुमारी, जैमिनी महली , स्वीटी देवी , सैबुन निशा आदि मौजूद थे ।

मौलाना आजाद की स्मृति में मंत्री हफीजुल हसन को दुर्लभ पुस्तकें भेंट

रांचीः स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री और आजादी के महान सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की स्मृति में मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) के संयोजक इबरार अहमद, मौलाना ताहजीबुल हसन और प्रवक्ता मुस्तकीम आलम ने झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन को मौलाना आजाद पर आधारित दो दुर्लभ पुस्तकें भेंट कीं। इन पुस्तकों में मौलाना आजाद के जीवन, संघर्ष और विचारों का जीवंत चित्रण है।

पहली पुस्तक "मौलाना आजाद की कहानी, उन्हीं की जबानी" अब्दुल रज्जाक मलिहाबादी द्वारा लिखी गई है, जो आजाद के जीवन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को स्वयं उनके शब्दों में प्रस्तुत करती है। दूसरी पुस्तक "मौलाना आजाद की जीवनी" मोहम्मद मोहिउद्दीन द्वारा लिखित और हसीब अख्तर द्वारा संकलित है, जिसमें उनके धार्मिक, राजनीतिक और शैक्षणिक जीवन का विस्तृत विवरण है।

मंत्री हफीजुल हसन ने पुस्तकों को ग्रहण करते हुए कहा, "यह मेरे लिए सिर्फ पुस्तकें नहीं, बल्कि प्रेरणास्रोत हैं। मौलाना आजाद का जीवन हमें सिखाता है कि धैर्य, नैतिकता और एकता के बल पर किसी भी कठिन परिस्थिति को पार किया जा सकता है।" उन्होंने युवाओं से मौलाना आजाद के आदर्शों को अपनाने की अपील की।

इबरार अहमद ने कहा कि यह पहल मौलाना आजाद की विचारधारा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास है। माही के प्रवक्ता मुस्तकीम आलम ने इसे "सांस्कृतिक संवाद की शुरुआत" बताया, जबकि मौलाना ताहजीबुल हसन ने आजाद को "राष्ट्रीय एकता और धार्मिक सौहार्द के प्रतीक" कहा।

यह कार्यक्रम केवल एक पुस्तक भेंट नहीं, बल्कि मौलाना आजाद के आदर्शों—धैर्य, शिक्षा और एकता—पर विचार-विमर्श का मंच बन गया।

झारखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती पर सड़कों पर बिखरी झारखंडी संस्कृति

रांचीः झारखंड राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राजधानी रांची की सड़कों पर झारखंडी लोक संस्कृति की रंगीन छटा बिखर गई। जिला प्रशासन, रांची और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड सरकार द्वारा पारंपरिक "स्ट्रीट डांस" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसने पूरे शहर को उत्सव के रंग में रंग दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड की लोककला, नृत्य और परंपराओं को जन-जन तक पहुँचाना और स्थापना दिवस को जनभागीदारी के उत्सव के रूप में मनाना था। दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक करमटोली चौक, फिरयालाल चौक, राजेंद्र चौक, बिरसा चौक, धुर्वा गोलचक्कर, एयरपोर्ट, मोरहाबादी मैदान, समाहरणालय परिसर, हटिया और खेलगांव सहित कई प्रमुख स्थलों पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए गए।

ढोल, मांदर, नगाड़ा और झांझ की थाप पर नागपुरी, संथाली, हो और कुरुख नर्तक-नर्तकियों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से लोगों का दिल जीत लिया। पारंपरिक पोशाकों में सजे कलाकारों की झांकी और झारखंडी लोकधुनों की गूंज ने माहौल को उत्सवमय बना दिया।

स्थानीय कलाकारों, सांस्कृतिक संस्थाओं और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लोगों ने कहा कि यह आयोजन झारखंड की सांस्कृतिक एकता, लोकगौरव और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सुंदर प्रयास है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय सीबीएसई क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 का भव्य शुभारंभ

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 'विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रण एवं गणित)' थीम पर सीबीएसई क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 का भव्य शुभारंभ हुआ। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी नवाचार, जिज्ञासा और वैज्ञानिक प्रतिभा का उत्सव है, जिसमें 45 से अधिक विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन और स्वागत गीत के साथ हुआ। इसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने नृत्य नाटिका "उन्नति की उड़ान" प्रस्तुत की, जिसमें भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के स्वप्न को सजीव रूप में दिखाया गया।

मुख्य अतिथि सीबीएसई क्षेत्रीय अधिकारी श्री राम वीर ने स्टेम शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए छात्रों से कहा कि वे अपने ज्ञान को वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान में प्रयोग करें। प्रो. (डा.) गोपाल पाठक, निदेशक जनरल, सरला बिरला विश्वविद्यालय ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी आत्मनिर्भर भारत की नींव हैं और युवाओं को इस दिशा में अग्रसर होना चाहिए।

प्रदर्शनी में छात्रों ने सतत विकास, हरित ऊर्जा, रोबोटिक्स, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर अपने नवाचार प्रस्तुत किए। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मनीषा शर्मा ने इस आयोजन को विद्यालय की वैज्ञानिक सोच और अनुभवात्मक शिक्षण के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया।

यह दो दिवसीय प्रदर्शनी 12 नवंबर तक चलेगी, जिसमें इंटरएक्टिव सत्र, लाइव डेमो और निर्णायकों द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

अबुआ अधिकार मंच के प्रयास से डूंगरी ग्राम अमरूद बागान तुपुदाना में बिजली पोल अधिष्ठापित – ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

रांची– अबुआ अधिकार मंच के अथक प्रयासों से डूंगरी ग्राम अमरूद बागान तुपुदाना में अंततः बिजली विभाग द्वारा बिजली के पोल लगाए गए। इस कार्य से क्षेत्र के ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही बिजली समस्या से राहत मिली है।

अबुआ अधिकार मंच के पदाधिकारी विपिन कुमार यादव ने बताया कि वे पिछले एक वर्ष से इस समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत थे। उन्होंने कई बार सहायक विद्युत अभियंता, तुपुदाना को पत्राचार के माध्यम से ग्रामीणों की परेशानी से अवगत कराया था। पत्राचार में उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि बिजली के पोल नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जान-माल की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

विपिन कुमार यादव ने बताया कि यदि विभाग द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं की जाती तो अबुआ अधिकार मंच ग्रामीणों के साथ धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होता। मंच के निरंतर प्रयासों और ग्रामीणों की एकजुटता के परिणामस्वरूप बिजली विभाग ने अंततः इस क्षेत्र में बिजली पोल स्थापित किए।

ग्रामीणों ने अबुआ अधिकार मंच के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि अब वे खुद को अधिक सुरक्षित और निश्चिंत महसूस कर रहे हैं। पहले बिजली के तार बिना पोल के लटके रहने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी।

अबुआ अधिकार मंच ने इस सफलता को अपने संघर्ष के पहले रंग के रूप में बताया और कहा कि मंच आगे भी ग्रामीण समस्याओं के समाधान हेतु इसी तरह निरंतर कार्य करता रहेगा।

सिदगोड़ा दीपक विभार हत्याकांड में तीन गिरफ्तार, हथियार और कारतूस बरामद

जमशेदपुर, संवाददाता

बीते दिनों सिदगोड़ा थाना अंतर्गत भुइयांडीह कानू भट्टा इमली पेड़ के पास दीपावली की रात्रि जुआ खेलने के दौरान हुए विवाद के बाद दीपक विभार नामक युवक की गोली मारकर हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। इसी मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें सिदगोड़ा निवासी प्रेम यादव, रौशन कुमार और अंगद मुखी शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त देसी पिस्टल, रिवॉल्वर, दो मैग्जीन और 5 जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। मामले का खुलासा बुधवार पुलिस ऑफिस में डीएसपी वन भोला प्रसाद सिंह ने प्रेसवार्ता कर किया। मौके पर थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। वार्ता में डीएसपी ने बताया कि मृतक दीपक ने अपने एक दोस्त की प्रेमिका पर डोरे डालने शुरू कर दिए थे। साथ ही मोबाइल पर उसे पटाने की कोशिश भी की थी। मगर युवती के मना करने पर उसे उल्टा-सीधा भी बोल दिया था। जिसके बाद युवती ने अपनी सहेली को सारी बात बताते हुए कहा कि जब से दीपक विभार ने उससे बदतमीजी की है, वह चैन से सो नहीं पा रही है। वहीं युवती की सहेली हत्याकांड के मुख्य हत्यारोपी अशोक यादव की माशूका थी और जिसने अशोक से कहा कि वह दीपक विभार को सबक सिखाए। जिसके बाद अशोक दीपक विभार को सबक सिखाने के लिए उतावला होकर घूमने लगा।

उसकी गर्ल फ्रेंड ने अशोक से कहा कि वह ऐसा कुछ करें कि दीपक विभार फिर उसकी सहेली से कभी बात न करें।उन्होंने कहा कि अशोक यादव को 20 अक्टूबर की रात्रि दीपक विभार भुइयांडीह कान्हू भट्टा के पास स्थित जुए के अड ?डे पर दिखा तो उसने अपने साथी प्रेम यादव के साथ दीपक को घेर लिया। वहीं अशोक के पास एक देशी पिस्टल भी थी। जबकि प्रेम यादव देशी रिवाल्वर लिए हुए था। इस दौरान अशोक यादव ने दीपक को ललकारते हुए उससे कहा कि वह उसकी प्रेमिका की सहेली से दूर रहे।

मगर दीपक विभार नहीं मान रहा था। दीपक को खौफजदा करने के लिए अशोक यादव ने अपनी पिस्टल से एक हवाई फायरिंग भी की। मगर दीपक पर इसका कोई असर नहीं हुआ। उल्टे दीपक अशोक को देख लेने की धमकी देने लगा। जिसपर गुस्से से लाल आरोपी अशोक यादव ने अपनी पिस्टल से दीपक विभार के सीने पर गोली चला दी। साथ ही आरोपी प्रेम यादव ने घटनास्थल पर दहशत फैलाने के लिए कई हवाई फायरिंग कर दी। वहीं घटना में दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया था और इलाज के दौरान उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। आगे उन्होंने कहा कि मृतक दीपक विभार के दोस्त ने अपना मोबाइल बेच दिया था। जिसके बाद उसने इसका सिम निकालकर दीपक विभार को दे दिया। दीपक इस सिम को अपने मोबाइल में यूज कर इस्तेमाल करने लगा। यह बात दोस्त की गर्ल फ्रेंड को पता नहीं थी। उसकी गर्ल फ्रेंड ने फोन किया तो दीपक विभार ने उठाया और उसे पटाने की कोशिश करने लगा। दीपक के दोस्त की गर्ल फ्रेंड ने यह बात अपनी सहेली से बताई। उसकी सहेली घटना के मुख्य आरोपी अशोक यादव की माशूका थी। इसके बाद हत्या की पूरी पटकथा लिखी गई। इन तीनों आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस ने गुप्त सूचना पर मंगलवार की संध्या बाबूडीह कब्रिस्तान के पास छापेमारी कर की। फिलहाल पुलिस ने सभी आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

विधायक पूर्णिमा साहू ने विकास कार्य और सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

मोहरदा जलापूर्ति कार्य का किया निरीक्षण, नकद लूटकांड पर प्रशासन को घेरा

जमशेदपुर, संवाददाता

पूर्वी विधानसभा अंतर्गत बिरसानगर क्षेत्र के सुगना कॉलोनी, रविदास बस्ती, मोची बस्ती और एम टाइप क्षेत्र में मोहरदा जलापूर्ति योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से जारी है। वहीं मंगलवार विधायक पूर्णिमा साहू ने इन इलाकों का दौरा कर कार्य प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्य प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि बहुत जल्द इन सभी बस्तियों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। जिससे बस्तीवासियों को स्वच्छ और सुगम जल की सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान विधायक पूर्णिमा साहू ने क्षेत्र के विद्यालयों का भी भ्रमण किया और बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई व जरूरतों की जानकारी ली।

साथ ही स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनीं और उसी समय संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस बीच बिरसानगर जोन संख्या 11 में बीते सोमवार को दिनदहाड़े हुई 10 लाख रुपये की लूट की घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। टाटा मोटर्स के वेंडर एके सिंह के कार्यालय में हथियार के बल पर हुई इस वारदात की घटना पर विधायक पूर्णिमा साहू ने मौके पर जाकर विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर में इस प्रकार की लगातार हो रही घटनाएं जिला प्रशासन की नाकामी और लापरवाही को उजागर कर रही है। पूरे शहर में पुलिस की प्राथमिकता हेलमेट चेकिंग तक सीमित रह गई है। अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो गया है जिससे लोगों में असुरक्षा का माहौल है। विधायक ने जिला प्रशासन से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और लूट की राशि के जब्ती की मांग की। उन्होंने कहा कि पूरे शहर में पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के लिए विशेष मुहिम का चलाना आवश्यक है। जिससे नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हो और अपराधियों में कानून का भय पैदा हो।

पलामू में वांछित अपराधी शंभु यादव गिरफ्तार, कई गंभीर मामलों में था फरार

पलामू, संवाददाता

पांकी थाना पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एनबीडब्ल्यू वारंटी अभियुक्त शंभु यादव (उम्र लगभग 28 वर्ष), पिता - मुरत यादव, निवासी ग्राम हेड्रम, थाना पांकी, जिला पलामू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उक्त अभियुक्त थाना कांड संख्या 119/2018 (रळ-26/2021) में वांछित था। उसे विधिवत गिरफ्तार कर बुधवार, दिनांक 12 नवंबर 2025 को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

छापेमारी दल-

पु0अ0नि0 राजेश रंजन, थाना प्रभारी, पांकी

पु0अ0नि0 गोपाल राय, पांकी थाना

थाना रिजर्व गार्ड एवं सशस्त्र बल पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को पुलिस ने नक्सल और आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास

शंभु यादव पर कई थानों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं –

पांकी थाना कांड संख्या 13/2025 – NDPS एक्ट की धारा 8(सी)/18(बी)/29

पांकी थाना कांड संख्या 64/2020 – Arms Act की धारा 25(1-अ)/26/35, IPC की धारा 120(इ), CLA एक्ट की धारा 17

चलान मध्य प्रदेश का व लोडिंग पलामू से करने वाले रैकेट का छतरपुर थाना की पुलिस ने किया भंडाफोड़

पलामू, संवाददाता

कई वाहन मालिकों व क्रशर संचालकों ने एक सिंडिकेट बनाकर मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य से खनिज का चालान लेकर लोडिंग पलामू व गढवा जिला के विभिन्न क्रशर से कर रहे थे। वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर 10 नवंबर 25 को जिला परिवहन कार्यलय व छतरपुर थाना ने 11 नवंबर 25 को छतरपुर थाना क्षेत्र में अवैध खनन, परिवहन व भंडारण को लेकर अलग- अलग जगहों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इसी क्रम में BR03GA6744, BR 03GA 4470, BR 03GA 7414, NL 01AH 5868 U CG 15ED 8897 को अलग-अलग जगहों से जांच के लिए रोका गया। जांच के क्रम पता चला कि पिछले कई दिनों से एक सिंडिकेट बनाकर कुछ वाहन मालिकों व क्रशर संचालकों ने मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के क्रशर संचालकों से मिलीभगत कर चालान निर्गत करवाते हैं। साथ ही लोडिंग पलामू के रामगढ़, चैनपुर, नावा बाजार व गढवा जिला के रंका व रमकंडा के क्रेशर से खनिज की लोडिंग करते हैं। अग्रेतर जांच में पाया गया कि मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ का चालान दर झारखंड के अपेक्षा कम है। मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य का चालान लेने से परिवहन में समय भी ज्यादा मिलता है। इससे ये लोग पलामू व गढवा जिले से लोडिंग करते हैं। एक ही चालान पर कई बार ट्रिप करते हैं। इससे खनन राजस्व की क्षति व सरकारी सम्पति की चोरी हुई है। पांचों वाहनों को जप्त कर व गिरफ्तार एक चालक को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस मामले में संलिप्त अन्य लोगों के विरुद्ध गहनता से जांच जारी है। गिरफ़्तार आरोपियों में BR 03GA 7414 वाहन के चालक प्रिंस कुमार शामिल है। साथ ही वाहन सख्या BR 03GA 6744, BR 03GA 4470, BR 03GA 7414, NL 01AH 5868 U CG1 5ED 8897 व मध्यप्रदेश राज्य से जारी चलान जब्त किया गया है। इनके विरुद्ध छतरपुर थाना कांड सं. 228/25, धारा, 11 नवंबर 2025 303(2)/317 (5)/ 338/ 336(3)/340(2) /318 (4)/ 3 (5) BNS 2023, 21 MMDR & 13 डी झारखंड मिनिरल्स रूल्स 2017 व छतरपुर थाना कांड सं. धारा 229 /25, 11 नवंबर 2025, 303 (2)/317 (5)/338/ 336(3)/ 340(2)/318(4) /3 (5) इठर 2023, 21 MMDR & 13 द झारखंड मिनिरल्स रूल्स के तहत कांड दर्ज किया गया है। छापामारी दल में पुअनि सह थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, पुअनि सुशील कुमार, सअनि राजीव कुमार, जिला परिवहन कार्यलय के कर्मी व छत्तरपुर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

बीआईटी सिंदरी में 11 से 15 नवंबर के बीच मनाया जा रहा है झारखंड स्थापना दिवस

धनबाद, संवाददाता

झारखंड राज्य की स्थापना के २५ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे बीआईटी सिंदरी में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस आयोजन के पहले दिन 11 नवंबर को पेंटिंग विंग द्वारा लाइव पेंटिंग नामक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के द्वितीय दिन, 12 नवंबर को सर्जना एवं लिट्रेरी सोसाइटी ने क्विलक्वेस्ट नामक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका विषय- माइ विजन फॉर झारखंड @50 था। इसमें संस्थान के प्रथम वर्षीय छात्रों ने अपने लेखन कौशल का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता डॉ॰ राजीव कुमार वर्मा, प्रो॰ माया राज नारायण राय, प्रो॰ रेखा झा एवं प्रो॰ प्रियंका के निर्देशन में आयोजित की गई। कार्यक्रम में लिट्रेरी सोसाइटी के प्रेसिडेंट एवं सर्जना के मुख्य संपादक के साथ अन्य सदस्यों ने भी उपस्थिति दर्ज की। अतएव यह कार्यक्रम सभी के संयुक्त प्रयासों के फलस्वरूप पूर्ण रुप से सफल रहा। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को झारखंड स्थापना दिवस के मुख्य कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

हुसैनाबाद में अव्यवस्था का राज: रेलवे ओवरब्रिज बना वाहन पार्किंग, सड़कों पर टेम्पो चालकों का शासन

पलामू, संवाददाता

हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में प्रशासनिक सुस्ती और ट्रैफिक व्यवस्था की बदहाली का नजारा अब खुलेआम देखा जा सकता है। रेलवे ओवरब्रिज, जो आवागमन के लिए बनाया गया था, अब वाहन चालकों की मनमानी का प्रतीक बन गया है। जपला-छत्तरपुर मुख्य सड़क एवं ओवरब्रिज के दोनों ओर टेम्पो, बाइक और चारपहिया वाहनों की लाइन लगी रहती है, जिससे न सिर्फ यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। यह स्थिति तब है जब हुसैनाबाद में अनुमंडल पदाधिकारी एक आईएएस अधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आईपीएस अधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं। बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त दिखाई देती है। नगर क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर टेम्पो चालकों का साम्राज्य कायम है – जहाँ-तहाँ स्टैंड बनाकर सवारी भरना, सड़क जाम करना और हॉर्न बजाकर अफरातफरी मचाना रोजमर्रा की बात हो गई है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन केवल कागजों में सक्रिय दिखता है। अगर अधिकारी सड़क पर उतरें, तो उन्हें खुद पता चल जाएगा कि हुसैनाबाद में जनता नहीं, टेम्पो चालकों का शासन चलता है, एक दुकानदार ने कहा।जनता का अब सीधा सवाल है कि हुसैनाबाद को स्वच्छ और सुंदर कौन बनाएगा? नगर पंचायत, पुलिस या प्रशासन, सबकी जिम्मेदारी तय करनी होगी, वरना यह नगर जल्द ही भीड़, धूल और अव्यवस्था के शहर के रूप में पहचान बना लेगा।क्या प्रशासन जागेगा, या हुसैनाबाद की सड़कें इसी तरह अराजकता की शिकार बनी रहेंगी?

बलियापुर में झामुमो कार्यकर्ताओं की बैठक, सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने का लिया संकल्प

धनबाद, संवाददाता

बलियापुर प्लस टू हाई स्कूल मैदान में बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 18 नवंबर से राज्य सरकार की ओर से विभिन्न पंचायतों में शुरू हो रहे सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक में यह भी तय किया गया कि राज्य सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लोगों तक पहुँचाने के उद्देश्य से क्षेत्र में व्यापक प्रचार अभियान चलाया जाएगा। बैठक में प्रखंड सचिव निर्मल रजवार, ईश्वर मरांडी, राजेंद्र हेंब्रम, अकबर अली, इजराइल अंसारी, इमरान भारती, विजय महतो, पिंटू, देवीलाल, बबलू सोरेन, विधान टुडू, बेणेश्वर मरांडी समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इनमोसा ने सीसीएल अमलो के सेवानिवृत्त दो कर्मियों को सम्मानित कर दी गई विदाई.

सेवानिवृत्ति जीवन का हिस्सा : मुनीनाथ सिंह

बोकारो, संवाददाता

इनमोसा ढ़ोरी क्षेत्र के तत्वावधान सीसीएल ढ़ोरी स्थित आफिसर्स क्लब सेन्ट्रल कॉलोनी स्थित आफिसर्स क्लब में बुधवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में सीसीएल अमलो के मैनेजर मुनीनाथ सिंह मुख्य अतिथि शामिल हुए. समारोह में सेवानिवृत्त हुए दो सीसीएल कर्मियों को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई. सेवानिवृत्त वरीय ओवरमैन अशोक कुमार सरकार और दीपक कुमार शामिल हैं.मुख्य अतिथि ने मौके पर मैनेजर मुनीनाथ सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का हिस्सा है, जो सभी लोगों के जीवन मे एक बार आता है.

आरसीएमयू के शाखा सचिव गणेश मल्लाह दोनो सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की. कार्यक्रम का संचालन इनमोसा अमलो शाखा के अध्यक्ष जयराम सिंह ने किया. मौके पर माइन इंचार्ज संतोष कुमार, सहायक प्रबंधक कमल कुमार, खुखविंदर सिह, इनमोसा के एरिया अध्यक्ष तुलसी महतो, एरिया सचिव पवन कुमार सिंह, बीएंड के एरिया अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, सचिव डी.पी मौर्या,सेल आफिसर विवेक कुमार सिंह, अनिस कुमार लकड़ा, बालेश्वर पंडित, सुमन कुमार, हीरालाल रविदास, रामाशंकर सिंह, आनंद विश्वकर्मा, शशांक शेखर, प्रमोद सिंह, कमलेश कुमार, जोगा सिंह, विनोद सिंह, राज किशोर मिश्रा, श्रीराम कुमार, निरंजन मिश्रा, छोटेलाल शर्मा, राजेश पांडेय, सुखदेव महतो, नागेंद्र कुमार, अनिल कुमार आदि मौजूद थे ।

झारखंड स्थापना दिवस पर चिन्मय विद्यालय में जनजातीय गौरव पखवाड़ा का आयोजन

बोकारो, संवाददाता

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड राज्य की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर चिन्मय विद्यालय, बोकारो में जनजातीय गौरव पखवाड़ा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा तीन से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने झारखंड की समृद्ध संस्कृति, नृत्य, संगीत और परंपराओं से परिचय प्राप्त किया। पखवाड़ा की शुरूआत 1 नवंबर से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने वाल पेंटिंग, कहानी कथन, सेमिनार और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान को याद किया। बुधवार, 12 नवंबर को आयोजित विशेष सभा में विद्यार्थियों ने सिद्धो-कान्हू पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और झारखंड का पारंपरिक छऊ नृत्य व लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप-प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और हेड मास्टर गोपाल चंद्र मुंशी उपस्थित रहे। सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि झारखंड हर क्षेत्र में अग्रणी रहा है और बिरसा मुंडा ने सबसे पहले देश को विदेशी शासन से मुक्त कराने का बिगुल फूंका था। वहीं, प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि झारखंड की संस्कृति, कला और सभ्यता भारत की सबसे सुंदर और प्रेरणादायक है। इसे संजोकर रखना हम सबका कर्तव्य है। विद्यालय परिसर में पूरे पखवाड़े का माहौल देशभक्ति, संस्कृति और गौरव से ओतप्रोत रहा।

बीडीओ ने अबुआ आवास के एक दर्जन लाभुकों का कराया गृह प्रवेश, कहा- सरकार की एक महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी योजना है

बोकारो, संवाददाता

बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने बुधवार को प्रखंड के एक दर्जन अबुआ आवास लाभुकों को एक सदा समारोह के तहत गृह प्रवेश करवाया। जिसका शुभारंभ चिरूडीह में अबुआ आवास योजना के तहत निर्मित आवासों में लाभुकों को गृह प्रवेश कराया इस दौरान उन्होंने लाभुक भगीरथ महतो के नवनिर्मित घर का फीता काटकर और नारियल फोड़कर शुभ गृह प्रवेश कराया। बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने कहा कि अबुआ आवास योजना सरकार की एक महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से बेघर और जरूरतमंद लोगों को सम्मान पूर्वक जीवन जीने हेतु छत उपलब्ध कराई जा रही है। मौके मुखिया रीता देवी, पंसस जगरनाथ रजक, बीससूत्री उपाध्यक्ष गणेश महतो,ब्लॉक कॉर्डिनेटर अहमद रजा खां, पंचायत सचिव राकेश विश्वकर्मा ,रोजगार सेवक बुलाकी महतो, हनीफ अंसारी आदि उपस्थित थे। इधर आहरडीह पंचयात में बुधवार को अबुआ आवास योजना के तहत निर्माण कराये गये मकानों में लाभुकों को गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर आहरडीह मुखिया गायत्री देवी,उप मुखिया बाबू अली और पंसस हिना प्रवीण ने संयुक्त रूप से गोबरगढ़ा गांव के कारी देवी, सावित्री देवी, सुनीता देवी , पूजा देवी सहित पांच लाभुकों को नये घर में फीता काट कर एवं नारियल फोड़कर कर गृह प्रवेश कराया. मुखिया गायत्री देवी ने कहा कि राज्य सरकार की अबुआ आवास योजना ने गरीब परिवारों के लिए पक्के मकान का सपना साकार किया है । सरकार की यह योजना समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मानजनक जीवन पहुंचाने का काम कर रही है । मौके पर पंचायत सचिव मनीषा कुमारी, पंचायत स्वयं सेवक मनोज महतो आदि उपस्थित थे ।

लकड़ी पर की गयी भगवान बिरसा मुंडा और दिशोम गुरू शिबू सोरेन की नक्काशी

बोकारो, संवाददाता

झारखंड स्थापना दिवस (15 नवंबर, 2025) के अवसर पर, राज्य सरकार स्थानीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जिलों में विकास मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है, जिसमें कारीगरों को अपने उत्कृष्ट कार्यों के प्रदर्शन के लिए स्टॉल लगाने की अनुमति मिल सकती है। स्थानीय कारीगरों और बढ़ई (कारपेंटर) के लिए अपने बेहतरीन नक्काशीदार उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का यह एक अच्छा अवसर है। अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया आम तौर पर जिला प्रशासन या संबंधित सरकारी विभाग के माध्यम से होती है। बुधवार को फुसरो नगर परिषद क्षेत्र स्थित जवाहरनगर - फिल्ड क्वायरी निवासी सह मनीष फर्नीचर के प्रोपराइटर वासुदेव विश्वकर्मा उर्फ विगन विश्वकर्मा ने कहा कि झारखंड सरकार के मंत्री सुदीप सोनु से स्थापना दिवस के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम मे बेहतरीन लकड़ी पर नक्काशी कर बिरसा भगवान, दिशोम गुरू शिबू सोरेन और कल्पना सोरेन का फोटो प्रदर्शित करने का मौका देने के लिए सरकार से मांग की है. लेकिन अभी तक झारखंड सरकार से अनुमति नही मिल पाई है. उन्होंने अनुमति प्राप्त के लिए बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह से भी अपील की है ।

मोबाइल के लिए मां ने 3 बच्चों संग किया सुसाइड

बक्सर में तड़प-तड़पकर हुई चारों की मौत; पति कमरे में टीवी देखता रहा

बक्सर (एजेंसी) : बक्सर में मंगलवार की शाम मां ने 3 बच्चों के साथ जहर खाकर सुसाइड कर लिया। इसमें से 2 बच्चों समेत मां की मौत मंगलवार की देर शाम हुई है। वहीं, एक साल के बच्चे की बुधवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई है। घटना मंगलवार की दोपहर नया भोजपुर थाना क्षेत्र की है। जिस वक्त पत्नी ने सुसाइड किया उस वक्त उसका पति ऊपर के कमरे में टीवी में देख रहा था। महिला के पति सुनील कुमार ने बताया, 'वो 2 नए फोन मांग रही थी। एक अपने लिए, दूसरा पिता के लिए। इस बात से वो मुझसे नाराज चल रही थी। मृतकों की पहचान सुनील कुमार की पत्नी सविता देवी (30), बेटी ज्योति कुमारी (5), बेटा आकाश कुमार (3) और विकास कुमार (1) के रूप में हुई है। सुनील कुमार राजमिस्त्री का काम करता है। उसने बताया, 'एक सप्ताह से वो मोबाइल खरीदने की मांग कर रही थी। मंगलवार को भी इसी बात को लेकर बहस शुरू हुई। कुछ देर बाद उसने कहा- सल्फास लाकर दे दो। मैंने सोचा वो चावल में दवा डालेगी। मैंने उसे दोपहर 12 बजे तक दवा लाकर दी। इसके बाद टीवी देखने के लिए ऊपर वाले कमरे में चला गया था। दोपहर 1 बजे तक जब भाभी घर आई तो उन्होंने सविता और सारे बच्चे को जमीन पर देखा था।

शराब पीने से मना करने पर पत्नी की हत्या

बेगूसराय (एजेंसी) : बेगूसराय में शराब पीने से मना करने पर पति ने पत्नी को जलाकर मार डाला है। नशे में धुत पति जितेंद्र दास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान जूली (22) के तौर पर हुई है। घटना बखरी थाना क्षेत्र के सोनमा गांव की है। 2 साल पहले जितेंद्र की शादी शकरपुरा गांव की रहने वाले जूली के साथ हुई थी। जितेंद्र गांव में रहता है, कभी-कभार मजदूरी करता था। घर में खर्च के पैसे नहीं देता था। हमेशा नशे की हालत में रहता था। पिता अरुण दास दूसरे राज्य में काम करते हैं। परिजनों के मुताबिक पैसे को लेकर पति-पत्नी के बीच हमेशा विवाद होते रहता था। जूली मायके और सास-ससुर के भरोसे ही 10 माह के बच्चा का पालन-पोषण कर रही थी। काफी समझाने के बाद भी जितेंद्र शराब पीना नहीं छोड़ रहा था। मंगलवार शाम में भी शराब पीकर आया था।

डीआरएम ने किया भागलपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

भागलपुर (एजेंसी) : बिहार विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब बड़ी संख्या में लोग अपने-अपने गंतव्य स्थानों के लिए रवाना हो रहे हैं। इसी क्रम में मालदा डिविजन के डीआरएम मनीष कुमार बुधवार को भागलपुर जंक्शन पहुंचे और उन्होंने स्टेशन परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम मनीष कुमार ने बताया कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए, भागलपुर जंक्शन से दिल्ली, पुणे समेत कई बड़े शहरों के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुविधा और सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। डीआरएम ने यह भी कहा कि दिल्ली के लाल किले में हाल ही में हुए हमले के बाद सभी जंक्शन और स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों और उनके सामान की सघन जांच की जा रही है। साथ ही डीआरएम मनीष कुमार ने यात्रियों से अपील किया कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति के दिखने पर तुरंत रेलवे अधिकारियों या सुरक्षा बलों को सूचना दें और किसी भी संदिग्ध सामान को हाथ न लगाएं।

सीएम नीतीश ने हनुमान मंदिर समेत गुरुद्वारा व मजार पर टेका मत्था

पटना (एजेंसी) : बिहार विधानसभा चुनाव -2025 का दो चरणों में मतदान मंगलवार देर शाम शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। चुनावी नतीजे आने से पहले महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता जीत के दावे कर रहे हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर,पटना हाईकोर्ट के पास स्थित मजार और पटना सीटी में स्थित पटना साहिब तख्त श्री हरमंदिर जी गुरुद्वारा भी पहुंचे. और वहां दर्शन के बाद प्रदेश में अमन चैन की कामना की। मंगलवार शाम मतदान पूरी होने के बाद अब एग्जिट पोल के नतीजे सामने आए हैं। एग्जिट पोल के अनुसार, इस बार बिहार में राजग की सरकार बनती दिख रही है। ऐसे में 14 नवंबर को नतीजे आने वाले हैं। इससे पहले सीएम नीतीश महावीर मंदिर,हाई कोर्ट मजार और पटना साहिब तख्त श्री हरमंदिर जी गुरुद्वारा पहुंचे। इससे उन्होंने एक बड़ा मैसेज देने की कोशिश की है। गुरु के दरबार में मुख्यमंत्री ने मत्था टेका और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज से राज्य की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान पटना साहिब गुरुद्वारा के ग्रंथी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सिरोपा (सम्मान वस्त्र) भेंट कर आशीर्वाद दिया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार जगजोत सिंह सोढ़ी ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें गुरु घर आने पर धन्यवाद दिया।

आरा-छपरा फोरलेन पर सड़क हादसे में मजदूर की मौत

आरा (एजेंसी) : आरा-छपरा फोरलेन पर तेज रफ्तार ट्रक ने एक मजदूर को रौंद दिया। घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घर से शौच के लिए निकला था। हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान कोल्हरामपुर गांव के रणवीर ठाकुर(40) के तौर पर हुई है। घटना बबुरा थाना क्षेत्र की है। विरोध में परिजन और ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया। मुआवजे की मांग को लेकर करीब तीन घंटे तक रोड जाम रखा। इस दौरान दोनों लेने में वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जाम की सूचना पर थानाध्यक्ष संजय कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के चचेरे भाई गौरव कुमार ने बताया कि बुधवार को सुबह शौच करने के लिए जा रहा था।

सोनपुर मेला में 350 सीसीटीवी कैमरों से हो रही निगरानी

सारण (एजेंसी) : सोनपुर एशिया के सबसे बड़े और विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला की सुरक्षा व्यवस्था इस वर्ष और भी अधिक सुदृढ़ कर दी गई है. मेला प्रशासन द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में हाई-टेक निगरानी के लिए लगभग 350 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है. मेले के प्रवेश द्वारों से लेकर, पशु बाजार, मुख्य बाजार, सांस्कृतिक मंच, सरकारी स्टॉल और भीड़ भाड़ वाले प्रमुख इलाकों एवं सभी संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थानों को सीसीटीवी कैमरों के दायरे में लाया गया है. इन सभी 350 कैमरों की 24x7 मॉनिटरिंग के लिए मेला क्षेत्र स्थित प्रशासनिक शिविर में एक अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है. नियंत्रण कक्ष में तैनात सुरक्षाकर्मी चौबीसों घंटे मेला क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं. यह व्यवस्था न केवल भीड़ प्रबंधन में सहायक है बल्कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना, चोरी या असामाजि क गतिविधि को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. मेला प्रशासन का लक्ष्य इस वर्ष आगंतुकों को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भयमुक्त वातावरण प्रदान करना है. सीसीटीवी निगरानी की इस पहल को सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा और प्रभावी कदम माना जा रहा है. इस तकनीक आधारित निगरानी से मेला घूमने आए लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुरक्षा का एक मजबूत जाल से घेर दिया गया है। पर्यटन विभाग बिहार सरकार द्वारा निर्मित विदेशी पर्यटकों के लिए जो कॉटेज का निर्माण किया गया है।

नवजात शिशु को छोड़कर अस्पताल से मां फरार

नालंदा,(एजेंसी)ः जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल बिहारशरीफ में बुधवार को एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। जिसने सभी को चौंका दिया। यहां एक महिला ने बच्ची को जन्म देने के नौ दिन बाद उसे अस्पताल छोड़कर फरार हो गई। इसके बाद नवजात की चाची ने उसे ममता की छांव दिया। इस संबंध में अस्पताल कर्मियों ने बताया कि नूरसराय के मुजफ्फरपुर गांव निवासी रोहित राज की पत्नी नंदनी कुमारी ने 4 नवंबर को बेटी को जन्म दिया था। बेटी के जन्म लेने से वह नाराज थी। परिवार बेटा चाहता था। इसके बाद प्रसूता अपनी नवजात बेटी को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गई।अस्पताल प्रबंधक इमरान ने बताया कि नवजात के परिवार से संपर्क करने पर उसकी चाची अस्पताल पहुंची। कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद नवजात को उसकी चाची के सुपुर्द कर दिया गया है।

पूर्णिया में सड़क हादसे में महिला की मौत

पूर्णिया (एजेंसी) : पूर्णिया में तेज रफ्तार बुलेट की टक्कर में महिला की मौत हो गई। बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रही थी। रोड क्रॉस करते समय हादसे की शिकार हो गई।

हादसे के बाद परिजन ऑटो लेकर आ रहे थे, रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान अररिया जिले के रानीगंज निवासी संतोष शरण की पत्नी नीतू देवी(30) के तौर पर हुई है। पति संतोष शरण ने बताया कि नीतू सब्जी खरीदने घर से रानीगंज बाजार गई थी। सब्जी खरीदने के बाद वो घर लौट रही थी, उसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बुलेट ने जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर लोगों की भीड़ जुटता देख चालक बुलेट समेत भाग निकला।

पूर्ण बहुमत, नीतीश ही बनेंगे मुख्यमंत्री: केशव

लखनऊ (एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और बिहार के सहप्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को पूर्ण बहुमत मिलेगा और बिहार के तेजस्वी और ऊर्जावान नेता नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। श्री मौर्य ने 'यूनीवार्ता' से विशेष बातचीत के दौरान बिहार को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। बिहार में बहुमत मिलने की दशा में नीतीश के मुख्यमंत्री बनने अथवा कोई नया चेहरा सामने लाने के सवाल पर उन्होंने कहा, " बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर राजग गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा है। बिहार में राजग को पूर्ण बहुमत मिलेगा। बिहार की जनता ने राजग को भरपूर समर्थन दिया है और नई सरकार के मुख्यमंत्री भी नीतीश कुमार ही होंगे।" श्री मौर्य ने कहा कि राजग 2020 से भी बड़ी जीत इस चुनाव में दर्ज करने जा रही है। बिहार की जनता ने उन लोगों को नकारने का काम किया है जिन्होंने लगातार जनता को गुमराह किया है। बिहार में तेजस्वी यादव की दाल नहीं गलने वाली है। बिहार के सह प्रभारी से जब यह पूछा गया कि तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए हैं और यहां तक कहा है कि चुनाव आयोग मर गया है। इस सवाल के जवाब में श्री मौर्य ने कहा कि जब चुनाव में जनता ने महागठबंधन को पूरी तरह से नकार दिया है ।

एग्जिट पोल के बाद तेजस्वी बोले- अब कोई गुंजाइश नहीं

पटना (एजेंसी): विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान पर आधारित सभी एग्जिट पोल को फर्जी करार देते हुए कहा है कि 18 नवंबर को महागठबंधन की सरकार शपथ लेगी। राज्य में कलम का राज कायम होगा। नौकरी और रोजगार के बड़े अवसर सृजित होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मतगणना के दौरान गड़बड़ी का प्रयास किया गया तो जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। जनता हर तरह की कुर्बानी देने के लिए तैयार है।

कारोबार

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद सेंसेक्स में 595 अंकों की उछाल

नई दिल्ली, (एजेंसी) : घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि आज दिन के पहले सत्र के कारोबार में शेयर बाजार में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इस दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक टूट कर लाल निशान में पहुंच गए। इसके बाद दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से ये दोनों सूचकांक निचले स्तर से रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने की उम्मीद के कारण आज निवेशकों में उत्साह का भाव नजर आया। इसी तरह अमेरिका में शटडाउन खत्म होने की उम्मीद और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत मिलने से वैश्विक बाजार के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में भी राहत का माहौल बना। इसके अलावा मजबूत ग्लोबल संकेत और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट ने भी घरेलू शेयर बाजार को काफी हद तक सहारा दिया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान शेयर बाजार ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी की। इस दौरान आईटी, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा।

सोना हुआ सस्ता, तो चांदी में आई उछाल

घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव देखने को मिला है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोना 767 रुपये सस्ता होकर 1,23,362 रुपये पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,24,129 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 286 बढ़कर 1,55,046 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,54,760 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपये और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपये का ऑल टाइम हाई बनाया था। गौरतलब है कि सोने की कीमत रोजाना आधार पर तय होती है। इसके लिए करेंसी एक्सचेंज।

स्पाइसजेट का घाटा 35% बढ़कर 621 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी) : लो कॉस्ट एयरलाइन स्पाइसजेट का जुलाई-सितंबर तिमाही में कॉन्सोलिडेटेड नेट लॉस सालाना आधार पर 35% बढ़कर 7621 करोड़ पहुंच गया। ये पिछले साल की समान तिमाही में 458 करोड़ था। कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू भी 13% घटकर 792 करोड़ रह गया । ये पिछले साल की समान तिमाही में 915 करोड़ रुपए था। ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ना: फ्लीट रिवाइवल का मतलब है पुराने प्लेनों को सुधारना—जैसे इंजन ठीक करना, पार्ट्स बदलना। स्पाइसजेट ने Q2 में कई प्लेन ग्राउंडेड (उड़ान बंद) रखे, जिसका खर्च 297 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एक्सपैंशन (नई फ्लाइट्स जोड़ना) का भी कॉस्ट बढ़ा, क्योंकि नए प्लेन खरीदने या लीज पर लेने में पैसे लगे। इससे कुल ऑपरेटिंग कॉस्ट (रनिंग खर्च) 13% बढ़ गया। कंपनी का कहना है कि यह शॉर्ट-टर्म दर्द है, लेकिन लंबे समय में फ्लीट मजबूत बनेगी। लीजन डिमांड कम, मानसून में पैसेंजर घटे: लीजन डिमांड का मतलब है मानसून सीजन (जुलाई-सितंबर) में यात्रा कम होना। इस समय लोग कम घूमते हैं, क्योंकि बारिश और छुट्टियों का समय होता है। स्पाइसजेट का रेवेन्यू 792 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल के 915 करोड़ से 13% कम है। Q2 में यह 29% गिरा, क्योंकि Q1 में डिमांड ज्यादा थी। पैसेंजर लोड फैक्टर 84.3% रहा, लेकिन कुल टिकट बिक्री कम हुई।

डीमर्जर के बाद स्टॉक मार्केट में टाटा मोटर्स की एंट्री, 28% प्रीमियम पर लिस्ट हुआ शेयर

नई दिल्ली, (एजेंसी) : टाटा मोटर्स की कमर्शियल इकाई के शेयर बुधवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 335 रुपए प्रति यूनिट पर लिस्ट हुए, जो कि डिस्कवरी प्राइस 260.75 रुपए प्रति यूनिट से 28.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल के शेयर 330.25 रुपए प्रति यूनिट पर लिस्ट हुए, जो कि डिस्कवरी प्राइस 261.90 रुपए प्रति शेयर से 26.09 प्रतिशत था। हालांकि, लिस्टिंग के बाद शेयरों में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। सुबह करीब 11:35 बजे, एनएसई पर शेयर 1.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 328.65 रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल के शेयर 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 404.75 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। टाटा मोटर्स के बोर्ड ने पिछले साल अपने कमर्शियल वाहन और पैसेंजर वाहन कारोबार को बेहतर ऑपरेशनल एफिशिएंसी के लिए 1:1 के अनुपात में अलग-अलग लिस्ट करने का ऐलान किया था। यह डीमर्जर एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया है। इसकी रिकॉर्ड डेट 14, अक्टूबर, 2025 थी। इसके तहत, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) के शेयरों ने 14 अक्टूबर को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में शेयर बाजार में कारोबार करना शुरू किया था , जिसका मूल्य रिकॉर्ड डेट पर समायोजन के बाद लगभग 400 रुपए प्रति शेयर था। यह 660.75 के डीमर्जर के पहले की डेट के क्लोजिंग प्राइस के आधार पर था।

डाक विभाग ने लॉन्च की नई मोबाइल ऐप डाक सेवा 2.0

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय डाक विभाग ने अपने ग्राहकों को डिजिटल सुविधा देने के उद्देश्य से नई मोबाइल ऐप 'Dak Seva 2.0' लॉन्च की है। इस ऐप के माध्यम से अब लोग पोस्ट ऑफिस की लगभग सभी सेवाओं का लाभ अपने मोबाइल पर ही ले सकेंगे। भारतीय डाक ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस ऐप की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अब पार्सल भेजना, ट्रैक करना, स्पीड पोस्ट, मनी ऑर्डर, रजिस्ट्री, पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस की प्रीमियम भरना और बैंक अकाउंट से जुड़ी जानकारी चेक करना—all कुछ ही क्लिक में संभव है। इस ऐप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे 23 भारतीय भाषाओं में इस्तेमाल किया जा सकता है, जिनमें हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी, तमिल और अन्य प्रमुख भाषाएं शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवंबर से

नई दिल्ली (एजेंसी) : राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 नवंबर से 44वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) शुरू होगा, जो 27 नवंबर तक चलेगा। इस बार का मेला 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम पर होगा। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने बुधवार को बताया कि इस बार इस मेले की थीम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' देश की एकता और विविधता को दर्शाती है। भारत मंडपम में लगने वाले ट्रेड फेयर में इस बार अलग-अलग हॉल में अलग सजावट की जाएगी।

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल है। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण नाविकों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले तट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

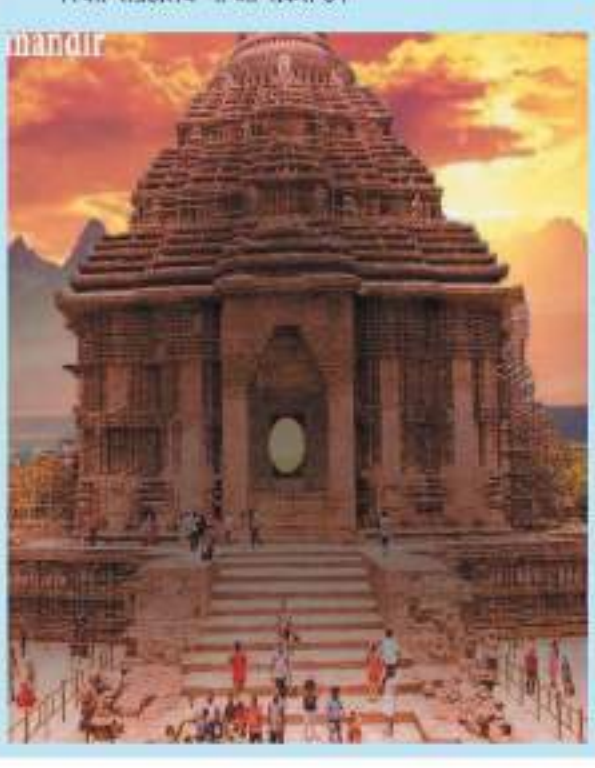

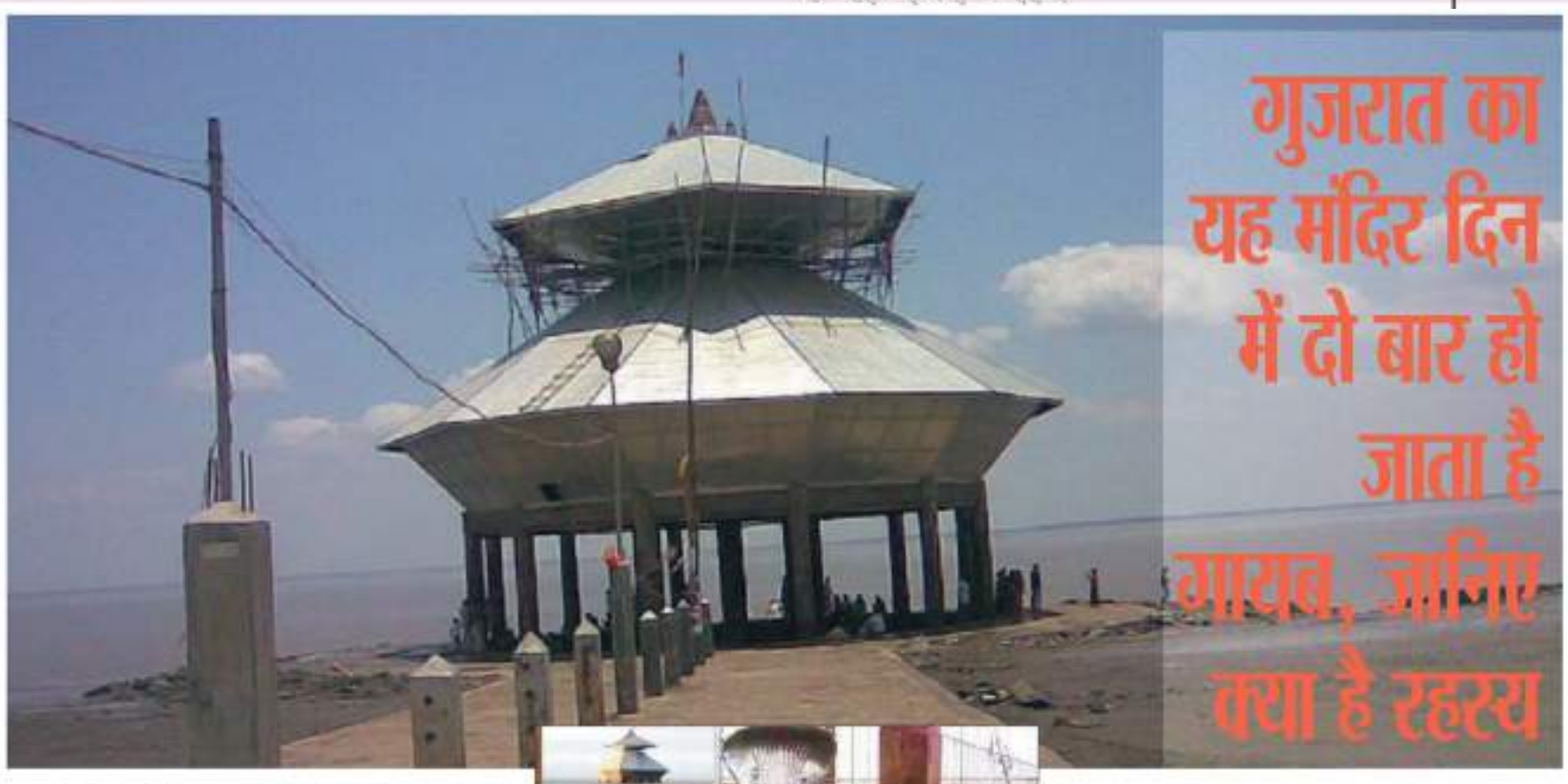

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकामना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद मांगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश्वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं है और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वैंकटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी। ऐसी मान्यता है कि यह वही छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वैंकटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर है। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला : स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कीइंग का भी मजा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग : धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली : उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी : शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कीइंग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मजा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मजा लेना है तो कुफरी जरूर जाएं।

कुल्लू-मनाली : पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मजा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

चीन से सस्ते रबर आयात पर सरकार सख्त, डीजीटीआर ने शुरू की एंटी-डंपिंग जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले एक खास रबर पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है। जांच की पहल रिलायंस सिबुर इलास्टोमर्स की शिकायत के बाद की गई है। कंपनी का आरोप है कि चीन से हेलो आइसोब्यूटेन और आइसोप्रीन रबर की डंपिंग से भारतीय निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। आइए विस्तार से जानें। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले एक खास रबर पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है। यह रबर मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल उद्योग में इस्तेमाल होता है। जांच की पहल रिलायंस सिबुर इलास्टोमर्स की

शिकायत के बाद की गई है। कंपनी का आरोप है कि चीन से हेलो आइसोब्यूटेन और आइसोप्रीन रबर की डंपिंग से भारतीय निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। डीजीटीआर ने अपनी अधिसूचना में कहा कि आवेदक ने चीन से आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की मांग की है ताकि घरेलू उद्योग को अनुचित मूल्य प्रतिस्पर्धा से बचाया जा सके। डीजीटीआर ने कहा है कि घरेलू कंपनी की ओर से दाखिल विस्तृत आवेदन और प्रस्तुत प्रारंभिक साक्ष्यों के आधार पर यह जांच शुरू की गई है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि चीन से रबर की डंपिंग से भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है। अगर आरोप सही साबित हुआ तो क्या होगा? डीजीटीआर के अनुसार, अगर जांच में यह साबित होता है कि सस्ते आयात के कारण घरेलू कंपनियों को भौतिक नुकसान हुआ है, तो संस्था एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करेगी।

मुंबई में डीआरआई की बड़ी कार्रवाई; 15 करोड़ का सोना जब्त, मास्टरमाइंड समेत 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई में सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कुल मिलाकर 15.05 करोड़ रुपये मूल्य का 11.88 किलोग्राम 24 कैरेट सोना और 13.17 लाख रुपये मूल्य की 8.72 किलोग्राम चांदी जब्त किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का

भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 15 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातु जब्त की गई है। इस कार्रवाई के तहत मास्टरमाइंड समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि यह गिरोह हुए सोने को अवैध रूप से देश में लाने और उसे ग्रे मार्केट में बेचने की योजना पर काम कर रहे थे। इससे न केवल आयात नियमों का उल्लंघन किया गया और सरकारी राजस्व की चोरी की गई। डीआरआई मुंबई जोनल इकाई को मुंबई में सोने की तस्करी और पिघलाने के सिंडिकेट के संचालन के बारे में जानकारी मिली थी। इसके आधार पर, डीआरआई टीमों ने सोमवार को शहर में चार स्थानों पर एक साथ तलाशी ली। इसमें दो अवैध पिघलने वाली इकाइयां और दो अपंजीकृत दुकानें शामिल थीं। अधिकारी ने बताया कि उन्हें एक पूरी तरह कार्यात्मक इकाई मिली, जहां तस्करी किए गए सोने को पिघलाकर गोम और अन्य रूपों जैसे बार में परिवर्तित किया जा रहा था। पिघलने वाली इकाइयों से कुल 6.35 किलोग्राम सोना जब्त किया गया व भट्टियों का संचालन करने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि मास्टरमाइंड से जुड़ी दो दुकानों पर की गई तलाशी में 5.53 किलोग्राम सोने की छड़ें बरामद की गईं। डीआरआई ने कुल मिलाकर 15.05 करोड़ रुपये मूल्य का 11.88 किलोग्राम 24 कैरेट सोना और 13.17 लाख रुपये मूल्य की 8.72 किलोग्राम चांदी जब्त की। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 11 लोगों में मास्टरमाइंड शामिल है, जो पूर्व में तस्करी के मामलों में शामिल एक ज्ञात अपराधी है, उसके पिता, एक प्रबंधक, चार भाड़े के तस्कर, एक एकाउंटेंट और तीन डिलीवरी व्यक्ति शामिल हैं। सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सेंसेक्स 464 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के ऊपर

बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। वहीं मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 335.97 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 83,871.32 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.60 अंक या 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,694.95 पर आ गया।

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और भारती एयरटेल जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, कारोबारियों ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद से भी निवेशकों की धारणा को बल मिला।

शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 464.66 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 84,335.98 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 134.70 अंक यानी 0.52 प्रतिशत बढ़कर 25,829.65 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इटरनल, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, सन फार्मास्यूटिकल्स और ट्रेंट लिमिटेड पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

व्यापक एशियाई शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि जापान का निक्केई 225 और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे।

इन कारणों से बाजार में दिखी तेजी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के जल्द ही अंतिम रूप लेने की खबर और एग्जिट पोल में बिहार में एनडीए की निर्णायक जीत के संकेत मिलने से बाजार में सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है। इससे बाजार में तेजी तो आएगी, लेकिन यह बाजार में निर्णायक बढ़त और लगातार तेजी के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए, एफआईआई द्वारा उच्च स्तरों पर फिर से बिकवाली की संभावना है। जब तक एआई ट्रेड जारी रहेगा, एफआईआई के पैसे की निरंतर वापसी की संभावना कम ही दिखती है। विजयकुमार ने कहा कि मौलिक दृष्टिकोण से, आशावाद की गुंजाइश है क्योंकि जीडीपी वृद्धि मजबूत है और वित्त वर्ष 27 के लिए आय वृद्धि उज्ज्वल दिखाई देती है। वित्तीय, उपभोग और रक्षा शेयरों में तेजी के अगले चरण का नेतृत्व करने की क्षमता है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि मंगलवार को निफ्टी ने जोरदार वापसी की।

भारत को 10 फीसदी तक पहुंचने के लिए बढ़नी होगी उत्पादकता', बोले विश्व बैंक के अर्थशास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व बैंक के प्रमुख अर्थशास्त्री ऑरेलियन कूस भारत के सामने असली चुनौती 10 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के रास्ते तलाशने की है। भारत की आर्थिक वृद्धि की प्रमुख ताकत उसका बड़ा और लगातार बढ़ता कार्यशील जनसंख्या समूह है, जो लगभग 2050 तक बढ़ता रहेगा। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व बैंक के प्रमुख अर्थशास्त्री ऑरेलियन कूस का अनुमान है कि निकट भविष्य में देश की विकास दर 6 से 7 प्रतिशत के बीच रहेगी। हालांकि, भारत के सामने असली चुनौती 10 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के रास्ते तलाशने की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए उत्पादकता, दक्षता और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में बेहतर एकीकरण पर ध्यान देना होगा। कूस के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि की प्रमुख ताकत उसका बड़ा और लगातार बढ़ता कार्यशील जनसंख्या समूह है, जो लगभग 2050 तक बढ़ता रहेगा। यह अनुकूल यानी सक्रिय कामकाजी आबादी का अधिक होना, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण पूंजी है। इसके अलावा, भारत का तेजी से उभरता इनोवेशन हब के रूप में स्थान खासकर डिजिटल सेक्टर और वैश्विक क्षमता केंद्र में उसकी उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को नई ऊंचाई दे रहा है।

तकनीक-पर्यटन मुख्य स्तंभ

भारतीय प्रवासी देख रहे हैं भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में संभावनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑकलैंड के भारतीय प्रवासी समुदाय का यह कहना है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए पर्यटन, शिक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हाल की ऑकलैंड और रोटोरुआ यात्रा से व्यापार वार्ता को काफी प्रोत्साहन मिला है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए पर्यटन, शिक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं। ऑकलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय का यह कहना है। भारत न्यूजीलैंड में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को भारी बढ़ावा मिलेगा। यह वर्तमान में लगभग 1.4 अरब डॉलर है। बता दें कि दोनों देश व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने के लिए व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है।

दोनों देशों के बीच मिलकर काम करने के आपार अवसर होंगे पैदा

वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हाल की ऑकलैंड और रोटोरुआ यात्रा से व्यापार वार्ता को काफी प्रोत्साहन मिला है। ऑकलैंड स्थित कंप्यूटर इंजीनियर रानी सिंह ने कहा कि मैं दोनों देशों के बीच मिलकर काम करने के लिए अपार अवसर देखती हूं, न केवल व्यापार में, बल्कि शिक्षा, पर्यटन और प्रीमियम पेय पदार्थ व प्रौद्योगिकी जैसे नवाचार-संचालित उद्योगों जैसे दीर्घकालिक संबंध बनाने वाले क्षेत्रों में भी।

उन्होंने कहा कि दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, एआई और साइबर सुरक्षा में सहयोग से भी लाभ उठा सकते हैं। सिंह ने कहा कि इन क्षेत्रों में जहां भारत के पास व्यापकता और प्रतिभा है, वहीं न्यूजीलैंड नवाचार और मजबूत अनुसंधान वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें विश्वविद्यालयों और तकनीकी कंपनियों के बीच संयुक्त तकनीकी शिक्षा कार्यक्रमों, ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों और छात्र आदान-प्रदान के अवसरों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इस तरह के सहयोग दोनों देशों के छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करने के लिए तैयार करेंगे। इसी तरह के विचार साझा करते हुए प्रबंधन पेशेवर अजितेश शेखर ने कहा कि एयर सर्विसेज एग्रीमेंट के अपडेट और न्यूजीलैंड आने वाले भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने पर्यटन क्षेत्र में गहरे सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। उन्होंने कहा कि सीधी हवाई कनेक्टिविटी, सुगम वीजा प्रक्रिया और साझा ब्रांडिंग से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय पर्यटन को मजबूती मिल सकती है। शेखर ने यह भी जोड़ा कि मादक पेय पदार्थ क्षेत्र, भले ही सीमित दायरे का हो, लेकिन दोनों देशों के बीच उच्च मूल्य का सहयोग प्रदान करता है। कंपनियों में एचसीएल, महिंद्रा मोटर्स, टेक महिंद्रा लिमिटेड, टीसीएस, इंफोसिस, डॉ. रेड्डी लैबोरेटरीज और रॉयल एनफील्ड मोटर्स शामिल हैं। न्यूजीलैंड में तीन लाख से ज्यादा भारतीय प्रवासी हैं।

प्रदूषण की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे

स्वास्थ्य बीमा में 43 प्रतिशत दावे 10 साल से कम उम्र वालों के लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉलिसीबाजार की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य बीमा दावों में से 43 प्रतिशत 0 से 10 आयु वर्ग तक के थे। इसमें कहा गया है कि बच्चे किसी भी अन्य आयु वर्ग की तुलना में पांच गुना अधिक प्रभावित होते हैं। वहीं प्रदूषण से होने वाली बीमारियां अब अस्पताल में भर्ती होने वाले सभी दावों का 8 प्रतिशत हैं।

आज पूरा विश्व प्रदूषण की मार झेल रहा है। प्रदूषण का सबसे ज्यादा खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ता है। पॉलिसीबाजार की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य बीमा दावों में से 43 प्रतिशत 0 से

10 आयु वर्ग तक के थे। इसमें कहा गया है कि बच्चे किसी भी अन्य आयु वर्ग की तुलना में पांच गुना अधिक प्रभावित होते हैं। प्रदूषण से होने वाली बीमारियां अब अस्पताल में भर्ती होने वाले सभी दावों का 8 प्रतिशत हैं। सांस और हृदय संबंधी मामले भी इस वृद्धि में बड़ा योगदान दे रहे हैं। ऐसे बीमा दावों की संख्या के मामले में दिल्ली देश में सबसे आगे रहा है। वहीं बंगलूरू और हैदराबाद में दावों का अनुपात ज्यादा रहा। जयपुर, लखनऊ और इंदौर जैसे टियर-2 शहरों में भी मामलों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। यह दर्शाता है कि वायु प्रदूषण का असर महानगरों से आगे भी फैल रहा है। रिपोर्ट में प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों, खासकर दिवाली के आसपास, के एक स्पष्ट मौसमी पैटर्न का भी खुलासा हुआ है। दिवाली के बाद के दावों में त्योहार से पहले के स्तर की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इस दौरान भारत में वायु गुणवत्ता सूचकांक के स्तर में आई तेज वृद्धि को दर्शाता है। अक्तूबर के अंत और दिसंबर की शुरुआत के बीच, देश के कई हिस्सों में प्रदूषण का स्तर पराली जलाने, आतिशबाजी और सर्दियों की स्थिर हवा के कारण मध्यम से गंभीर तक पहुंच जाता है। अकेले सितंबर 2025 में, अस्पताल में भर्ती होने के सभी दावों में से 9 प्रतिशत वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों से जुड़े थे,

वायु प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल में बदल गया है

रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे वायु प्रदूषण एक पर्यावरणीय संकट से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल में बदल गया है। इसमें पाया गया है कि प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों में वृद्धि ने इलाज की लागत में भी 11 प्रतिशत की वृद्धि की है। वायु प्रदूषण से जुड़ा औसत स्वास्थ्य बीमा दावा 55,000 रुपये था। वहीं औसत अस्पताल खर्च 19,000 रुपये प्रतिदिन था। रिपोर्ट में

भारत व्यापार सौदों में किसानों, डेयरी, श्रमिकों के हितों से नहीं करेगा सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत अपने मत्स्य क्षेत्र के लिए रूस जैसे नए बाजारों की तलाश कर रहा है। यह क्षेत्र अमेरिका की ओर लगाई गई भारी टैरिफ के कारण समस्याओं से जूझ रहा है। गोयल ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौते पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने क्या कहा, आइए जानते हैं। भारत व्यापार सौदों में किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौते के लिए हो रही बातचीत के बीच वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इसका दो टूक एलान किया। गोयल ने कहा कि भारत अपने मत्स्य क्षेत्र के लिए रूस जैसे नए बाजारों की तलाश कर रहा है। यह क्षेत्र अमेरिका की ओर लगाई गई भारी टैरिफ के कारण समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका एक अच्छे प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। नई दिल्ली में उद्योग समागम 2025 में पीयूष गोयल ने कहा, 'हम एक अच्छे व्यापार समझौते के लिए काम कर रहे हैं। भारत किसानों, डेयरी और श्रमिकों के हितों के साथ समझौता नहीं करने जा रहा है... हम एक निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं।' यह सम्मेलन राज्यों के उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों का सम्मेलन है। गोयल ने कहा, 'हम (अमेरिका के साथ) एक निष्पक्ष और संतुलित व्यापार समझौता चाहते हैं। ऐसा किसी भी दिन हो सकता है, यह कल हो सकता है, यह अगले महीने हो सकता है, यह अगले साल हो सकता है... लेकिन एक सरकार के रूप में, हम हर चीज के लिए तैयारी कर रहे हैं।' अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। दूसरी तरफ, सरकार के एक बड़े अधिकारी ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है।

2025 में टैफे ट्रैक्टर्स ईवी ने ट्रैक्टर ऑफ द ईयर सस्टेनेबल श्रेणी के टॉप 5 फाइनलिस्टों में जगह बनाई

मुंबई, एजेंसी। एग्रीटेक्निका 2025 में, टैफे - ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड - विश्व के एक सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माता ने अपने अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रिक हाइब्रिड ट्रैक्टर - टैफे ईवी75 का अनावरण किया, साथ ही टैफे ईवी28 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर को सस्टेनेबल ट्रैक्टर श्रेणी में ट्रैक्टर ऑफ द ईयर 2026 पुरस्कार के लिए फाइनलिस्ट चुने जाने की एक ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न भी मनाया गया।

ईवी75 के अलावा, टैफे ने अपनी नई विज़न गाइडेंस सिस्टम और नई रेंज भी प्रदर्शित की। इसमें एक नए कैब वाला 100 एचपी का ट्रैक्टर 74 एचपी का ऑर्चर्ड और फ्रूट ट्रैक्टर और कॉम्पैक्ट यूटिलिटी सीरीज़, 65 एचपी का ट्रैक्टर शामिल है, इनमें से

प्रत्येक ट्रैक्टर को यूरोपियाई कृषि के अनुसार विविध प्रकार के परिचालन और आवश्यकताओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है।

आज, टैफे केवल एक ट्रैक्टर निर्माता नहीं, बल्कि संपूर्ण कृषि-समाधान का गंतव्य बन रहा है, जिसका लक्ष्य 100 हॉर्सपावर से कम क्षमता वाले ट्रैक्टर खंड में वैश्विक अग्रणी बनकर उभरना है। कंपनी वैश्विक बाजारों में किसानों को सशक्त बनाने के लिए परिशुद्ध कृषि प्रौद्योगिकी, स्वचालन और वैकल्पिक ऊर्जा प्लेटफार्मों में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है। टैफे की वाइस चेयरमैन डॉ. लक्ष्मी वेणु ने कहा, टैफे ने पिछले 65 से अधिक वर्षों से दुनिया भर के ग्राहकों का विश्वास अर्जित करते हुए इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, विश्वसनीयता और गुणवत्ता के क्षेत्र में अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है। यह कंपनी दुनिया का एक अग्रणी ट्रैक्टर निर्माता होने के नाते 80 देशों में परिचालन करने के साथ-साथ हम दुनिया के साथ, दुनिया के लिए, दुनिया भर के किसानों के लिए उन्नत और विश्वसनीय समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता एवं नवाचार करना जारी रखते हैं। टैफे की चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, मल्लिका श्रीनिवासन ने टैफे की वैश्विक रणनीति पर बल देते हुए कहा, टैफे 100 एचपी से कम क्षमता वाले ट्रैक्टरों के खंड में एक वैश्विक अग्रणी बनने की आकांक्षा रखता है, जो दुनिया में सबसे बड़ी उत्पादन क्षमता वाली श्रेणी है। टैफे हमारे 'कल्टिवेटिंग द वर्ल्ड' विजन के अनुरूप दुनिया भर के किसानों को स्मार्ट, सुलभ और संधारणीय मशीनीकरण समाधान प्रदान करने के माध्यम से विश्व भर में अपनी मजबूत जड़ें जमाने की चाह रखता है। टैफे ने परिशुद्ध कृषि प्रौद्योगिकी, स्मार्ट खेती, स्वचालन, विद्युतीकरण और वैकल्पिक ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में कई बड़े निवेश किए हैं, साथ ही फ्यूचर-रेडी उत्पादों और उत्कृष्ट कृषि समाधान विकसित करने के लिए कई स्टार्ट-अप्स और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग भी कर रहा है।

चढ़ रहा है चुनावी सर्वे का बाजार, चुनावी नतीजों के लिए एक्जिट पोल पर फोकस

कातिलाल मांडोत

बिहार में चुनाव का प्रचार और पार्टी क्रियान्वयन पिछले छह महीनों से लगातार चल रहा था। हाल ही सम्पन्न बिहार चुनाव के दौरान एक्जिट पोल पर नजर है।क्योंकि एजेंसी को छोड़कर सटीक सर्वेक्षण देना मुश्किल है।दरअसल, बाजार सर्वेक्षण के बड़ा हिस्सा है।जिसके तहत कम्पनिया कोई उत्पाद बाजार में उतारने या अपने किसी निजी कम्पनियों को फायदा है।राजनैतिक सर्वेक्षण के जरिये मोटा हिस्सा ले लेती है।

वोटरों का मिजाज भांपने के लिए 1980 के दशक के अंत में भारत मे पहली बार ओपिनियन पोल किया गया था। तब से अब तक चुनाव खत्म होते ही नेता,बुद्धिजीवी और जनता जनार्दन को एक ही दिलचस्पी रहती है कि आखिर जीत किसकी ?कौन बनाएगा सरकार और किस दल का बनेगा मुख्यमंत्री ?11 नवम्बर को बिहार के चुनाव पूर्ण हो गए है।14 नवम्बर को नतीजे आएंगे लेकिन आज ही लोगो के मन मे कुतूहल पैदा हो गया है कि बिहार में सरकार किसकी बनेगी? नीतीश या महागठबंधन की।चुनावी सर्वेक्षण और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जन्म एकसाथ हुआ है।चुनावी सर्वे की लोकप्रियता उतनी ही है,जब तक सटीक जानकारी उपलब्ध हो क्योंकि गलत नतीजे दर्शाए जाने वाले मीडिया घरानों को जनता विस्मृत कर देती है।आज कई सर्वे मीडिया घराने पर जनता भरोसा करती है।पिछले चार दशकों से ज्यादा समय से हर चुनाव के समय का अपरिहार्य बना दिया है।आज 11 नवम्बर को एकटकी लोग टीवी चैनल पर सर्वे के लिए इंतजार कर रहे है।बिना इन सर्वेक्षणों के अभाव में भारत मे चुनावो की कल्पना भी नही की जा सकती है।हालांकि कुछ समाचार चैनल तो साल में कई बार ऐसे सर्वेक्षण करवाते है और इसके जरिये सरकारों की लोकप्रियता को प्रभावित करने वाले मुद्दो की पड़ताल करते रहते है।ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि आखिर भारत मे इन सर्वेक्षणों का अर्थशास्त्र क्या है?आखिरी इन सर्वेक्षणों को करवाने से किसका भला होता है और यदि कोई संगठन पैसे देकर ऐसे सर्वेक्षण करवाता है तो उसका कोई निजी स्वार्थ भी इसमें जुड़ा होता है।

बिहार में चुनाव का प्रचार और पार्टी क्रियान्वयन पिछले छह महीनों से लगातार चल रहा था। हाल ही सम्पन्न बिहार चुनाव के दौरान एक्जिट पोल पर नजर है।क्योंकि एजेंसी को छोड़कर सटीक सर्वेक्षण देना मुश्किल है।दरअसल, बाजार सर्वेक्षण के बड़ा हिस्सा है।जिसके तहत कम्पनिया कोई उत्पाद बाजार में उतारने या अपने किसी निजी कम्पनियो को फायदा है।राजनैतिक सर्वेक्षण के जरिये मोटा हिस्सा ले लेती है।हालांकि यह देश की तेज गति से तरक्की करने वाले सेक्टर में से एक है।देश मे दो सौ से ज्यादा सर्वेक्षण कम्पनियां है जिनकी पूरे देश मे पहुंच है क्योंकि अलग अलग शहरों में छोटे स्तर पर काम करती है।लेनदेन या पैसे के मामले में कोई विशेष कायदे नही है।फिर भी कम्पनिया इसलिए चुनावी सर्वे करवाती है कि इन्हें मुफ्त का प्रचार मिल जाता है।यदि किसी चैनल और मीडिया घराने ने ऐसी किसी एजेंसी को पैसे देकर सर्वे कराया तब तो लागत निकलने के साथ साथ कुछ फायदा भी हो जाता है।आज के दौर में चुनाव के पहले मिलने वाले सर्वे के इनपुट से कई दिनों तक पार्टी नेताओं की खुमारी बरकरार रहती है।नींद अच्छी आती है,जबकि विपरीत परिणाम वाले दलों और पार्टी नेताओं के चेहरे मुरझा जाते है।पिछले कई चुनाव में हम देख रहे है कि अलग अलग एजेंसियों के एक्जिट पोल के नतीजे अलग अलग आते है।इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि सर्वे का काम सीटों की संख्या बताना नही है।यदि हम वोट शेयर की स्थिति देखेंगे तो पाएंगे कि प्रतिष्ठित कम्पनियो के सर्वे में पार्टियों को मिलने वाले वोट को अनुमान कमोबेश एक जैसा ही होता है।मगर इन वोटो को सीट में बदलने का फार्मूला अलग अलग अपनाने के कारण उनके सीटों के अनुमान में भारी अंतर हो जाता है।

भारत मे यह हाल है कि वोट शेयर के बावजूद सीटे ज्यादा आती है और ज्यादा सीटे वाली पार्टी विजय घोषित की जाती है।आज के समय में त्वरित परिणाम की चाह में राजनीतिक दल हर सीमा लांघने के लिए तैयार रहते है।आज सभी की नजरें बिहार चुनाव पर होगी।भारत मे ओपीनियन पोल का पूरा फोकस सिर्फ इस बात पर रहता है कि किसी राजनैतिक दल को कितनी सीटें आएगी।क्योंकि वोट शेयर से सरकार की हार जीत निश्चित नही की जाती है।लेकिन सर्वे का काम सीट बताना है।इनके द्वारा सटीक जानकारी तो नही मिलती है लेकिन हार जीत के समीप जरूर पहुंचा दी जाती है।सर्वे के लिए चुनाव के दौरान हर पत्रकार उस वोटर से मिलकर किस दल को वोट किया है।उसको जानने की जिज्ञासा रहती है और वही आधार सर्वे का हिस्सा बन जाता है।

भारत में मीडिया ने इसे सीटों की संख्या तक सीमित कर दिया है। रमेश कोठारी कहते है कि सर्वे के बाद मीडिया की खबरों को देखने से यह साफ हो जाता है कि सीट की संख्या के अलावा और कोई डाटा प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जाता क्योंकि मीडिया के दिग्गज मानते है कि ज्यादा डाटा से दर्शक या पाठक बोर हो जाते हैं। इस सोच ने इन सर्वेक्षणों को मजाक बना दिया है।

कई वर्ष पहले देश में सर्वे एजेंसियों पर किए गए स्टिंग ऑपरेशन से यह खुलासा हुआ है कि दरअसल पैसे देकर सीटों के इस खेल को कोई भी अपनी ओर मोड़ सकता है। इस स्टिंग के अनुसार अधिकांश छोटी एजेंसियां पैसे लेकर रॉ डाटा में बदलाव से लेकर अंतिम निष्कर्ष तक में बदलाव करने के लिए तैयार हो गई थी। ऐसे में माना जाता है कि भारत में चुनावी सर्वे सिर्फ मीडिया हलचल भर बनकर रह गए हैं। अक्सर देखा गया है कि न तो राजनीतिक दल उन्हें गंभीरता से लेते हैं और न ही आम जनता उसके आधार पर कोई राय कायम करती है।

हाल के समय में इन सर्वेक्षणों पर भरोसा कम हुआ है। राजूसिंह कहते हैं कि चुनावी सर्वे या फिर चुनाव बाद एक्जिट पोल की पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक पद्धति से होती है। मगर दिक्कत तब आती है जब उसमें निजी हित समाहित हो जाता है। ऐसे में सर्वेक्षण की पवित्रता प्रभावित होती है और इससे सही निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते। राजू कहते हैं कि इसी वजह से भारत में चुनावी सर्वेक्षणों के नतीजों में एकरूपता नहीं होती और इसी के कारण वे असली परिणामों से मेल भी नहीं खाते। किए जाने वाले चुनावी सर्वेक्षणों को मीडिया के जरिए लोगों के सामने पेश करने में उनका चेहरा ही एजेंसी की तरफ से सामने रखा जाता था। उसी के जरिए उन्हें आम जनता में बेहद लोकप्रियता भी मिली।

वैसे पिछले करीब 80 फीसदी चुनावों में सीटों का 95 फीसदी तक सही आकलन करने वाली एजेंसी कई है। ये चुनावी सर्वेक्षणों के लिए मार्केट रिसर्च एजेंसियों के अंतरराष्ट्रीय एसोसिएशन द्वारा तय गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करते हैं। हालांकि कई उन एजेंसी पर आरोप लगाते हैं कि वे सर्वे के हर स्तर पर कड़ी गोपनीयता बरतते हैं और कभी भी सवाल उठने के बावजूद अपने रॉ डाटा को सार्वजनिक नहीं करते। हालांकि ग्राहकों की निजता को मुख्य वजह बताते हैं।

आज अगर देश में सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता खतरे में आ गई है तोउसके लिए पारदर्शिता का अभाव बड़ी वजह है। वैसे ओपिनियन पोल का एक दूसरा पहलू भी है। भले ही चैनलों पर दिखाए जाने वाले इन सर्वेक्षणों पर राजनीतिक दल भरोसा नहीं करते हों मगर अधिकांश दल राज्यो की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक्जिट पोल की मदद लेते है।यह साफ है कि ओपिनियन पोल भले ही विश्वसनीयता खो रहे हों मगर उनका धंधा खत्म नहीं होने वाला। आने वाले समय में हमें और अधिक सर्वेक्षण देखने को मिलेंगे।

संपादकीय

सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति

भारत में सेवा क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका है, लेकिन इसके भीतर अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। नीति आयोग ने समस्या पर रोशनी डाली है, लेकिन ठोस समाधान सुझाने में विफल रहा है। समस्या है सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति। आयोग ने कहा है- भारतीय आर्थिक ढांचे में सेवा क्षेत्र केंद्रीय स्थल पर है, लेकिन इसके भीतर अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा बेहद बड़ा है, जहां अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था में योगदान 55 फीसदी से अधिक है, मगर वह कुल रोजगार में इसका हिस्सा एक तिहाई ही है- और उसमें भी ज्यादातर कम वेतन वाली और अनौपचारिक नौकरियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 के अंत तक सेवा क्षेत्र में 18 करोड़ 80 लाख लोगों को काम मिला हुआ था। मगर रोजगार का यह क्षेत्र दोहरे ढांचागत विभाजन का शिकार है। एक तरफ सूचना तकनीक, वित्त, स्वास्थ्य, और पेशेवर सेवाओं में उच्चस्तरीय रोजगार हैं, तो दूसरी ओर अनौपचारिक क्षेत्र है जिसके भीतर 55.7 प्रतिशत कर्मी स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं। बिना सामाजिक सुरक्षा वाले वेतनभोगी कर्मियों की संख्या 29 फीसदी है। 9.2 प्रतिशत लोग घरेलू कामकाज में सहायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि 6.2 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर हैं। स्पष्ट है, सेवा क्षेत्र ज्यादातर कर्मियों को किसी तरह जीने का सहारा भर दे रहा है। लेकिन उससे ऐसे उपभोक्ता तैयार नहीं हो सकते, जो बाजार का विस्तार करें। तो आयोग ने कहा है कि सेवा क्षेत्र के लिए नए नीतिगत नजरिए की जरूरत है, जिसका मकसद इस क्षेत्र को औपचारिक रूप देना हो। मगर ऐसा कह भर देने से तो नहीं होगा! महिलाओं और युवाओं में कौशल विकसित करने, डिजिटल एवं ग्रीन अर्थव्यवस्था की तकनीक में निवेश करते हुए उसके लिए कर्मी तैयार करने, और संतुलित क्षेत्रीय विकास की नीतियां लागू करने जैसे नीति आयोग के सुझाव गौरतलब हैं। मगर मुद्दा यह है कि ये काम कौन करेगा? क्या सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र पर डालने के लिए वैधानिक उपायों पर सख्ती से अमल के लिए सरकार तैयार है? क्या इसके लिए सरकार अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप की भूमिका अपनाएगी?

चिंतन-मनन

संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से सब कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुलिकत करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्य को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हालांकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदनशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

विश्व दयालुता दिवसः दया के रंग से जीवन की कहानी को दें नया साज

दिलीप कुमार पाठक

दया देने की आदत है, दूसरों का बोझ हल्का करने की इच्छा, या बस एक मददगार हाथ या रोने के लिए कंधा देने की इच्छा। यह हमें मानवीय बनाती है। यह हमें आध्यात्मिक रूप से ऊपर उठाती है। और यह हमारे लिए अच्छा है। -मदर टेरेसा

साल भर में कई जागरूकता दिवस, सप्ताह और महीने होते हैं, लेकिन इस नवंबर में मेरे लिए सबसे खास है, क्योंकि 13 नवंबर को विश्व दयालुता दिवस मनाया जाता है, इस अंतरराष्ट्रीय उत्सव का लक्ष्य सरल है। जिसमें ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करना है जहां हम सभी के लिए दयावान बनें। दयालुता को अपवाद के बजाय मानक बनाना, इस उत्सव में अक्सर दयालुता के कुछ अनोखे कार्य करने के लिए समय निकालना, उसे आगे बढ़ाने के नए तरीके खोजना और व्यक्तियों को उन कार्यों से जोड़ना होता है जिनके लिए उनकी उदारता की आवश्यकता होती है। विश्व दयालुता दिवस एक ऐसा समय है, जब हम रुककर याद करते हैं कि दयालुता व्यक्तियों और समुदायों के जीवन को समान रूप से स्वस्थ और रूपांतरित कर सकती है। जैसा कि कहा जाता है, ऐसी दुनिया में जहां आप कुछ भी हो सकते हैं, दयालु बनें।

विश्व दयालुता दिवस की शुरुआत साल 1998 में वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट संगठन द्वारा की गई थी, जिसकी स्थापना 1997 के टोक्यो सम्मेलन में दुनिया भर के दयालु संगठनों द्वारा की गई थी। यह कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में मनाया जाता है। 2009 में, सिंगापुर ने पहली बार यह दिन मनाया इटली और भारत ने भी यह दिन मनाया। ब्रिटेन में विश्व दयालुता दिवस की सह-स्थापना 2010 में हुई, जब दया-संगठन के संस्थापक डेविड जेमिली ने माइकल लॉयड-व्हाइट के अनुरोध पर इस पहल को आगे बढ़ाया। माइकल ने न्यू साउथ वेल्स फेडरेशन ऑफ पैरेंट्स एंड सिटिजन्स एसोसिएशन को पत्र लिखकर एनएसडब्ल्यू शिक्षा मंत्री से इस दिन को स्कूल कैलेंडर में शामिल करने को कहा। इस सहयोग से ब्रिटेन में दया दिवस को आधिकारिक मान्यता मिली और हर साल 13नवंबर को मनाया जाने लगा। साथ ही यूनेस्को की एक संस्था, यूनेस्को- एमजीआईईपी, विश्व दयालुता दिवस को बढ़ावा देने में सक्रिय रही है, खासकर युवाओं को सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा के माध्यम से दयालुता और सहानुभूति के लिए प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करके काम कर रही है।

इस दिन, प्रतिभागी, व्यक्तिगत रूप से या संगठनों के रूप में, अच्छे कार्यों का जश्न मनाकर, उन्हें बढ़ावा देकर और दयालुता के कार्यों का संकल्प लेकर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने का प्रयास करते हैं। दुर्भाग्य से, हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति कलंक, हिंसा और ढेर सारे दुखों से ग्रस्त है। विश्व दयालुता दिवस वर्ष में एक ऐसा दिन है जब व्यक्ति दयालुता का अभ्यास करने और दूसरों के लिए अच्छे कार्यों का प्रसार करने के लिए अपनी क्षमता से आगे बढ़ सकते हैं। अपने शब्दों और व्यवहार के माध्यम से जानबूझकर दयालुता का अभ्यास करना आपकी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन सकता है। हमें अपने आचरण से अपनी अगली पीढ़ी को दयालु बनने की शिक्षा देनी चाहिए।

शोध से पता चला है कि दयालुता मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक, दोनों स्तरों पर खुशी और संतुष्टि से गहराई से जुड़ी हुई है। दयालुता कृतज्ञता, करुणा, सहानुभूति और आपसी जुड़ाव को बढ़ावा देती है। दूसरों के प्रति दयालु होने से, दूसरों को भी दयालुता का बदला चुकाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। दयालुता का अभ्यास करने से दोस्ती और रिश्ते भी मजबूत होते हैं, और आपके अपने सौभाग्य के प्रति जागरूकता बढ़ सकती है। शोधकर्ता बारबरा फ्रेडरिकसन के अनुसार, दयालुता तनाव को कम करने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और क्रोध, चिंता व अवसाद जैसी नकारात्मक भावनाओं को कम करने में भी मदद करती है।

दयालुता का मतलब यह नहीं है कि आपको पैसे खर्च करने पड़ें या मदद के लिए अपनी सीमा से बाहर जाना पड़े। दयालुता उन छोटे-छोटे कामों से भी हो सकती है जिनसे आप बिना समय निकाले दूसरों का बोझ हल्का कर सकें। ट्रैफ़िक में किसी को अपने आगे आने की अनुमति देना। बस, ट्रेन आदि पर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों के लिए जगह छोड़ना, पड़ोसी से बात करने के लिए समय निकालना। अजनबियों और पड़ोसियों दोनों को नमस्ते कहना "कृपया" और "धन्यवाद" कहना। आसपास कूड़ा न फैलाना। किसी के लिए दरवाजा खुला रखना। किसी मित्र या अजनबी की अच्छी आदतों की प्रशंसा करना। अनावश्यक कपड़े और घरेलू सामान मुस्कुराते हुए दान करना। अपनी किराने का सामान खुद पैक करना। अपने समुदाय में किसी पशु आश्रय, नर्सिंग होम या इसी तरह के संगठन में स्वयंसेवा करें। किसी स्थानीय चैरिटी को दान देकर खुद एवं और लोगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, इस खास दिन हम संकल्प लें कि इस दुनिया को हम और भी सुन्दर, दयावान एवं करुणामयी बनाएंगे। (लेखक पत्रकार हैं)

धरती आवा भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर देश करता है नमन

हरे राम पंडित

झारखंड राज्य अपना पच्चीसवां स्थापना दिवस 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के जन्म जयंती के दिन हर्षोल्लास से मना रहा है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस इस लिए भी हो गया है कि धरती आवा बिरसा मुंडा का जीवन भी मात्र पच्चीस वर्ष का ही रहा है। 2025 भगवान बिरसा मुंडा का 150 वां जन्म वर्ष है, इस लिए भी यह 15 नवंबर देश व झारखंड के लिए विशेष महत्वपूर्ण है।

बिरसा मुंडा एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19 वीं शताब्दी के अन्त में बंगाल प्रेसिडेंसी (अब झारखंड) में हुए एक आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आन्दोलन का नेतृत्व किया, जिससे वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। भारत के आदिवासी उन्हें भगवान मानते हैं और वे धरती आवा के नाम से जाने जाते हैं।

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम सुगना पुर्ती (मुंडा) और माता का नाम करमी पुर्ती (मुंडा) था।सालगा गांव में प्रारंभिक शिक्षा के बाद चाईबासा, गोस्नर इवेंजेलिकल लुथरन चर्च स्कूल में पढ़ाई करने चले गए।

19वीं शताब्दी के अन्त में अंग्रेजो ने कुटिल नीति अपना कर आदिवासियों को जल,जमीन और जंगल व प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करना शुरू कर दिया। आदिवासी विद्रोह करते थे लेकिन संख्या बल और आधुनिक हथियारों की कमी की वजह से विद्रोह को अंग्रेजों द्वारा दबा दिया जाता था। इसे देख बिरसा मुंडा विचलित हो गये एवं अंग्रेजों की जमींदारी प्रथा एवं राजस्व व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई के साथ साथ जमीन और जंगल की लड़ाई छेड़ दी। यह आदिवासी अस्मिता, स्वायत्तता, और संस्कृति को बचाने के लिए संग्राम था। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को संगठित करते हुए अंग्रेजों के खिलाफ छेड़ दिया महाविद्रोह 'उलगुलान'।

आदिवासियों के पुनरुत्थान के जनक माने जाते हैं बिरसा मुंडा।

आदिवासियों की गरीबी का फायदा उठाकर कर इन्हें अंग्रेजी मिशनरियां ईसाईयत का पाठ पढ़ाते थे और धर्मांतरण भी करवाते थे। 20 वर्ष के होते होते बिरसा मुंडा वैष्णव धर्म की ओर मुड़ गये और जो आदिवासी किसी महामारी को दैवीय प्रकोप मानते थे उनको महामारी से बचने के उपाय समझाते और लोग बड़े ध्यान से उनको सुनते और उनकी बात मानते थे। आदिवासियों को धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने को कहते एवं मिशनरियों के कुचक्र से बचने को भी कहते। धीरे-धीरे आदिवासी बिरसा मुंडा की बातों पर विश्वास करने लगे और मिशनरियों को नकारने लगे। बिरसा मुंडा आदिवासियों के लिए भगवान हो गये और धरती आवा कहलाने लगे।

भगवान बिरसा मुंडा छोटानागपुर में अंग्रेजों के सबसे बड़े विद्रोही हुए। उन्हें अंग्रेजों ने षड्यंत्र कर 3 मार्च 1900 को पकड़ लिया। बंदीगृह में 9 जून की सुबह सुबह उन्हें उल्टियां होने लगी और कुछ ही क्षण में वे अचेत हो गये। डाक्टर ने उन्हें देखा और मृत घोषित कर दिया।

अंग्रेज जानते थे कि बिरसा मुंडा जेल से निकलने के बाद अंग्रेजों के लिए और घातक सिद्ध हो जाएंगे इस लिए उनके दातुन/पानी में विषैला पदार्थ मिला दिया था।

आज भी बिहार, झारखंड, उड़िसा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल व अन्य राज्यों के आदिवासी भगवान बिरसा मुंडा, धरती आवा की पूजा करते हैं।

इस साल भी 9 जून को भगवान बिरसा मुंडा की पुन्य तिथि पर पूरे देश ने नमन किया।

देश के आदिवासी भगवान बिरसा मुंडा को धरती आवा यानी धरती का पिता मानते हैं।

देश के अनेकों राज्य भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में उनके नाम पर आदिवासियों के कल्याण हेतु अनेकों योजनाएं शुरू कर उसे क्रियान्वित कर रहे हैं।

भारत सरकार द्वारा जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए 'धरती आवा जनभागीदारी अभियान 'एक राष्ट्रव्यापी पहल है। यह अभियान जिसका नाम आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में रखा गया है,का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और जनजातीय क्षेत्रों में योजनाओं को पहुंचाना है, जिसके लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जाता है।

'धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान ' एक सरकारी पहल है जो जनजातीय क्षेत्रों में सभी आवश्यक सेवाएं और लाभ पहुंचाने के लिए है। इसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों का सामाजिक और आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है।

इस अभियान के तहत, विभिन्न मंत्रालयों के समन्वय से 25 योजनाएं लागू की जा रही है।भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में चलाए जाने वाले मुख्य योजनाओं में महाराष्ट्र की भगवान बिरसा मुंडा जुड़ाव योजना (आदिवासी गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ना), मध्यप्रदेश की भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना (स्वरोजगार के लिए ऋण) और झारखंड की 'ग्रामीण कौशल अर्जन हेतु प्रखंड स्तरीय संस्थान (बिरसा)' योजना (कौशल प्रशिक्षण)।?

अन्य सरकारी योजनाएं

*भगवान बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजनाः महाराष्ट्र के पालघर जैसे जिलों में आदिवासियों के लिए कृषि से संबंधित योजना।

*पी एम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) पी एम - जनमनः यह एक केंद्रीय योजना है जो जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास के लिए बुनियादी ढांचा,यथा आवास, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा और विद्युतिकरण जैसी कई सुविधाएं प्रदान करती है।

*भगवान बिरसा मुंडा पुरस्कारः सिकल सेल दवाओं के विकास के लिए यह पुरस्कार केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया है।

*जनजातीय गौरव दिवस से जुड़ी परियोजनाएं: बिरसा मुंडा की जयंती पर विभिन्न राज्यों में आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं शुरू की जाती है।

इस वर्ष 150 वीं जन्मजयंती होने के कारण जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाया जा रहा है जो 1 नवंबर से शुरू होकर 15 नवंबर तक चलेगा।इस बीच अनेकों कार्यक्रम जिला स्तर से लेकर राष्ट्र स्तर तक चलाने जाते हैं।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

दुल्हन की तरह सजी अदिति राव हैदरी

- व्हाइट-गोल्डन लहंगे में चांद सी चमकी एक्ट्रेस
- तस्वीरें चुरा लेंगी दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, और इस बार वजह है उनका लेटेस्ट ब्राइडल लुक जिसमें वो किसी अप्सरा से कम नहीं नजर आ रही हैं. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी एक बार फिर अपने रॉयल लुक को लेकर सुर्खियों में हैं. इस बार अदिति ने ऐसा ब्राइडल लुक अपनाया है, जिसे देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं. सोशल मीडिया पर अदिति की ये नई तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें वो किसी परी से कम नहीं लग रहीं. दरअसल, अदिति ने हाल ही में डिजाइनर गौरव गुप्ता के लिए एक फोटोशूट किया है, जिसमें वो दुल्हन की तरह सजी नजर आईं. व्हाइट और गोल्डन कलर के लहंगे में अदिति का अंदाज बेहद रॉयल और ग्रेसफुल दिखा. अदिति के इस लेटेस्ट लहंगा लुक पर किया गया हैवी गोल्डन वर्क और शिमरी टेक्सचर उनके पूरे लुक को शाही बना रहा था. जिस पर से फैंस का नजरें हटाना भी मुश्किल हो गया है.

इस स्टाइल से दुपट्टे को किया ड्रेप

इस खूबसूरत लहंगे के साथ अदिति ने मैचिंग ब्लाउज पहना और उसके ऊपर गोल्डन दुपट्टा डाला, जो उनके ब्राइडल अवतार को और भी निखार रहा है. वहीं ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने फ्लॉस वाला हैवी नेकलेस, झुमके और ग्रीन स्टोन वाली मांगटीका पहनी. ये ज्वेलरी उनके लुक में ट्रेडिशनल खूबसूरती का टच दे रहा है. अदिति ने अपने मेकअप को काफी सटल रखा है. हल्का ब्लो, न्यूड लिप्स और सॉफ्ट स्मोकी आईज के साथ उन्होंने अपने नेचुरल फीचर्स को फ्लॉन्ट किया है. बालों को सिंपल बन में बांधकर उन्होंने अपने इस रॉयल ब्राइडल लुक को पूरा किया. फोटोशूट के दौरान अदिति ने कई शानदार पोज दिए, जिनमें उनकी अदाएं और एक्सप्रेशन ने फैंस का दिल जीत लिया. सोशल मीडिया पर उनके फोटोज पर लोग कमेंट्स कर रहे हैं. कोई उन्हें रॉयल क्वीन कह रहा है तो कोई चांद सी खूबसूरत बता रहा है. अदिति राव हैदरी हमेशा से अपने क्लासी और एलिगेंट फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं. चाहे वेस्टर्न लुक हो या ट्रेडिशनल, वो हर आउटफिट में अपना अलग चार्म लेकर आती हैं. लेकिन इस बार उनके ब्राइडल अवतार ने सबका दिल

'द राजा साब' की शूटिंग पूरी

- प्रभास से जुड़े इस खास दिन पर हुई कंप्लीट; डायरेक्टर ने लिखा स्पेशल मैसेज

फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग पूरी होने पर फिल्म के डायरेक्टर मारुति ने खुशी जाहिर की है। साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म तय समय पर रिलीज होगी।

प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। फिल्म के डायरेक्टर ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उन्हें इस बात की खुशी है कि फिल्म के लीड एक्टर प्रभास से जुड़े खास दिन पर फिल्म 'द राजा साब' पूरी हुई। कौन सा है वो दिन? और कब रिलीज होगी 'द राजा साब' जानिए?

डायरेक्टर मारुति ने शेयर की पोस्ट

एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर डायरेक्टर मारुति ने पोस्ट करते हुए लिखा, '23 साल पहले प्रभास ने सिनेमा में अपना पहला कदम रखा था। आज उसी दिन फिल्म 'द राजा साब' ने अपनी शूटिंग पूरी की है। प्रभास की जनी का हिस्सा बनकर लकी फील कर रहा हूं। मुझे पूरा यकीन है कि हमारी फिल्म एक एनर्जी से भरी होगी।' हम फैंस के प्यार और बेसब्री को समझते हैं। लेकिन वादा करते हैं कि 'द राजा साब' बेस्ट होगी।'

कृष्णा अभिषेक के लिए सुनीता मामी की टिप्पणी पर आरती का रिएक्शन, बोलीं-

मुझे पता था, वो हमें प्यार करती हैं

गोविंदा के भांजे व कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और अभिनेता की पत्नी सुनीता आहूजा के बीच वर्षों मन-मुटाव रहा। हालांकि, वर्षों पुरानी खटास अब दूर हो चुकी है। हाल ही में सुनीता आहूजा ने खुद यह बात कही। इस पर गोविंदा की भांजी व कृष्णा की बहन आरती का रिएक्शन सामने आया है।

सुनीता आहूजा और गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक के बीच कई साल तक बोलचाल बंद रही। एक शो में कृष्णा ने कथित तौर पर गोविंदा को लेकर कोई ऐसी टिप्पणी की थी, जिस पर सुनीता को बुरा लग गया। इसके चलते उनके परिवार और कृष्णा के बीच दूरियां बढ़ गईं। मगर, अब सब ठीक है। सुनीता आहूजा ने हाल ही में स्वीकार किया कि वर्षों पुराना पारिवारिक विवाद अब खत्म हो चुका है। वे कृष्णा अभिषेक से लेकर आरती तक, घर के सभी बच्चों के लिए खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। इस पर एक्ट्रेस आरती सिंह ने खुशी जताई है।

सुनीता आहूजा ने हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में इस बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, सब ठीक है. कृष्णा अभिषेक और आरती मेरे बच्चे की तरह हैं। मैं पुराना सब भूल गई हूं। सुनीता ने कहा कि अब वे नाराज नहीं हैं और सभी के लिए खुशी चाहती हैं। कृष्णा की बहन, आरती सिंह इस बात से खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि फैमिली रिलेशन अब मजबूत हो रहे हैं। यह दिखाता है कि परिवार में गलतफहमियां समय और प्यार से ठीक की जा सकती हैं। आरती सिंह ने बात करते हुए कहा, हां, मैंने वह इंटरव्यू देखा। मैं बहुत खुश हूं। हम हमेशा उनके बच्चे थे और अंदर से मुझे हमेशा पता था कि वह हमसे प्यार करती हैं। इन वर्षों में जो कुछ भी हुआ, आपने मेरी तरफ से कभी कुछ नहीं सुना होगा। मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उन्होंने कृष्णा के बारे में क्या कहा। मैं सच में यह सुनना चाहती थी। उन्होंने बात नहीं की है या कुछ भी नहीं हुआ है, लेकिन मुझे बहुत राहत मिली है कि वह अब उससे नाराज नहीं हैं।

सभी बच्चों को दिया आशीर्वाद

सुनीता ने हाल ही में परिवार के झगड़े के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने नई पीढ़ी को माफ कर दिया। उन्होंने बताया कि कृष्णा, विनय, डॉली और उनके जेठ के बेटे उनके अपने बच्चों जैसे हैं। सुनीता ने कहा, मैं पुरानी सारी बातें भूल गई हूं। अब मैं बस चाहती हूं कि सभी बच्चे हंसें, खेलें और खुश रहें।

अदा शर्मा ने सिखाया 'कद्दू कोर वर्कआउट', बोलीं-

31 दिनों में दिखेगा बदलाव

अभिनेत्री अदा शर्मा न केवल अपने स्वास्थ्य को लेकर अलर्ट रहती हैं बल्कि नए-नए तरीकों से फैंस को वर्कआउट के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अदा शर्मा ने वीडियो शेयर किया, जिसमें नई फिटनेस चुनौती 'कद्दू कोर वर्कआउट 3.0' के बारे में फैंस को जानकारी दी। अदा ने बताया कि इस वर्कआउट से मात्र 31 दिनों में अपना जीवन बदल सकते हैं। पोस्ट में उन्होंने फैंस को कद्दू के साथ 20 रेप्स तक रोजाना इस वर्कआउट को करने की सलाह दी। अदा शर्मा की गिनती उन एक्टर्स में की जाती है, जो फिटनेस को लेकर अलर्ट रहती हैं। उनकी यह तीसरी कोर वर्कआउट सीरीज है, जो विशेष रूप से कोर मसल्स को मजबूत बनाने पर फोकस करती है। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कद्दू कोर वर्कआउट 3.0 इसे 31 दिन 20 रेप्स तक करें और अपना जीवन बदल लें! कौन कौन करेगा कद्दू कोर वर्कआउट 3.0? मुझे टैग करो मैं जवाब दूंगी।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह खुद इस एक्सरसाइज को डेमॉन्स्ट्रेट कर रही हैं। वीडियो में कद्दू (पंपकिन) को प्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले अभिनेत्री ने ब्रेन वर्कआउट से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि एक हाथ से धीमे-धीमे और दूसरे हाथ से झटपट झटपट एक्सरसाइज, अगर ये हो रहा है तो ब्रेन के लिए ये काफी लाभदायी होता है। फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, कोर वर्कआउट बॉडी की स्थिरता बढ़ाने, पोस्चर सुधारने और ओवरऑल स्ट्रेंथ में मदद करता है। अदा शर्मा की पोस्ट पर फैंस कमेंट करते नजर आए। एक फैन ने लिखा, 'न्यू योगा टीचर अनलॉक।' दूसरे ने लिखा, 'वाह, बहुत मजेदार और फनी वर्कआउट है।

घर पर अचानक बेहोश हुए गोविंदा

जुहू के अस्पताल में कराया गया भर्ती

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा अस्पताल में भर्ती हो गए हैं। एक्टर अचानक अपने घर में बेहोश होकर गिर गए थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा को आधी रात अपने घर पर बेहोश हो गए थे, जिसके बाद उन्हें मुंबई स्थित जुहू के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके दोस्त ललित बिंदल ने एक जानकारी दी।

अस्पताल में चल रही जांच

गोविंदा के दोस्त ललित बिंदल ने पीटीआई से बात करते हुए अभिनेता गोविंदा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'शाम को वो घर पर अचानक बेहोश हो गए थे, फिर उन्होंने मुझे फोन किया। मैं उन्हें क्रिटिकेयर अस्पताल ले आया। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी जांच चल रही है।'

सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दी जानकारी

अभिनेता के दोस्त ललित बिंदल ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए भी जानकारी दी। उन्होंने एक नोट साझा करते हुए लिखा, 'मेरे प्रिय दोस्त गोविंदा को बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

शॉर्ट स्कर्ट पहन

टीवी की पार्वती ने शेयर किया प्रेग्नेंसी लुक

टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो देवों के देव... महादेव से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदोरिया ने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज में बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है, जो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. टीवी के पॉपुलर शो देवों के देव... महादेव में पार्वती के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदोरिया इन दिनों प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अपना स्टाइलिश प्रेग्नेंसी लुक फैंस के साथ साझा किया है, जिसमें उनके

बेबी बंप की तस्वीरों ने मचाई सनसनी!

बेबी बंप की फोटोज से बवाल काट दिया है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं. सोनारिका भदोरिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रेग्नेंसी लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की है, जिसमें उनका बेबी बंप साफ-साफ देखा जा सकता है.

शॉर्ट स्कर्ट में दिखाया बेबी बंप

टीवी पर संस्कारी और हमेशा साड़ी में नजर आने वाली सोनारिका भदोरिया रियल लाइफ काफी ग्लैमरस हैं. जिसका सबूत उनकी लेटेस्ट तस्वीरें हैं, जिसमें वह शॉर्ट स्कर्ट पहने बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं.

स्टाइलिश स्टाइल में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

सोनारिका भदोरिया ने इसी साल 14 सितंबर 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज फैंस के साथ शेयर की थी. वहीं अब एक्ट्रेस ने बेबी बंप में कुछ फोटोज शेयर की है, जिसमें उनका स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज साफ झलक रहा है.

सटल मेकअप और बन से लूटा दिल

इन फोटोज में एक्ट्रेस व्हाइट शर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पहने नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने येलो जैकेट भी कैरी किया है. वहीं अगर उनके लुक की बात करें तो, उन्होंने सटल मेकअप और बन के साथ अपने लुक को पूरा किया है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं.

व्हाइट अटायर में बिखेरा जलवा

सोनारिका ने स्कर्ट के बाद ड्रेस वाला स्टाइलिश लुक भी दिखाया. जिसमें वो व्हाइट कलर का शॉर्ट स्लीव्स अटायर पहने नजर आ रही हैं. ड्रेस को शर्ट वाला लुक देने के लिए इस पर राउंड शेप वाले बटन लगाए गए हैं. वहीं, कमर पर बंधी व्हाइट बेल्ट एक्ट्रेस के इस लुक को परफेक्ट बना रही है.

अरशद वारसी ने की आर्यन खान के निर्देशन की तारीफ

बोले- गफूर की सफलता का श्रेय आर्यन को जाता है, वह बहुत खास व्यक्ति हैं

अरशद वारसी हाल ही में आर्यन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आए। इसमें उन्होंने गफूर का किरदार निभाया। एक इंटरव्यू में अरशद ने कहा कि इस भूमिका की सफलता का पूरा श्रेय आर्यन खान को जाता है। बातचीत में अरशद ने कहा, आर्यन खान, जो इस सीरीज के निर्देशक हैं बहुत ही खास व्यक्ति हैं। वे उन निर्देशकों में से हैं जिनके दिमाग में हमेशा एक फिल्म चलती रहती है। मैंने सीरीज में छोटा सा रोल इसलिए किया क्योंकि मुझे आर्यन और शाहरुख पसंद हैं, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा हुआ। उनके साथ काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि आर्यन उन निर्देशकों में से हैं जिनकी बात सुनकर आप सच में उसका पालन करना चाहते हैं। अरशद वारसी ने आगे बताया कि उनके किरदार में जो कुछ भी देखा गया, वह सब आर्यन ने ही लिखा और कल्पना किया था। इस गाने और उनके किरदार गफूर की सफलता पूरी तरह आर्यन के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्यन में निर्देशक बनने की सभी खूबियां हैं। बताते चलें कि सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से आर्यन खान ने डायरेक्टोरियल डेब्यू किया है। सीरीज कई वजहों से विवादों रही। पहला विवाद रणबीर कपूर के बिना डिस्क्लेमर के ई-सिगरेट पीने पर हुआ है। और दूसरा विवाद समीर वानखेड़े की छवि बिगाड़े जाने के आरोपों से है।

के-पॉप स्टार ने 30 दिन में घटाया 10 किलो वजन, स्टेज शो में अचानक हुई बेसुध

कोरियन पॉप स्टार हुना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वे स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेसुध होकर गिरती दिखी हैं। बाद में वजह पता चली कि हुना ने डाइटिंग के जरिए महीनेभर में 10 किलो वजन घटाया। अब चिंतित फैंस उन्हें सलाह दे रहे हैं।

दक्षिण कोरिया की मशहूर पॉप सिंगर हुना एक लाइव स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गईं। यह घटना तब हुई, जब वे वॉटरबॉम्ब 2025 मकाऊ म्यूजिक फेस्टिवल में अपने हिट सॉन्ग 'Bubble Pop' पर परफॉर्म कर रही थीं। गाना गाते-गाते अचानक वे बेसुध होकर गिर पड़ीं। तुरंत सिक्योरिटी स्टाफ और के-पॉप आइकन के डांसर्स ने उन्हें उठाया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हुना ने चुप्पी तोड़ते हुए वजह बताई और फैंस से माफी भी मांगी है।

प्रेग्नेंसी की अफवाह के बाद घटाया वजन

हुना ने खुलासा किया कि हाल ही में उन्होंने महज 30 दिनों के भीतर करीब 10 किलो वजन कम किया। ऐसा उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग के बाद किया। दरअसल, शादी के बाद बढ़ते वजन के बीच उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ने लगीं। इसके बाद उन्होंने तेजी से वजन घटाने का फैसला लिया और डाइटिंग करने लगीं। यह उनकी सेहत पर भारी पड़ गया।

फैंस से मांगी माफी, किया वादा

प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ीं तो हुना ने 03 अक्तूबर को सख्त डाइट प्लान अपनाने की बात कही थी। थोड़ा आराम महसूस करने के बाद हुना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर फैंस से माफी मांगी।

आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा ट्रांसफर : जडेजा लौट सकते हैं राजस्थान रॉयल्स, संजू सैमसन होंगे सीएसके के नए स्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ी ट्रांसफर देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपने करियर की शुरुआत करने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स (RR) में वापसी करने वाले हैं। इस संभावित मेगा डील के तहत राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन CSK का हिस्सा बन सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि जडेजा को RR में कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे यह सौदा IPL इतिहास के सबसे चर्चित ट्रेड में से एक बन जाएगा।

जडेजा की 'घर वापसी' - नेतृत्व के नए अवसर

रिपोर्ट के मुताबिक, 37 वर्षीय रवींद्र जडेजा अपने करियर के अंतिम चरण में कप्तानी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने IPL 2008 में राजस्थान रॉयल्स से ही अपने सफर की शुरुआत की थी और 2008 के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी। जडेजा ने 2012 में CSK जॉइन किया और अगले 13 सीजन में 2198 रन और 143 विकेट झटके, जिससे टीम ने तीन खिताब अपने नाम किए। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन का मानना है कि उनके अनुभव से टीम को स्थिरता और दिशा मिलेगी, खासकर रियान पराग और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ।

क्यों राजस्थान को चाहिए जडेजा जैसा कप्तान

संजू सैमसन के नेतृत्व में राजस्थान ने कुछ अच्छे सीजन जरूर खेले, लेकिन पिछले दो वर्षों में निरंतरता की कमी रही है। अब टीम एक ऐसे कप्तान की तलाश में है जो युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे सके और दबाव के पलों में शांत रह सके और जडेजा इस भूमिका के लिए एकदम उपयुक्त हैं। सूत्रों के मुताबिक, जडेजा को 'लीडरशिप रोल' देने की चर्चा चल रही है ताकि वे ड्रेसिंग रूम में संतुलन और आत्मविश्वास ला सकें।

संजू सैमसन की नई शुरुआत - धोनी के वारिस के रूप में

दूसरी ओर संजू सैमसन का चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होना फैंस के लिए बेहद रोमांचक खबर है। हालांकि MS धोनी अब धीरे-धीरे टीम से पीछे हटने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन CSK फिलहाल रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाए रखेगी। संजू को धोनी के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है, जो टीम में नई ऊर्जा और टॉप ऑर्डर में स्थिरता लाएंगे। सैमसन के पास अब IPL की सबसे सफल फ्रैंचाइजी के साथ खुद को एक लीडर के रूप में साबित करने का मौका होगा।

सैम कुरेन भी होंगे सौदे का हिस्सा

इस डील का एक और बड़ा पहलू यह है कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन भी RR में जा सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह ट्रेड तीन खिलाड़ियों वाला मेगा सौदा बन जाएगा, जडेजा और कुरेन राजस्थान की ओर, जबकि सैमसन चेन्नई की ओर रुख करेंगे। यह ट्रांसफर IPL इतिहास में सबसे जटिल और चर्चित सौदों में गिना जा सकता है।

आधिकारिक ऐलान जल्द - 15 नवंबर तक रिटेंशन सूची

सभी IPL टीमें दिसंबर में होने वाले मिनी ऑक्शन से पहले 15 नवंबर तक अपने रिटेंशन फाइनल करेंगी। उम्मीद है कि इसी अवधि में जडेजा-सैमसन ट्रेड की आधिकारिक घोषणा भी की जाएगी। अगर यह डील पक्की होती है, तो IPL 2026 सीजन की शुरुआत से पहले ही लीग में जबरदस्त उत्साह देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने शैफाली को 1.5 करोड़ रुपए की इनामी राशि का चेक सौंपा

-महिला आयोग ने ब्रांड एंबेसडर बनाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को हरियाणा सरकार ने 1.5 करोड़ रुपए इनाम दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शेफाली को इनामी राशि का चेक सौंपा। इसके साथ ही उन्हें अवॉर्ड और ग्रेड-ए प्रमाणपत्र भी दिया गया। वहीं शैफाली को हरियाणा महिला आयोग ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस अवसर पर शेफाली ने कहा, यह केवल हमारी टीम की जीत नहीं, बल्कि पूरी महिला क्रिकेट की जीत है। हमारी टीम फाइनल में जीती, इसकी खुशी है। मुख्यमंत्री से मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। हरियाणा में सरकार से खिलाड़ियों को काफी समर्थन मिलता है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद काफी आत्मविश्वास का अनुभव कर रही हूं। मैं हरियाणा के खिलाड़ियों से कहना चाहूंगी कि आप अच्छी मेहनत कीजिए। राज्य सरकार हमेशा खिलाड़ियों का सहयोग करती है। वहीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा, शेफाली वर्मा हमारे देश और हमारे राज्य की सुपरस्टार हैं। हम चाहते हैं कि वह 2026 के लिए महिला आयोग की ब्रांड एंबेसडर बनकर युवाओं के लिए हमारे मिशन को बढ़ावा दें। अन्य महिला एथलीट्स के साथ, वह युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से बचने, एक उज्ज्वल भविष्य बनाने और राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगी।

शैफाली को महिला विश्व कप 2025 के लिए भारत की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया था पर सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम में जगह मिली थी। शेफाली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 87 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

मुझे पूरा विश्वास है कि हम यहां इतिहास रच सकते हैं, भारत के खिलाफ सीरीज से पहले बोले शुक्री कॉनराड

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड को उम्मीद है कि केशव महाराज, सेनुरन मुथुस्वामी और साइमन हार्मर की उनकी स्पिन तिकड़ी भारत के अपने अनुभवी प्रतिद्वंद्वियों के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी और उनकी टीम दो मैच की टेस्ट श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने में सफल रहेगी। उन्होंने इस श्रृंखला की तुलना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से की।

पहला टेस्ट मैच शुक्रवार से ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा जबकि गुवाहाटी 22 नवंबर से अपने पहले टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने हाल में पाकिस्तान दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था और वह भारत के खिलाफ भी ऐसा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कॉनराड ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'क्या आपकी टीम में अच्छे स्पिनर होने से पूरे मुकाबले का रोमांच बढ़ जाता है। मेरा जवाब है हां। मुझे लगता है कि इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अतीत में हमारे पास अच्छे स्पिनर नहीं थे, लेकिन हमें निश्चित रूप से लगता है कि अब केशव, साइमन और सेन के रूप में हमारे पास बेहतर स्पिनर हैं। अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो हम महसूस करेंगे कि हमारे पास भारत को चुनौती देने के लिए पर्याप्त मारक क्षमता है। हमें पूरा विश्वास है कि हम ईडन गार्डन्स और भारत में नया इतिहास रच सकते हैं।'

अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 12 टीमें और एकदिवसीय सुपर लीग शुरू करने की सिफारिश

दुबई (एजेंसी)। अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2027-29 चरण में सभी 12 पूर्णकालिक सदस्य एक ही डिवीजन में शामिल करने और एकदिवसीय सुपर लीग फिर से शुरू करने की सिफारिश की गई है। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज की अगुवाई में एक कार्य समूह ने पिछले हफ्ते दुबई में हुई तिमाही बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड और मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) को इस संदर्भ में अपनी सिफारिशें सौंपी।

इस समूह को को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से जुड़े जरूरी मुद्दों पर ध्यान देने का काम सौंपा गया है। कार्य समूह ने अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2027-29) चक्र के लिए सभी 12 पूर्णकालिक सदस्यों की एक स्तरीय प्रणाली लागू करने की सिफारिश की गई। अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और आयरलैंड के अगले चक्र में शामिल होने की संभावना है। इस दौरान सदस्य देशों के साथ द्वि-स्तरीय प्रणाली पर व्यापक चर्चा हुई।

श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों ने द्वि-स्तरीय प्रणाली का विरोध करते हुए कहा कि अगर बड़े देशों के खिलाफ मैच नहीं हुए तो उनके बोर्ड पैसे नहीं कमा पाएंगे। अभी केवल 9 देश विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खेल रहे हैं। बोर्ड के एक निदेशक ने बताया, 'इससे यह सुनिश्चित होता है कि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है। जो लोग वास्तव में इस प्रारूप में खेलना चाहते हैं, उनके पास अब अवसर है और अन्य टीमों के लिए भी उन्हें खेलने का प्रोत्साहन है।' इसके अलावा 2023 में रद्द हुई एकदिवसीय सुपर लीग को फिर से शुरू की सिफारिश की गई। 13 टीमों की यह लीग जुलाई 2020 में ही शुरू हुई थी। कार्य समूह के प्रस्ताव में यह नहीं बताया गया है कि 2028 में फिर शुरू होने वाली लीग में कितनी टीमें हिस्सा लेंगी। ऐसा माना जा रहा है कि 50 ओवरों के विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाने पर कोई जोर नहीं दिया जा रहा है। 2027 में यह प्रतियोगिता 14 टीमों की होगी, जबकि पिछले दो संस्करणों में यह केवल दस टीमों तक सीमित थी।

टी20 विश्व कप में भी 20 टीमें ही होंगी, हालांकि कुछ प्रशासक धीरे-धीरे इसमें चार टीमें बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं, जिसका लक्ष्य अंततः 32 टीमों तक पहुंचना है। एसोसिएट सदस्यों ने टी-20 विश्व कप क्वालीफाइंग प्रारूप में बदलाव का प्रस्ताव भी रखा है। फिलहाल कुछ टीमों की एंट्री रैंकिंग के आधार पर होती है, इसे बदलकर सभी टीमों को क्वालिफायर राउंड में शामिल करना चाहिए। इन सब के बावजूद आईसीसी ने टी-10 को क्रिकेट को आधिकारिक प्रारूप नहीं माना। बोर्ड अगले साल की शुरुआत में होने वाली आईसीसी की अगली बैठकों में इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

लक्ष्य सेन कुमामोतो मास्टर्स में जीते, कोकी वतानबे को सीधे सेटों में हराया

कुमामोतो (जापान)। भारत के लक्ष्य सेन ने बुधवार को यहां कोकी वतानबे को सीधे गेम में हराकर कुमामोतो मास्टर्स जापान बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाई। सातवें वरीय लक्ष्य ने जापान के दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी सिर्फ 39 मिनट में 21-12 21-16 से हराया। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य अगले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन और कनाडा के विक्टर लेई के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। भारत के किरण जॉर्ज को हालांकि मलेशिया के जिम हौंग कोक के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 20-22 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गद्दे की मिश्रित युगल जोड़ी ने प्रेस्ले स्मिथ और जेनी गेई की अमेरिका की जोड़ी को कड़ी चुनौती पेश की लेकिन इसके बावजूद भारतीय जोड़ी को तीन गेम में 12-21 21-19 20-22 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत-दक्षिण अफीका सीरीज में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है रोहित के नाम

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में दोनों ही टीमों की नजरें जीत दर्ज करने पर रहेंगी। अभी तक के रिकार्ड को देखें तो दोनों के बीच कुल 44 मैच खेले गए हैं जिसमें अब तक सबसे अधिक 500 रनों का रिकार्ड रोहित शर्मा का है, अब देखना है कि इस सीरीज में कौन रोहित के रिकार्ड को तोड़ पाता है। रोहित ने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू सीरीज में ये रिकार्ड बनाया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 के औसत से 529 रन बनाए थे। इस सीरीज में रोहित ने चार पारियों में 3 शतक लगाए थे। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। जिसमें रोहित ने पहली पारी में 244 गेंदों पर 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें रोहित ने 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली 254 और मयंक अग्रवाल 108 की शानदार पारियों से भारतीय टीम ने ये मुकाबला जीता था सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए थे। इस मैच को भारतीय टीम ने पारी और 202 रन से जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है अब देखना है कि कौन सा खिलाड़ी सबसे अधिक रनों का उनका रिकार्ड तोड़ पाता है।

इस्लामाबाद में आत्मघाती बम विस्फोट, बढ़ाई गई श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद इस देश के दौरे पर आई श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम के अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन दिया। नकवी पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष रूप से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर एक बार फिर आरोप लगाया है कि उसने अपनी जमीन का इस्तेमाल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) को पाकिस्तान में आतंकवादी हमले करने के लिए करने दिया। मंगलवार को इस्लामाबाद में एक न्यायिक परिसर के बाहर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया, जिसमें 12 लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

इस बीच उत्तरी पाकिस्तान के वाना क्षेत्र में वाना कैडेट कॉलेज पर आतंकवादी हमले को सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया और लगभग 300 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अता तरार ने कहा कि यदि सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई नहीं की होती तो पाकिस्तान 2018 में पेशावर स्कूल हमले जैसी बड़ी घटना का गवाह बन सकता था। तीन वर्ष पहले न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला रद्द कर रही थी।

न्यूजीलैंड की टीम तब संभावित आतंकवादी हमले की विश्वसनीय खुफिया सूचना मिलने के बाद बिना कोई मैच खेले ही स्वदेश लौट गई थी। सूत्र ने कहा, 'यही कारण है कि मोहसिन नकवी व्यक्तिगत रूप से स्टेडियम गए और मेहमान टीम के सदस्यों से मिले तथा उन्हें सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया।'

मार्च 2009 में TTP आतंकवादियों ने गद्दाफी स्टेडियम के पास श्रीलंकाई टीम की बस पर हमला किया था, जिसके कारण लगभग 10 वर्षों तक पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच आयोजित नहीं किए गए क्योंकि विदेशी टीमों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण देश का दौरा करने से इनकार कर दिया था।

सूत्र ने कहा, 'श्रीलंका की टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पाकिस्तानी सेना तथा अर्धसैनिक रेंजर्स को मेहमान खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा पर नजर रखने के लिए तैनात किया गया है।' रावलपिंडी में तीन एकदिवसीय मैच खेलने के बाद श्रीलंका 17 से 29 नवंबर तक टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेगा जिसमें तीसरी टीम जिम्बाब्वे की होगी।

दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बुमराह के खेलने पर संशय, अभ्यास सत्र बीच में ही छोड़कर ड्रेसिंग लौटे थे

कोलकाता। भारतीय टीम को यहां ईडन गार्डन में गुरुवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरना पड़ सकता है। इसका कारण है कि बुमराह साल 2025 की शुरुआत में लगी चोट से अब तक नहीं उबरे हैं और इसी कारण वह अभ्यास सत्र भी बीच में ही छोड़कर चले गये थे। ऐसे में उनकी फिटनेस पर संशय बना हुआ है। अभ्यास सत्र में, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ी शामिल हुए। वहीं अभ्यास सत्र के दौरान बुमराह के घुटने पर पट्टी बंधी दिखी। बुमराह ने धीमी शुरुआत की और आधे घंटे तक अभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने छोटा रन-अप किया और ड्रेसिंग रूम लौट गए। वहीं अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही सहयोगी स्टाफ में शामिल सीतांशु कोटक और मोर्ने मोर्कल भी थे। पहले टेस्ट में भारतीय टीम तीसरे नंबर पर किसे उतारती है ये देखना होगा। इस नंबर के लिए साई सुदर्शन के साथ ही ध्रुव जुरेल भी कतार में हैं। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और सुदर्शन ने नेट पर लंबे समय से अभ्यास किया। जिससे अंदाजा होता है कि उन्हें शामिल किया जा सकता है।

ईडन गार्डन्स की पिच से असंतुष्ट नजर आये शुभमन, क्यूरेटर से की बात

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले ईडन गार्डन की पिच से संतुष्ट नजर नहीं आये। शुभमन ने यहां टीम के कुछ खिलाड़ियों के साथ अभ्यास सत्र में भाग लिया था। इसी दौरान वह पिच की हालत देखकर नाराज हो गये। पिच पर कई दिनों से पानी नहीं पड़ा था। वह सूखी और सख्त थी। शुभमन ने तत्काल ही पिच क्यूरेटर सुजान मुखर्जी को बुलाया और उनसे इस बारे में बात की। बाद में बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) के प्रमुख सौरव गांगुली ने भी क्यूरेटर के साथ पिच को लेकर बात की। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन के अलावा गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भी पिच का निरीक्षण किया और वे संतुष्ट नहीं दिखे। पिच को पिछले एक हफ्ते से बिना पानी दिए छोड़ा गया लग रहा था। बाद में शाम को दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भी अभ्यास किया और उनका जोर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास पर रहा। शाम को ही गांगुली भी मैदान में पहुंचे और उन्होंने खुद पिच को देखा और बाद में क्यूरेटर सुजान से चर्चा की। मुख्य पिच तब भी सूखी हुई थी हालांकि आस-पास में पानी जरूर छिड़कर रखा था। गांगुली पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं भारतीय टीम ने स्पिनरों के लिए सहायक पिच बनाने की कोई अपील नहीं की थी।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप से भारत की ओर से टी20 में डेब्यू करेंगे वैभव

नई दिल्ली। 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 मुकाबले में यूएई के खिलाफ खेलते हुए दिखेंगे। इसी के साथ ही वैभव टी20 में भारतीय टीम की ओर से अपना पहला मैच खेलेंगे। वैभन ने इससे पहले आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। इसके बाद इंग्लैंड में अंडर-19 टीम की ओर से भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब सभी की नजरें 14 नवंबर को होने वाले राइजिंग स्टार टूर्नामेंट के इस मैच पर रहेंगी। इस मैच में वैभव के शानदार प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट को अपना अगला सितारा मिल सकता है। वैभव ने इससे पहले भारत की अंडर 19 टीम के लिए एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं पर वह पहली बार टी20 मुकाबला खेलते हुए दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वैभव भारतीय टीम की नीली जर्सी में खेलते दिखेंगे। वैभव की ताकत उनकी बल्लेबाजी है। मैदान पर उनका जुनून और आत्मविश्वास उन्हें सभी से अलग करता है। वैभव ने अब तक कुल 8 टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 207.03 की शानदार स्ट्राइक रेट से 265 रन बनाए और उनके नाम 1 शतक और 1 अर्धशतक भी शामिल है। इस क्रिकेटर ने बिहार के लिए टी20 डेब्यू पर केवल 13 रन बना पाए थे। वहीं आईपीएल डेब्यू पर 34 रन बनाए थे। अब ये देखना है कि वैभव इंडिया ए के लिए डेब्यू करते समय कितना बड़ा स्कोर कर पाते हैं।

पीटी उषा का बड़ा ऐलान: 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर जल्द फैसला, इतिहास रचने को तैयार भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की घोषणा जल्द ही की जाएगी और 25-26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान इसकी सार्वजनिक घोषणा होने की उम्मीद है। पीटी उषा मंगलवार को साकेत स्थित डीएलएफ एवेन्यू में मौजूद थीं, जहां केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) के लिए क्वींस बैटन का अनावरण किया।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की घोषणा पर बोलते हुए, पीटी उषा ने मीडिया से कहा कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की घोषणा बहुत जल्द की जाएगी और 25-26 नवंबर को इसकी सार्वजनिक घोषणा की जाएगी। ग्लासगो में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) है.. यह हमारे सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छी प्रेरणा होगी। पिछले महीने, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के कार्यकारी बोर्ड ने घोषणा की कि वह अहमदाबाद को कॉमनवेल्थ गेम्स के 2030 शताब्दी संस्करण के मेजबान शहर के रूप में सुझाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स की आधिकारिक वेबसाइट, जो कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की भी आधिकारिक वेबसाइट है, से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अहमदाबाद को अब पूर्ण कॉमनवेल्थ स्पोर्ट सदस्यता के लिए, आगे रखा जाएगा, जिसका अंतिम निर्णय 26 नवंबर 2025 को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट महासभा में लिया जाएगा। यह सिफारिश कॉमनवेल्थ स्पोर्ट मूल्यांकन समिति द्वारा एक कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद की गई है, जिसमें तकनीकी प्रदर्शन, एथलीट अनुभव, बुनियादी ढांचा, शासन और कॉमनवेल्थ मूल्यों के साथ संरेखण सहित कई मानदंडों पर उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन किया गया था।

संगठन के %गेम्स रीसेट% सिद्धांतों के तहत, जो नवाचार और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, अहमदाबाद (भारत) और अबुजा (नाइजीरिया) दोनों ने खेलों की मेजबानी के लिए अपनी तत्परता और दूरदर्शिता को दर्शाते हुए आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत किए। यह सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक क्षण का प्रतिनिधित्व करती है। 2030 के खेल, 1930 में हैमिल्टन, कनाडा में आयोजित उद्घाटन समारोह की शताब्दी का प्रतीक होंगे। ग्लासगो 2026 तेजी से नजदीक आ रहा है और एथलीटों और प्रशंसकों, दोनों के लिए एक %वाह% क्षण लाने का वादा करता है, आज की सिफारिश शताब्दी खेलों और उससे आगे के लिए एक रोमांचक मंच प्रदान करती है, जो दीर्घकालिक स्थिरता और गति प्रदान करती है।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव में नेपाल को भारत से लेनी चाहिए मदद, पूर्व मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने अंतरिम सरकार से किया आग्रह

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने देश की अंतरिम सरकार से आग्रह किया है कि वह आगामी मार्च 2026 के आम चुनाव के लिए भारत और अन्य मित्र देशों से सक्रिय रूप से रसद सहायता प्राप्त करे। वह बोले, मौजूदा चुनौतियों और सीमित संसाधनों को देखते हुए, सरकार को चुनावों के लिए रसद प्रबंधन में सहायता के लिए भारत जैसे पड़ोसी देशों से संपर्क करने में संकोच नहीं करना चाहिए। रिजाल ने कहा, हम अभी आदर्श समय में नहीं हैं, इसलिए आज हमारे पास जो कुछ है, उसे देखते हुए हमें रसद प्रबंधन में अपनी जरूरतों का आकलन बहुत सावधानी से करना होगा। उन्होंने कहा, भारत के साथ हमारी सीमा बहुत आसान, खुली और छिद्रपूर्ण है और सीमा के उत्तरी हिस्से की तुलना में भारत से रसद बहुत आसानी से लाई जा सकती है। इसलिए उनकी मदद, उनकी प्रतिबद्धता बहुत मददगार हो सकती है। नेपाली कांग्रेस के नेता मिनेंद्र रिजाल ने कहा, हमें भारत को यह भरोसा दिलाना होगा कि यह सरकार को फिर से संगठित करने के लिए एक निवेश है। यह निवेश शासन को फिर से संगठित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि चुनाव के बाद आने वाली नई सरकार को जनता का जनादेश मिले। वह बोले, जैसे-जैसे चुनावी तैयारियां तेज हो रही हैं, हमें अंतरराष्ट्रीय साख का इस्तेमाल करना चाहिए।

जमैका के लिए राहत सामग्री ले जा रहा छोटा विमान फ्लोरिडा के पड़ोस में दुर्घटनाग्रस्त, 2 की मौत

किंग्स्टन, एजेंसी। जमैका के लिए तूफान राहत सामग्री ले जा रहा छोटा विमान फ्लोरिडा के पड़ोस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि तूफान राहत मिशन पर जमैका जा रहा एक छोटा टर्बोप्रॉप विमान सोमवार सुबह उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद फोर्ट लॉडरडेल उपनगर कोरल स्प्रिंग्स के एक आवासीय क्षेत्र में एक तालाब में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान किसी भी पीड़ित का पता नहीं चल पाया और उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान अब एक राहत अभियान बन गया है। विमान में कितने लोग सवार थे, यह तुरंत पता नहीं चल पाया है। स्थानीय मीडिया के एरियल टीवी फुटेज में उस तालाब के पास एक घर के पिछवाड़े में टूटी हुई बाड़ दिखाई दे रही है, जहां विमान गिरा था।

अमेरिका ने ड्रग्स ले जा रहे नावों पर हवाई हमला किया, 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने रविवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में दो संदिग्ध नावों पर हवाई हमला किया। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि ये नाव ड्रग्स लेकर जा रहे थे। इसमें 6 लोग मारे गए हैं। यह हमला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ मुहिम का हिस्सा है। हेगसेथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि ट्रम्प के आदेश पर नावों पर हमले हुए। ये नावें आतंकवादी संगठनों से जुड़ी थी और कोकीन तस्करी कर रही थी। ट्रम्प प्रशासन ने सितंबर से अब तक 19 हमले किए हैं, जिसमें कम से कम 75 लोग मारे गए हैं। मुहिम कैरेबियन से शुरू होकर पूर्वी प्रशांत में पहुंच गई है। अमेरिका ने इलाके में नौसेना और एयरक्राफ्ट तैनात किए हैं। ट्रम्प इसे कार्टेल्स के खिलाफ युद्ध बताते रहे हैं, जो अमेरिकी शहरों में ड्रग्स और हिंसा फैलाते हैं।

चीनी राजनयिक ने जापानी प्रधानमंत्री को गर्दन काटने की धमकी दी

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने सोमवार को चीन के एक राजनयिक की ऑनलाइन धमकी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। धमकी में सिर काटने की बात कही गई थी। यह जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के ताइवान पर बयान के बाद आई। चीनी राजनयिक शुए जियान ने शनिवार को एक्स पर कहा था, बिना किसी हिचकिचाहट बेकार गर्दन को एक सेकेंड बगैर काट दूंगा। हालांकि पोस्ट में प्रधानमंत्री का नाम नहीं लिया गया, लेकिन ताकाइची के संसद में दिए बयान का हवाला दिया गया। यह पोस्ट अब हटा दी गई है। शुक्रवार को संसद में ताकाइची ने कहा था कि ताइवान पर हमला होने पर जापान आत्मरक्षा के तहत सेना भेज सकता है। उन्होंने कहा, ताइवान में जंग की स्थिति जापान के लिए खतरा होगी। धमकी के बाद भी सोमवार को संसद में ताकाइची ने अपना बयान वापस लेने से इनकार किया।

अमेरिका-भारत संबंध मजबूत करेंगे सर्जियो गोर; ट्रंप बोले- भारत के साथ रिश्ता सबसे महत्वपूर्ण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वे अपने करीबी सहयोगी सर्जियो गोर को भारत में नया राजदूत नियुक्त कर रहे हैं, ताकि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने इस पद को बड़ा और अहम दायित्व बताते हुए कहा कि गोर अब हमारे देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिश्ते को सशक्त बनाने का काम करेंगे।

व्हाइट हाउस में हुआ शपथ ग्रहण समारोह : उप राष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में आयोजित एक विशेष समारोह में सर्जियो गोर को शपथ दिलाई। इस मौके पर ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट, अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी और कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

भारत के साथ हमारे अहम संबंधों को और मजबूत करेंगे : गोर के शपथ ग्रहण पर उपस्थित सभी लोगों ने तालियों और खुशी के साथ उनका स्वागत किया। ट्रंप ने गोर से हाथ मिलाते हुए कहा मैं सर्जियो पर भरोसा करता हूं कि वह भारत के साथ हमारे देश के सबसे अहम संबंधों को और मजबूत करेंगे। यह वास्तव में एक बड़ा काम है।

जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है यह जिम्मेदारी- सर्जियो गोर : शपथ ग्रहण के बाद सर्जियो गोर ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा मैं अमेरिका और भारत के बीच रिश्तों को और बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन से काम करूंगा। गोर ने ट्रंप को धन्यवाद देते हुए कहा आपके नेतृत्व में जो उपलब्धियां हुई हैं, वे ऐतिहासिक हैं। मैं आपके साथ काम करके गर्व महसूस करता हूं और आगे भी हमेशा आपके साथ रहूंगा।

ट्रंप बोले- भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक : ट्रंप ने भारत की सराहना करते हुए कहा भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और अब यह दुनिया का सबसे बड़ा देश भी है, जिसकी आबादी 1.5 अरब से अधिक है। उन्होंने आगे कहा सर्जियो इस भूमिका में शानदार काम करेंगे। भारत के राजदूत का पद बेहद महत्वपूर्ण है।

ट्रंप के करीबी और भरोसेमंद सहयोगी हैं गोर : सर्जियो गोर, ट्रंप प्रशासन में प्रेसिडेंशियल पर्सनल डायरेक्टर रह चुके हैं। अगस्त में ट्रंप ने उन्हें भारत में राजदूत और दक्षिण व मध्य एशिया के लिए विशेष दूत नियुक्त किया था। उन्होंने ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई थी। सेनेट ने अक्तूबर में गोर की नियुक्ति को मंजूरी दी थी।

भारत के लिए क्या बोले गोर : अपने सेनेट कन्फर्मेशन हियरिंग के दौरान गोर ने कहा था कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और आने वाले समय में उसकी भूमिका पूरे क्षेत्र और विश्व को प्रभावित करेगी। उन्होंने कहा था कि भारत के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने से अमेरिका की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और चीन के आर्थिक दबदबे को कम करने में मदद मिलेगी।

भारत-अमेरिका रिश्तों में नई शुरुआत : हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध व्यापारिक शुल्क और ऊर्जा नीति को लेकर तनाव में रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50% तक टैरिफ लगाया था, जिसमें रूसी तेल की खरीद पर 25% शुल्क भी शामिल था। भारत ने इसे अनुचित और एकतरफा निर्णय बताया था, हालांकि उसने यह भी कहा कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित पर आधारित है।

सीमा पार से आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी के पीड़ित, भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सख्त लहजे में कहा कि देश लंबे समय से सीमा पार से आने वाले आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी का शिकार रहा है। भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर हमला करते हुए कहा कि अब ड्रोन के जरिए भी हथियार भारत में भेजे जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने 'स्मॉल आर्म्स' पर खुले विचार-विमर्श के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को ऐसे हथियारों की आवाजाही और इस्तेमाल को बढ़ावा देने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनानी चाहिए।

हरीश ने कहा भारत ने कई दशकों तक आतंकवाद की भयावहता झेली है। छोटे हथियारों और गोला-बारूद की अवैध तस्करी और आतंकवादी संगठनों तक इसकी पहुंच बेहद चिंता का विषय है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से भारत की मांग : भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आग्रह किया कि वह आतंकवादियों और सशस्त्र समूहों को हथियार पहुंचाने वालों के खिलाफ कठोर और समन्वित कदम उठाए। हरीश ने कहा सुरक्षा परिषद को आतंकवाद के किसी भी रूप या उसे समर्थन देने वालों के प्रति सहिष्णुता नहीं दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हथियार प्रतिबंध संघर्ष क्षेत्रों में हथियारों के प्रवाह को रोकने का एक प्रभावी तरीका है, लेकिन इसे निष्पक्ष और सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत : भारत ने कहा कि छोटे हथियारों और हल्के हथियारों की तस्करी न केवल सुरक्षा बल्कि विकास और मानवीय पहलुओं को भी प्रभावित करती है। हरीश ने कहा कि इन पर नियंत्रण के लिए देशों को मिलकर काम करना होगा, जिससे सीमा सुरक्षा, खुफिया साझेदारी और सूचना आदान-प्रदान को मजबूत किया जा सके। उन्होंने बताया कि भारत में यूएन प्रोग्राम ऑफ एक्शन (पीओए) और इंटरनेशनल ट्रेसिंग इंस्ट्रूमेंट (आईटीआई) को सक्रिय रूप से सहयोग के रूप में लागू किया जा रहा है।

पाकिस्तान, रूस में घुसकर डिफेंस टेक्नीक चुराने की कर रहा था कोशिश; भंडाफोड़

मास्को, एजेंसी। बीते मई महीने में जंग के मैदान में भारत के हाथों बुरी तरह पिटने वाला पाकिस्तान अब चोरी पर उतर आया है। अपने एयर डिफेंस सिस्टम्स की नाकामी के बाद पाकिस्तान रूस में घुसकर डिफेंस टेक्नीक चुराने की कोशिश कर रहा था। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने बीते दिनों पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा चलाए जा रहे एक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह नेटवर्क रूस से वायु रक्षा प्रणालियों की तकनीक की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था।

इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में इस मामले से परिचित लोगों के हवाले से बताया गया कि रूस में एक अभियान के तहत सेंट पीटर्सबर्ग में एक रूसी नागरिक को कुछ खुफिया दस्तावेजों की तस्करी करते गिरफ्तार किया गया। इन दस्तावेजों में सैन्य हेलीकॉप्टर की तकनीक और एयर डिफेंस सिस्टम डेवलप करने के लिए इस्तेमाल होने वाले दस्तावेजों से संबंधित कई जानकारियां शामिल थीं। आईएसआई कथित तौर पर रूस द्वारा निर्मित एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणालियों से जुड़ी तकनीक की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी। गौरतलब है कि रूस में पाकिस्तान की इस करतूत का खुलासा ऑपरेशन सिंदूर के कुछ महीने बाद हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ बनी युद्ध जैसी स्थिति में भारत ने स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों के साथ रूस में बनी S400 एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से पाकिस्तान की हालत पतली कर दी थी। पाकिस्तान के कायराना हमलों को इन डिफेंस सिस्टम्स ने पूरी तरह नाकाम कर दिया था। ऐसे में अब पाकिस्तान इन तकनीकों की चोरी पर उतर आया।

नेपाल में फिर भड़की हिंसा: मधेश सीएम के शपथ ग्रहण का विरोध, कार्यालय में तोड़फोड़; प्रांतीय प्रमुख बर्खास्त

काठमांडू, एजेंसी। जेन-जी के विरोध प्रदर्शन से उबर रहे नेपाल में अब मधेस में हिंसा भड़क गई है। जनकपुरधाम स्थित मधेश के मुख्यमंत्री के ऑफिस में जमकर तोड़फोड़ हुई। भारत से सटे मधेश प्रांत में सीपीएन-यूएमएल संसदीय दल के नेता सरोज कुमार यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम के बाद नेपाल सरकार ने प्रांतीय प्रमुख सुमित्रा सुबेदी भंडारी को उनके पद से हटा दिया है। दरअसल, एलएसपी नेता जितेंद्र सोनल को अनुच्छेद 168 (2) के तहत नियुक्त किया गया था, लेकिन वह 8 नवंबर को विश्वास मत हासिल करने में विफल रहे थे। ऐसे में सरोज कुमार यादव की नियुक्ति की गई। प्रांतीय प्रमुख सुमित्रा सुबेदी भंडारी ने महोत्तरी में बर्दीबास के एक होटल से सोमवार

तड़के 4 बजे यादव को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। हालांकि नियुक्ति पत्र रविवार की तारीख में जारी किया गया। इतना ही नहीं, केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्रित्व काल में प्रांत प्रमुख नियुक्त की गई सुमित्रा ने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की दावेदारी को नजरअंदाज कर दिया।

नेपाली कांग्रेस समेत सात दलों ने सरकार गठन के लिए भंडारी को औपचारिक सूचना दी थी लेकिन वह बीमारी का हवाला देते हुए काठमांडो चली गई थीं। हालांकि इसी दौरान, उन्होंने होटल से ही सरोज यादव को मुख्यमंत्री नियुक्त करने का पत्र जारी कर दिया और उन्हें शपथ भी दिला दी। इसके बाद नेपा, जेएसपी और लोसपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की, टायर जलाए और सड़कें जाम कर दीं। मुख्यमंत्री के चैंबर में फर्नीचर व संपत्ति को क्षति पहुंचाई।

धोखे से की गई सरोज यादव की नियुक्ति : जितेंद्र सोनल एक दिन पहले ही इस्तीफा देने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जितेंद्र सोनल ने भंडारी पर आरोप लगाया कि उन्होंने काठमांडो में मेडिकल उपचार के लिए जाने का नाटक कर चुपके से सरोज यादव को नियुक्त कर मधेश के लोगों के साथ धोखा किया है। यूएमएल गठबंधन से अलग होने के बाद माओवादी सेंटर और मधेश आधारित पार्टियों के साथ मिलकर नई सरकार बनाने की तैयारी कर रही नेपाली कांग्रेस ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की है। पार्टी महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मधेस प्रांत में जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह राजनीति विरोधी कदम सिर्फ संघवाद के प्रति लोगों की निराशा को और बढ़ाएगी। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने भी कहा कि जब आर्टिकल 168 (2) के तहत सरकार बन सकती थी, तब भी यह नाटक किया गया। हम उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका इसे ठीक करेगी।

खूंखार अपराधियों का तांडव, इक्वाडोर की जेल में फांसी पर लटके मिले दर्जनों कैदी

इक्वाडोर, एजेंसी। दक्षिण अमेरिका के इक्वाडोर में एक बेहद खतरनाक घटना सामने आई है। यहां की मचला जेल में दंगों के बाद कम से कम 31 कैदी फांसी पर लटके पाए गए। जेल के अधिकारियोंका कहना कहना है कि चार कैदियों को गोली मार दी गई थी। बाकी कैदियों को फांसी पर लटकाकर या फिर गला घोटकर मार दिया गया। इक्वाडोर के गृह मंत्री ने बताया कि शाम को करीब 6 बजे कैदियों के शव लटके हुए पाए गए थे। विरोधी गैंग ने उन्हें मारकर लटका दिया। उन्होंने कहा कि इस जेल में करीब 1000 कैदी थे। इस घटना के बाद देश में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है।

क्यों हुआ था दंगा : रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्रग्स स्मगलिंग के सरगनाओं की जेल बदलने को लेकर यह दंगा हुआ था। जेल में बंद कैदियों के गैंग का कहना था कि उन्हें ट्रांसफर ना किया जाए। वहीं सरकार ने गुयाकिल की जेल में उन्हें ट्रांसफर करने का फैसला किया था। गृह मंत्री ने बताया कि अब तक 300 खूंखार कैदियों को नई जेल में शिफ्ट किया जा चुका है। बता दें कि इक्वाडोर की इस जेल में अकसर दंगे होते हैं। 2020 से अब तक कम से कम 500 कैदी इस जेल में मारे जा चुके हैं।

इक्वाडोर की गिनती दुनिया के बेहद खतरनाक देशों में होती है। राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने कई संगठनों को आतंकी संगठन घोषित किया है और कई अपराधियों को प्रत्यर्पित किया है। ऐसे में ये संगठन और भी हिंसक हो गए हैं। बता दें कि अप्रैल में ही इक्वाडोर में चुनाव करवाए गए थे। नोबोआ ने अपने प्रतिद्वंद्वी लुइसा गोंजालेज को हराया था। उनके बीच मतों का अंतर भी बेहद कम था। चुनाव के दौरान भी हिंसा की खबरें सामने आई हैं। इक्वाडोर में रोजगार और अपराध बड़ी समस्या बने हुई है। नोबोआ एक दक्षिणपंथी नेता हैं। वह कानून व्यवस्था को लेकर कड़े फैसलों के लिए जाने जाते हैं।

वायरल टिकटॉकर को बीच चौराहे गोलियों से भूना, जिहादियों ने लाइव स्ट्रीमिंग के समय किया था अगवा

बामको, एजेंसी। माली में एक युवा टिकटॉकर की सरेआम हत्या ने पूरी दुनिया में सनसनी मचा दी है। जानकारी के मुताबिक आंतरिक संघर्षों से जूझ रहे माली में हाल ही में मारियम सिसे नाम की सोशल मीडिया स्टार की किडनैपिंग के बाद सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी गई। कथित तौर पर यह हत्या जिहादी समूहों ने की। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि मारियम पर आरोप था कि वह माली की सेना की मदद करती है। इस घटना से पूरा देश में सहम उठा है। बता दें कि माली 2012 से जिहादी हिंसा का सामना कर रहा है।

पीड़ित मारियम सिसे के टिकटॉक पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर थे। वह अक्सर अपने इलाके की जिंदगी के वीडियो शेयर करती थी और कई बार सेना के समर्थन में भी पोस्ट करती थी। उसके परिवार के मुताबिक बीते गुरुवार को जिहादियों ने उसे यह कहते हुए पकड़ लिया कि वह सेना को उनकी गतिविधियों की जानकारी दे रही है। उसके भाई ने बताया कि मारियम उस समय शहर के बाजार में लाइव-स्ट्रीम कर रही थी, तभी उसे उठा लिया गया।

अगले दिन मारियम को मोटरसाइकिल से टोंका लाया गया। यहां चौराहे पर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी समय उसका भाई भी वहां मौजूद भीड़ में था। एक सुरक्षा सूत्र ने बताया कि जिहादियों ने आरोप लगाया कि मारियम ने उनका वीडियो बनाकर सेना को भेजा था।

माली मे बिगड़े हालात

यह घटना ऐसे समय हुई है जब देश की सैन्य सरकार जिहादी हिंसा को रोकने में संघर्ष कर रही है। हाल के हफ्तों में अल-कायदा से जुड़े समूह जेएनआईएम ने ईंधन आपूर्ति पर रोक लगा दी है, जिससे आम लोगों की जिंदगी पर बड़ा असर पड़ा है। इस बीच अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने हाल ही में एक बयान में कहा कि हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिहादी समूहों की वजह से जरूरी सामान की आपूर्ति बाधित हो रही है और आम लोगों के लिए हालात बहुत कठिन हो गए हैं। उन्होंने निर्दोष नागरिकों पर हमलों की निंदा की है और कहा है कि अफ्रीकी संघ माली और पूरे साहेल क्षेत्र की मदद के लिए हमेशा तैयार है।

शेख हसीना ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट की कड़ी निंदा की, आतंकवाद को मानवता का दुश्मन बताया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए भीषण हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य बताया। हसीना की यह टिप्पणी सोमवार शाम दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी कार में हुए विस्फोट के बाद आई है। विस्फोट में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं। विस्फोट के प्रभाव से आस-पास के कई वाहन आग की चपेट में आ गए और आसपास की स्ट्रीट लाइटें और खड़ी कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। हसीना ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। हसीना द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, आधुनिक दुनिया में चरमपंथी आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। ये चरमपंथी आतंकवादी समूह एक धर्मनिरपेक्ष, मानवीय और कल्याणकारी राज्य की नींव पर प्रहार करते हैं। पाकिस्तान में जड़ें जमाए ये आतंकवादी समूह बांग्लादेश सहित विभिन्न देशों में अपने नेटवर्क में घुसपैठ कर चुके हैं और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करने के लिए भारत में हमले कर रहे हैं। यह बयान अवामी लीग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया गया था। उन्होंने आगे कहा, हमें इन आतंकवादियों का विरोध करना चाहिए और लोगों के बीच संबंध मजबूत करके दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखनी चाहिए। बांग्लादेश अवामी लीग आतंकवाद के खिलाफ इस सैद्धांतिक संघर्ष में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पूरा समर्थन देती है। हसीना ने इस बात पर जोर दिया कि मानवता के खिलाफ ऐसे जघन्य अपराधों के लिए आज की सभ्य दुनिया में कोई जगह नहीं है और न ही वे माफी के हकदार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद की जड़ें जहां कहीं भी हों, उन्हें

जड़ से मिटा दिया जाना चाहिए। हसीना ने कहा, बांग्लादेश और अन्य जगहों पर इन आतंकवादी समूहों का समर्थन करने वाले लोग मानवता के दुश्मन हैं और हम उनकी कड़ी निंदा भी करते हैं। उन्होंने भारत के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर संभव सहयोग का वादा किया। हसीना ने कहा, हम आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ अपने रुख पर अडिग हैं। हमारा मानना है कि इन आतंकवादी समूहों की हार से न्याय और मानवाधिकारों की रक्षा होगी और दुनिया सुरक्षित बनेगी।

इंडोनेशिया में पूर्व तानाशाह को राष्ट्रनायक का दर्जा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने सोमवार को अपने पूर्व तानाशाह सुहार्तो को राष्ट्रीय नायक घोषित किया। इससे मानवाधिकार संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकार इस कदम से सुहार्तो के शासनकाल के दौरान हुए मानवाधिकार हनन और भ्रष्टाचार को सफेद करने की कोशिश कर रही है। सुहार्तो 32 वर्षों तक सत्ता में रहे। इस दौरान लाखों राजनीतिक विरोधियों की हत्या की गई थी। इसके बावजूद उन्हें राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय नायक दिवस पर सम्मानित किया। संस्कृति मंत्री फदली जोन ने कहा कि सुहार्तो ने डच औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और गरीबी व मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में योगदान दिया था। उन्होंने भ्रष्टाचार और मानवाधिकार हनन के आरोपों को निराधार बताया। राष्ट्रपति प्रबोवो, जो कभी सुहार्तो के दामाद थे, समारोह के बाद चुप रहे। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि यह फैसला तानाशाही शासन को वैध ठहराने की कोशिश है।

केरल के चिड़ियाघर में कुत्तों का आतंक, 10 हिरणों को नोंच-नोंचकर खा गए

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कुत्तों के बढ़ते आतंक ने पूरे देश की नाक में दम कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट को भी इसमें दखल देना पड़ा और कहना पड़ा कि सार्वजनिक स्थलों से कुत्तों को तत्काल हटाया जाए। इनका सफाया होता इससे पहले केरल के चिड़ियाघर से कुत्तों के आतंक की खबर आ गई। जहां करीब 10 हिरण का शिकार कुत्ते कर चुके हैं। चिड़ियाघर के निदेशक नागराज ने इस मामले पर कुछ भी कहने से इनकार किया है। वहीं, अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज भी जारी नहीं किया है, जिससे घटना की सच्चाई पर और सवाल खड़े हो रहे हैं। केरल के त्रिशूर जिले में बने नए पुत्तुर जूलॉजिकल पार्क में एक बड़ी घटना हुई है। पार्क में घुसे आवारा कुत्तों ने 10 हिरणों को मार डाला। इस हादसे से चिड़ियाघर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ गए हैं। यह वही चिड़ियाघर है, जिसे खुले हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है। हाल ही में पार्क ने आगंतुकों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था। फिलहाल यहां सिर्फ स्कूल और कॉलेज के ग्रुप्स को ही आने की अनुमति है। आम जनता के लिए यह पार्क अभी खुला नहीं है। पुत्तुर जूलॉजिकल पार्क का उद्घाटन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 28 अक्टूबर को किया था। यह पार्क 336 एकड़ में फैला एशिया का दूसरा सबसे बड़ा और भारत का पहला 'डिजाइनर चिड़ियाघर' माना जा रहा है। पार्क में 80 प्रजातियों के 534 जानवरों को 23 खुले और प्राकृतिक स्थानों पर रखा जाना है। पुराने चिड़ियाघर के जानवरों को धीरे-धीरे यहां लाया जा रहा है। इसका डिजाइन ऐसा रखा गया है कि जानवरों को खुले और प्राकृतिक माहौल का अनुभव मिले। लेकिन जिस खुलेपन को कभी सुविधा समझा गया, आज वही सुरक्षा के लिए जोखिम बन गया है। सूत्रों के अनुसार, वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ अरुण जकारिया की टीम ने मंगलवार को पार्क का दौरा किया और जांच शुरू की। अधिकारियों ने कहा कि हिरणों की मौत का असली कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

हापुड़ पुलिस ने चेकिंग में कार से बरामद किया 37 किलो हाइड्रो फ्लोरिड

हापुड़ (एजेंसी)। दिल्ली कार विस्फोट मामले के बाद पूरे यूपी में अलर्ट जारी किया गया है। इसके चलते हापुड़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार से केमिकल बरामद किया है। पुलिस ने 37 किलो हाइड्रो फ्लोरिड बरामद किया है। आरोपी हरियाणा से केमिकल लेकर आ रहा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हापुड़ के पिलखुवा एनएच9 का मामला है। वहीं दूसरी तरफ डॉक्टर शाहीन का कानपुर कनेक्शन आने के बाद एटीएस के साथ कानपुर कमिश्नरेट पुलिस भी अलर्ट है। एटीएस की टीम ने दूसरे दिन भी कानपुर में डेरा डाल रखा है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ कैंपस में 2006 के दौरान पोस्टेड रहे डॉक्टर से पूछताछ कर सकती है। एटीएस कानपुर यूनिट की टीम आज कन्नौज जा सकती है। कानपुर कमिश्नर के निर्देश पर गठित की गई स्पेशल टीम-3 डॉ शाहीन से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाने में जुटी है। जानकारी के मुताबिक 2006 से 2012 में मेडिकल कॉलेज कैंपस विभाग में कार्यरत डॉक्टर और स्टाफ से भी जानकारी जुटाई जा रही है। स्पेशल टीम-3 डॉ शाहीन के पूर्व पति से भी पूछताछ कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक साल 2015 में शाहीन का तलाक हुआ था।

बैडमिंटन खेलते हुए 56 वर्षीय कारोबारी की मौत, सर्दियों हार्ट अटैक के मामले बढ़े

कानपुर (एजेंसी)। सर्दियों के आते ही हार्ट अटैक के मामले बढ़ने लगे हैं। हृदय की सर्जरी व क्रॉनिक बीमारी बीपी, डायबिटीज के मरीजों में इसका खतरा ज्यादा देखा जा रहा है। इसके मरीजों की संख्या हृदय रोग संस्थान में बढ़ गई है। बुधवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे ग्रीन पार्क स्टेडियम के बैडमिंटन कोर्ट खेल रहे 56 वर्षीय प्रशांत गुप्ता की अचानक मृत्यु हो गई। मौके पर मौजूद सीपीआर विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप टंडन ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। लेकिन पहले से हृदय के रोगी प्रशांत की रास्ते में मौत हो गई। जांच में सामने आया है कि प्रशांत गुप्ता की पूर्व में हृदय सर्जरी हो चुकी है, उनके हार्ट में स्टेंट डाले थे। ग्रीन पार्क के बैडमिंटन कोच ने बताया कि गुप्ता कई वर्षों से बैडमिंटन खेलने के लिए स्टेडियम आ रहे हैं। बुधवार को सुबह करीब सवा सात बजे खेलने पहुंचे गुप्ता करीब आधा घंटे खेलने के बाद बैठ गए। इस दौरान वे बेसुध हो गए जिन्हें बैडमिंटन कोर्ट में मौजूद सीपीआर विशेषज्ञ डा. टंडन ने नब्ज की जांच करने के बाद सीपीआर दिया। डाक्टर टंडन ने बताया कि उनकी सांस उखड़ती देखकर करीब 10 मिनट सीपीआर देकर हृदय रोग संस्थान ले जाने को कहा गया। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन कोर्ट में बिना देरी किए सीपीआर देने के बाद भी उनकी नाड़ी भी दे दी गई थी लेकिन एंबुलेंस से कार्डियोलॉजी के रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

क्या एसआईआर के दबाव में आकर टीचर ने किया सुसाइड....परिजनों ने बताया

दतिया (एजेंसी)। दतिया जिले में टीचर के सुसाइड का मामला प्रकाश में आया है। यह घटना स्कूल खुलने से कुछ देर पहले हुई, जब टीचर स्कूल पहुंचे और कमरे की खिड़की के पास फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि सतोन बी गांव स्थित स्कूल का मामला है। टीचर उदय भान ने स्कूल के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। हालांकि, जहां टीचर का शव फंदे से लटका मिला है, वहां ऊंचाई कम होने के कारण पुलिस और लोगों को यह संदेह है कि कहीं यह आत्महत्या न होकर मामला कुछ और तो नहीं है। मृतक शिक्षक भान के भाई ने घटना के पीछे प्रशासनिक दबाव को मुख्य कारण बताया है। बताया कि भान एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण में ड्यूटी लगने के बाद से काफी तनाव में रहते थे। ज्यादा डिप्रेशन में थे, क्योंकि अधिकारियों की तरफ से बार-बार ऊपर से दबाव भी आता था। परिजन ने बताया कि टीचर भान कंप्यूटर और मोबाइल ज्यादा नहीं चला पाते थे और प्रशासन के अधिकारी उन पर लगातार दबाव बना रहे थे। भाई ने कहा कि घर के बच्चों ने बताया कि वह बहुत ज्यादा तनाव से रहते थे और गहरे डिप्रेशन में थे।

बम की धमकी के बाद एयर इंडिया की मुंबई से आ रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

वाराणसी (एजेंसी)। मुंबई से उड़ के वाराणसी आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में बम की धमकी मिली है। जिसके बाद वाराणसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। विमान में बम की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। विमान की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद जांच की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

नोएडा-एनसीआर में हवा हुई दूषित, कई सेक्टरों में एक्युआई 400 से ऊपर

खांसी-जुकाम, बुखार, सांस फूलना और आंखों में जलन जैसे मामले बढ़ रहे

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा-एनसीआर की हवा बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। बीते दिन सुबह कई सेक्टरों में एक्युआई 420 से ऊपर दर्ज किया गया, जो बहुत ही गंभीर श्रेणी मानी जाती है। ऐसे में कोई अस्थमा का मरीज, हार्ट पेशेंट, या प्रेगनेंट महिला है तो थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी परेशानी में बदल सकती है। प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक बारिश या ठंडी हवाओं के बिना फिलहाल हालात सुधरेंगे नहीं।

मीडिया रिपोर्ट में डॉ. मीरा पाठक के हवाले से बताया गया है कि हाई पॉल्यूशन का मतलब सिर्फ हवा गंदी होना नहीं, बल्कि हवा में ऐसे केमिकल और कणों का बढ़ जाना है, जो सीधे शरीर की कोशिकाओं, हार्मोन्स और सांस की नलियों पर हमला करते हैं। यही वजह है कि इन दिनों खांसी-जुकाम, बुखार, सिरदर्द, सांस फूलना और आंखों में जलन जैसे मामले अस्पतालों में तेजी से बढ़ रहे हैं। पहला असर दिमाग पर पड़ता है, ब्रेन फॉग यानी दिमाग थका-थका, धीमा और उलझा हुआ महसूस होता है।

डॉ. पाठक के मुताबिक गर्भवती महिलाओं को ज्यादा सावधानी रखने की जरूरत है। हवा में मौजूद पॉल्यूटेंट प्लेसेंटा के जरिए बच्चे तक पहुंच सकते हैं, जिससे शुरुआती महीनों में मिसकैरेज और ब्लीडिंग का खतरा बढ़ जाता है। वहीं आगे चलकर फीटल ग्रोथ, ब्रेन डेवलपमेंट और यहां तक कि प्रीमैच्योर डिलीवरी की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे समय में बाहर जाने पर एन-95 मास्क जरूरी है और घर में एयर प्यूरीफायर हो तो बढ़िया, नहीं तो स्नेक प्लांट, स्पाइडर प्लांट और मनी प्लांट जैसे प्राकृतिक विकल्प भी कारगर हैं।

खाने-पीने में हल्दी, गुड़, आंवला, संतरा, नींबू, अदरक, और हरी सब्जियां शरीर के अंदर इम्युनिटी शील्ड की तरह काम करती हैं। पानी खूब पिएं, गरम पानी और काढ़ा भी लाभकारी है। कोई भी लक्षण जैसे सांस में समस्या, तेज खांसी, सीने में दर्द या लगातार थकावट महसूस हो तो तुरंत नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें। इस मौसम में बाहर घूमना खतरा है।

बता दें बुधवार सुबह नोएडा में हवा की गुणवत्ता तेजी से गिरी। सेक्टर 76, 75, 74 और 78 की तरफ एक्युआई 424 दर्ज किया गया। वहीं सेक्टर 1, 2, 3, 5, 6 और 15 में भी यह स्तर 412 तक पहुंचा। इसके अलावा सेक्टर 125, 126 और 128 की तरफ 425 का स्तर रिकॉर्ड किया गया। ग्रेटर नोएडा में थोड़ी राहत जरूर दिखी, लेकिन वहां भी हवा 'खराब' श्रेणी में रही, जहां एक्युआई 404 दर्ज किया गया और सेक्टर 62 के आसपास एक्युआई 446 दर्ज किया गया।

बता दें 0 से 50 अच्छा जिसमें सांस लेने में कोई दिक्कत नहीं होती है। 51 से 100 के बीच संतोषजनक जिसमें संवेदनशील लोगों को हल्की परेशानी होती है। 101 से 200 मध्यम में बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा रोगियों को परेशानी होती है। 201 से 300 के बीच खराब होता है और इसमें सामान्य लोगों को भी खांसी, गले में जलन होती है। 301 से 400 बहुत खराब श्रेणी में आता है, जिसमें सांस की तकलीफ, आंखों में जलन के साथ और कई तरह की समस्या होने लगती है। 400 से ऊपर बहुत गंभीर श्रेणी में रखा जाता है, जिसमें स्वास्थ्य पर गंभीर असर, अस्पताल में भर्ती तक की नौबत आ सकती है।

स्वस्थ होकर घर पहुंचे अभिनेता धर्मेंद्र, डॉक्टर बोले - घर पर देख-रेख करेगा परिवार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र अब पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से अपने घर पहुंच गए हैं। उन्हें 1 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार सुबह एक एम्बुलेंस में उन्हें घर ले जाया गया। परिवार ने एक्टर को घर ले जाने का तय किया है, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हें मुंबई के निजी अस्पताल में भर्ती किया किया था, डॉक्टर्स उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए थे और देशभर से फैंस उनकी सेहत के लिए दुआ कर रहे थे। लेकिन बुधवार को उन्हें

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज करके घर ले जाने की खबर आई है। बता दें कि बीती रात बॉबी देओल, सनी देओल और धर्मेंद्र के पोतों (करण और राजवीर) को हॉस्पिटल से वापस लौटते देखा गया था। उनके चेहरों के हावभाव फैंस की चिंता और भी ज्यादा बढ़ा रहे थे। लेकिन इस बीच एक्टर को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया जाना उनके फैंस के लिए राहत की खबर हो सकती है। धर्मेंद्र के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं जिनमें एक एम्बुलेंस को ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल से बाहर आते देखा जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र का इलाज कर रहे डॉक्टर प्रतीत समदानी ने बताया, धर्मेंद्रजी को सुबह करीब 7.30 बजे के करीब हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। उनका इलाज घर पर चलता रहेगा क्योंकि परिवार ने घर पर ही उनका ट्रीटमेंट करवाने का फैसला किया है। धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने बताया था कि धर्मेंद्र की हालत में सुधार है और पत्नी हेमा मालिनी ने मीडिया से निजता बनाए रखने का आग्रह किया था। मंगलवार रात तक हॉस्पिटल में धर्मेंद्र से मिलने के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहा।

बंगाल और तमिलनाडु ने की एसआईआर पर रोक की मांग, सुनवाई 26 को

-सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा- वे एसआईआर में सुधार के सुझाव दे सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के सियासी दलों और नेताओं ने याचिका दाखिल की है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई की। अब सुप्रीम कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप सभी को एसआईआर प्रक्रिया को हर मतदाता तक पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके बाद अंतरिम रोक की मांग पर नोटिस जारी करके चुनाव आयोग से 24 नवंबर तक जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी।

डीएमके और टीएमसी याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने एसआईआर पर रोक लगाने की मांग की तो कोर्ट ने हैरानी जताई। मुख्य न्यायधीश सूर्यकांत और जयमाल्या बागची की युगलपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता मतदाता सूची में सुधार का विरोध क्यों कर रहे हैं? पीठ ने आगे कहा कि वे एसआईआर में सुधार के सुझाव दे सकते हैं। सिब्बल ने तर्क दिया कि जब उत्तर पूर्व मानसून सक्रिय होता है तो राज्य में नवंबर और दिसंबर में भारी बारिश होती है। ऐसे में बीएलओ/ईआरओ/एईआरओ की ड्यूटी बाढ़ राहत में लगी होगी। लोग भी बाढ़ की तैयारी में होंगे। ऐसे में यह समय एसआईआर के लिए उपयुक्त नहीं है।

एक अन्य तर्क में सिब्बल ने कहा कि दिसंबर और जनवरी में फसल कटाई का समय होता है। इस वक्त ज्यादातर किसान एसआईआर में हिस्सा लेने की खातिर अपने घरों पर उपलब्ध नहीं होंगे। आगे क्रिसमस और पोंगल की छुट्टियां हैं। इन सभी वजह से लोग 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक उपलब्ध नहीं होंगे। कपिल सिब्बल ने दावा किया कि पहले एसआईआर लंबे समय तक चलाया जाता था, जबकि अब चुनाव आयोग इसे केवल एक महीने तक चला रहा है। इससे लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

टीएमसी सांसद अपनी याचिका में तर्क दिया कि पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में 4जी और 5जी मोबाइल सेवा उपलब्ध नहीं है। इस कारण चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपना डेटा अपलोड करने और सुधार करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने चुनाव आयोग का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जब मतदाता सूची में सुधार की बात आती है तो राज्य के यह दिखाने के लिए मुकाबला होता है कि वे कितने पिछड़े हैं।

उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना की अपील

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू (प्रसादम) में इस्तेमाल होने वाले कथित नकली घी विवाद के बीच उप मुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने हिन्दुत्व और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना की अपील की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पवन कल्याण ने कहा कि सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जा रहा है और उन्हें कमतर आंका जा रहा है, इससे करोड़ों भक्तों का विश्वास कम हो रहा है। उप-मुख्यमंत्री ने लिखा, वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर है, यह एक पवित्र आध्यात्मिक प्रवाह है। तिरुपति लड्डू सिर्फ एक मिठाई नहीं है, यह एक साझा भावना है। हम लड्डुओं को दोस्तों, परिवार और अजनबियों के बीच समान रूप से बांटते हैं, क्योंकि यह हमारे सामूहिक आस्था और गहन विश्वास का प्रतीक है।

उन्होंने लिखा, 'औसतन, हर साल करीब 2.5 करोड़ भक्त तिरुमाला आते हैं और जब सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जाता है या उन्हें कमतर आंका जाता है, तब यह न केवल आहत करने वाला होता है; बल्कि यह दुनिया भर के लाखों लोगों के विश्वास और श्रद्धा को भी चकनाचूर कर देता है। धर्मनिरपेक्षता दोतरफा होनी चाहिए।'

सनातन धर्म के लिए संरक्षण निकाय की स्थापना का आह्वान कर कल्याण ने कहा कि बोर्ड का गठन सभी हितधारकों की सहमति से होना चाहिए। उन्होंने लिखा, हमारी आस्था की सुरक्षा और सम्मान से समझौता नहीं हो सकता। हमारा सनातन धर्म सबसे प्राचीन और निरंतर विकसित होती सभ्यताओं में से एक है, और अब समय आ गया है कि हम सभी हितधारकों की सहमति से सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना करें।

वहीं एक अन्य एक्स पोस्ट में उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 2019 से 2024 के बीच तिरुपति लड्डुओं में 250 करोड़ के मिलावटी घी का इस्तेमाल हुआ है। यह मामला तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व कार्यकारी अधिकारी धर्म रेड्डी के मिलावटी घी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश होने के बाद आया है।

इस बीच, एसआईटी ने टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी को ऑनलाइन नोटिस जारी कर 13 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने एक हफ्ते का समय मांगकर कहा है कि वह 15 नवंबर के बाद पेश हो सकते हैं।

शिवसेना कार्यकर्ताओं की पार्टी है, किसी एक व्यक्ति की नहीं : एकनाथ शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि शिवसेना हमेशा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और समुदायों से जुड़े कई नेता और सदस्य मुंबई में उनके आधिकारिक मुक्तागिरी निवास पर पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं की पार्टी है जहां काम करने वालों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा आम लोगों, पिछड़े वर्गों और जमीनी स्तर पर काम करने वालों के कल्याण के लिए कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य भर में हर दिन हजारों कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हो रहे हैं, जो शिवसेना के नेतृत्व और विचारधारा में लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। शिंदे ने कहा कि राज्य के सीएम रहते हुए भी मैंने एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया और अब भी करता हूं। यह पार्टी कार्यकर्ताओं की है, किसी एक व्यक्ति की नहीं।

वायु प्रदूषण पर सख्त सुप्रीम कोर्ट, पंजाब और हरियाणा से पराली जलाने से रोकने उठाए कदमों का डेटा मांगा

-इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों को पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों का डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को उनके राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों का डेटा एक सप्ताह के भीतर पेश करने का निर्देश दिया है। एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) ने बताया कि वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों का डेटा या अपलोड नहीं हो रहा है या गलत डेटा अपलोड किया जा रहा है। दिल्ली में खतरनाक श्रेणी की हवा के कारण इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सीजन में पराली जलाने की

घटनाओं को कंट्रोल करने में जिले की खराब स्थिति के लिए फतेहाबाद के उपायुक्त (डीसी) विवेक भारती को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीसी को 17 नवंबर, 2025 की शाम 5:00 बजे तक लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। जवाब नहीं मिलने पर सीएक्यूएम अधिनियम की धारा 14 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने 1 से 9 नवंबर के बीच फतेहाबाद में खेतों में आग लगने की घटनाओं में महत्वपूर्ण तेजी पर चिंता जाहिर की है। 15 सितंबर से 9 नवंबर के बीच कुल 59 मामले दर्ज किए गए। सिर्फ 8 और 9 नवंबर को ही 28 मामले दर्ज हुए। सीएक्यूएम ने कहा कि बार-बार निर्देशों के बावजूद पर्याप्त पर्यवेक्षण और कार्रवाई लागू नहीं की गई। वहीं सीएक्यूएम ने बताया कि हरियाणा में इस साल खेतों में आग लगने की 206 घटनाएं दर्ज की गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 888 थी। लेकिन आयोग ने इसे सिर्फ मामूली सुधार बताया। सीएक्यूएम ने मई 9, 2025 के निर्देश का भी जिक्र किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को 2025 की कटाई के मौसम के दौरान पराली जलाने को पूरी तरह से समाप्त करने का निर्देश दिया गया था। सीएक्यूएम अधिनियम की धारा 14(1) के तहत आयोग के आदेशों का पालन न करने पर पांच साल तक की जेल या 1 करोड़ तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। आयोग ने चेतावनी दी है कि यदि डीसी निर्धारित समय तक स्पष्टीकरण नहीं देते हैं, तब अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में जमात के 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापे

-आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल उपकरण जब्त, 500 से ज्यादा से पूछताछ

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में पुलिस ने बुधवार को जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारे गए और आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल उपकरण जब्त किए। यह कार्रवाई दिल्ली विस्फोट और एक अंतरराज्यीय सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि शोपियां, कुलगाम, बारामूला और गांदरबल जिलों में कई स्थानों पर छापे मारे गए। उन्होंने बताया कि जेईआई सदस्यों और उनके साथियों के आवासों और परिसरों पर छापे मारे गए और तलाशी ली गई। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई जमीनी स्तर पर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है। अभियान जारी है अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। बता दें पिछले चार दिनों में 500 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई है, जिनमें से कई को हिरासत में लिया गया और जिले में सुरक्षाकर्मियों द्वारा 400 घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए हैं। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुलगाम पुलिस ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, जिसके शीर्ष नेता 2019 के केंद्र सरकार के प्रतिबंध के बाद कश्मीर के अंदर और बाहर जेलों में बंद थे। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जमीनी स्तर पर आतंकवादी तंत्र और उसके समर्थन ढांचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों के तहत जमात के सदस्यों और उनके सहयोगियों के घरों और परिसरों पर छापे मारे। उन्होंने कहा कि छापेमारी में आपत्तिजनक सामग्री और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं और कई जमात-ए-इस्लामी सदस्यों से पूछताछ की गई और आतंकवाद को मदद देने वाले नेटवर्क का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया है। कुलगाम जिले में पुलिस ने पिछले चार दिनों में सैकड़ों आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि पिछले चार दिनों में जिले के कई इलाकों में 400 से ज्यादा घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए।

कार धमाके से हमारी यूनिवर्सिटी का कोई लेना-देना नहीं, फैलाई जा रही गलत बातें

-परिसर में जितनी भी प्रयोगशालाएं उनका इस्तेमाल सिर्फ अध्ययन के लिए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के भंडाफोड़ और दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके के बाद अल फलाह यूनिवर्सिटी का नाम चर्चाओं में आ गया है। इस यूनिवर्सिटी से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जबकि तीसरा शख्स लाल किले के पास हुए ब्लास्ट में मारा गया।

इसको देखते हुए अब यूनिवर्सिटी ने अपनी आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि हमारा इस धमाके से कोई लेना-देना नहीं है। जिन लोगों को भी इस कार धमाके में अपनी जान गंवानी पड़ी, उनके प्रति हम दुख व्यक्त करते हैं, लेकिन जिस तरह से हमारी यूनिवर्सिटी का नाम लिया जा रहा है, उससे इसकी गरिमा को ठेस पहुंच रही है। हमारे संज्ञान में यह भी आया है कि कई सोशल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर हमारी यूनिवर्सिटी के संबंध में मनगढ़त और झूठे बयान दे रहे हैं, जिनमें बिल्कुल भी सत्यता नहीं है। इसका मुख्य मकसद सिर्फ हमारी यूनिवर्सिटी की गरिमा को नुकसान पहुंचाना है।

यूनिवर्सिटी ने बयान में कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि हमारे दो डॉक्टरों की गिरफ्तारी हुई है, लेकिन हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे यूनिवर्सिटी परिसर का इस्तेमाल किसी भी शरारती गतिविधियों में प्रयुक्त होने वाले केमिकल के निर्माण के लिए नहीं किया गया था, जिस तरह की बातें फैलाई जा रही हैं, यह पूरी तरह से भ्रामक और बेबुनियादी है। यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित जितनी भी प्रयोगशालाएं हैं, उनका इस्तेमाल सिर्फ एमबीबीएस और अन्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए ही किया जाता है। इसके अलावा, हमारी यूनिवर्सिटी में स्थित जितनी भी प्रयोगशालाएं हैं, उनका संचालन निर्धारित दिशानिर्देश के अनुरूप ही किया जाता है।

बयान में कहा गया है कि हम सभी संगठन और अन्य लोगों से कहना चाहेंगे कि अगर हमारी यूनिवर्सिटी के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी किसी भी मंच के जरिए से मिले, तो उसे साझा करने से पहले ये सत्यापित करें कि उसमें सत्यता है या नहीं। बिना सत्यापित किए हमारी यूनिवर्सिटी के संबंध में किसी भी जानकारी को साझा करने से बचें। साथ ही आधिकारिक बयान में कहा गया है कि हम इस मुश्किल घड़ी में राष्ट्र के साथ खड़े हैं। इस घटना के संबंध में जो भी जांच हो रही है, उसमें हम हर तरह से सहयोग करने को तैयार हैं। वहीं, हम यह भी स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हमारी यूनिवर्सिटी के सभी छात्र पूरी तरह से सिर्फ पढ़ाई में संलिप्त हैं।

यूनिवर्सिटी की तरफ से बयान में जानकारी देते दी गई कि अल फलाह ग्रुप 1997 से कई संस्थानों के संचालन में अहम भूमिका निभा रहा है। अल फलाह यूनिवर्सिटी 2014 में अस्तित्व में आई थी, जिसे

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की तरफ से मान्यता भी मिली हुई है। वहीं, अल फलाह यूनिवर्सिटी में साल 2019 से मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही अल फलाह यूनिवर्सिटी ने अपने आधिकारिक बयान में यह भी कहा कि हमारे यहां से मेडिकल की पढ़ाई करके निकलने वाले सभी छात्र आज की तारीख में देश-विदेश में उच्च और गरिमापूर्ण पदों पर काबिज हैं।